शुभ लाभ DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | मंगलवार, 17 जून, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु.| वर्ष-7 | अंक-166

राज्य के विभिन्न जिलों में लगातार बारिश जारी @ नम्मा बेंगलूरु

खुफिया एजेंसी ‘ रॉ ’ ने प्रधानमंत्री कार्यालय को सतर्क किया

डोकलाम घेरने की चीनी हरकतें दे रहीं युद्ध का संकेत

दीनबंधु कबीर

लद्दाख की तरफ ध्यान भटका कर चीन दूसरी तरफ अपनी शैतानियों में लगा है। भारत के पड़ोसी देश भूटान को उसका एक अन्य पड़ोसी चीन धीरे-धीरे खा रहा है। चीन भूटान को यह अहसास करा रहा है कि वह चीन के सामने अत्यंत कमजोर है और वह उसे तिब्बत की तरह पूरा भी निगल सकता है। भारतीय खुफिया एजेंसी रिसर्च एंड अनालिसिस विंग (रॉ) ने प्रधानमंत्री कार्यालय को यह सूचित किया है कि चीन हिमालयी राज्य भूटान के डोकलाम को अपने कब्जे में लेने की पेशबंदियों में फिर से सक्रिय है। चीन की ऐसी ही कोशिश का भारतीय सेना ने वर्ष 2017 में तगड़ा विरोध किया था और 27 दिनों तक दोनों देश की सेनाएं आमने-सामने तन कर खड़ी रही थीं। हाथापाई की छिटपुट घटनाएं भी हुई थीं, उसके बाद चीन को अपने कदम वापस खींचने पड़े थे।

चीन के साथ भूमि-सीमा साझा करने वाले सभी 14 देशों में से भूटान एकमात्र ऐसा देश है, जहां आधिकारिक तौर पर कोई सीमा निर्धारित (सीमांकित) नहीं है। चीन भूटान के उन क्षेत्रों में भी नागरिक घुसपैठ, सैन्य गश्त, क्षेत्रीय दावा, प्रत्यक्ष कब्जा, सेना की चौकियों और यहां तक कि पूरे-पूरे गांवों का निर्माण कर रहा है, जिसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भूटान की भूमि के रूप में मान्यता प्राप्त है। चीन अपने मानचित्र में भूटान के अंदर के उन सभी क्षेत्रों को दर्शाता है, जिन पर चीन ने दावा कर रखा है या कब्जा कर रखा है। इसका कुल क्षेत्रफल सम्पूर्ण भूटान का लगभग 12 प्रतिशत है। चीन भूटान को हड़पने के लिए पीछे पड़ा है। जबकि संकटग्रस्त राजशाही के पीछे शक्तिशाली पड़ोसी भारत साथ देने के लिए खड़ा है। भूटान के रणनीतिक हिस्सों पर कब्जा करके चीन भारत के चिकन-नेक पर अपना पैर मजबूती से जमाना चाहता है। यह चिकन-नेक संकरा सिलीगुड़ी कॉरिडोर है जो भारत के मुख्य भाग को उसके पूर्वोत्तर के राज्यों से जोड़ता है, जिन्हें सेवन सिस्टर्स के नाम से जाना जाता है। पूर्वोत्तर के उन्हीं सात बहनों से जुड़ता है भूटान जिसे सूर्योदय की नारंगी चमक से जगमगाती पर्वत चोटियां, बादलों से भरे आसमान के नीचे पहाड़ियों और देवदार के पेड़ों की गहरी छायाएं दुनिया की छत पर बसे इस देश को विस्मयकारी खूबसूरती प्रदान करती हैं। माउंट जोमोल्हारी पर्वत भूटान और चीन प्रशासित तिब्बत के बीच अनिर्धारित सीमा पर स्थित है। इसकी 7,350 मीटर ऊंची चोटी पर केवल छह बार ही विजय प्राप्त की जा सकी है। भूटानी लोग इस पर्वत को पवित्र मानते हैं और इस तक पहुंच को प्रतिबंधित रखते हैं। भूटान की परेशानी वर्ष 1951 में शुरू हुई, जब चीन ने हिमालय के दूसरे बड़े राजतंत्र तिब्बत पर कब्जा कर लिया। इसके बाद से उसकी निगाह भूटान पर गड़ी है, जिसे वह आक्रामक तरीके से आगे बढ़ा रहा है। यहां तक कि शुरुआत में चीन ने भूटान की स्वतंत्रता के अधिकार को भी नकार दिया था। 1950 के दशक में चीन ने भूटान के तीन खास इलाकों बेयुल खेंपाजोंग (भूटान के लोगों के लिए खास महत्व वाले मंदिरों और मठों से समृद्ध क्षेत्र) के उत्तरी क्षेत्र स्थित पासमलुंग और जकारलुंग एवं पश्चिम में डोकलाम पर अपना दावा करना शुरू कर दिया। 1980 के दशक से चीन ने अपने वहशी उत्तरी दावों में मेनचुमा घाटी को भी शामिल कर लिया। भले ही आधिकारिक चीनी मानचित्र 1990 के दशक की शुरुआत में इस क्षेत्र को भूटान का हिस्सा दिखाते हों। चीनी अतिक्रमण से चिंतित भूटान ने सीमा मुद्दे को स्थायी तौर पर सुलझाने के लिए 1984 में चीन के साथ बातचीत शुरू की। चार दशक से अधिक और दो दर्जन दौर की बातचीत के बाद भी कोई समझौता नहीं हुआ। यह चीन के दोहरे चरित्र का सबूत है। चीन की मक्कार रणनीति ही रही है धीरे-धीरे बोलना और बड़े जबड़े खोलना। जैसे-जैसे कूटनीतिक शिष्टाचार जारी रहता है, बीजिंग जमीन निगलने के कृत्य को आगे बढ़ाता रहता है।

1988 में, चीन ने डोकलाम के अधिकांश हिस्से पर कब्जा कर लिया। यह क्षेत्र 1913 में तिब्बत के 13वें दलाई लामा द्वारा भूटान को दे दिया गया था। इसीलिए अपेक्षाकृत छोटे आकार (34 वर्ग मील या 89 वर्ग किमी, जो वाशिंगटन डी.सी. के क्षेत्रफल का लगभग आधा है) के बावजूद यह चीन की क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं ▶10पर

शुभ-लाभ चिंता

भूटान के रास्ते भारत के चिकन-नेक पर पैर जमाने की कोशिश

भूटान की अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त सीमाओं पर बसा लिए हैं गांव

लद्दाख की ओर ध्यान भटका कर फिर से डोकलाम घेर रहा चीन

साइप्रस के सर्वोच्च सम्मान से नवाजे गए प्रधानमंत्री मोदी

मजबूत हुई भारत और साइप्रस की दोस्ती

निकोसिया, 16 जून (एजेंसियां)।

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को साइप्रस के सर्वोच्च सम्मान से नवाजा गया। साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस ने प्रधानमंत्री मोदी को साइप्रस के सर्वोच्च सम्मान ग्रैंड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ मकारियोस तृतीय से सम्मानित किया। ऑर्डर ऑफ मकारियोस तृतीय साइप्रस की ओर से प्रदान किया जाने वाला नाइटहुड सम्मान है, जिसका नाम साइप्रस के प्रथम राष्ट्रपति आर्कबिशप मकारियोस तृतीय के नाम पर रखा गया था। साइप्रस का सर्वोच्च सम्मान पाने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, मुझे विश्वास है कि आने वाले समय में हमारी सक्रिय भागीदारी नई ऊंचाइयों को छुएगी। हम साथ मिलकर न केवल अपने दोनों देशों की प्रगति को मजबूत करेंगे, बल्कि एक शांतिपूर्ण और सुरक्षित वैश्विक वातावरण के निर्माण में भी योगदान देंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, राष्ट्रपति जी, ग्रैंड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ मकारियोस तृतीय सम्मान के लिए मैं आपका, साइप्रस सरकार का और साइप्रस के लोगों का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। यह सिर्फ नरेंद्र मोदी का ही नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों का सम्मान है। यह उनकी क्षमताओं और आकांक्षाओं का सम्मान है। यह हमारी संस्कृति, भाईचारे और वसुधैव कुटुम्बकम की विचारधारा का सम्मान है। मैं इसे भारत और साइप्रस के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों, हमारे साझा मूल्यों और आपसी समझ को समर्पित करता हूं। मैं सभी भारतीयों की ओर से इस सम्मान को बड़ी विनम्रता और कृतज्ञता के साथ स्वीकार करता हूं। यह पुरस्कार शांति, सुरक्षा, संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और हमारे लोगों के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में साइप्रस भारत के साथ

रक्षा समेत कई जरूरी मसलों पर बनी परस्पर सहमति

भारत से रिश्ते मजबूत कर रहे हैं तुर्की के दुश्मन देश

ग्रीस, आर्मेनिया व मिस्र के साथ प्रगाढ़ हो रही दोस्ती

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का साइप्रस के निकोसिया स्थित राष्ट्रपति भवन में भव्यता के साथ आधिकारिक स्वागत किया गया। साइप्रस गणराज्य के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलाइड्स के निमंत्रण पर प्रधानमंत्री मोदी दो दिवसीय साइप्रस की आधिकारिक यात्रा पर थे। प्रधानमंत्री मोदी और निकोसिया के राष्ट्रपति क्रिस्टोडौलाइड्स के बीच महत्वपूर्ण मसलों पर बातचीत हुई। यह यात्रा द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने, भूमध्यसागरीय क्षेत्र और यूरोपीय संघ के साथ भारत के संबंधों को आगे बढ़ाने में दोनों देशों की साझा प्रतिबद्धता दिखाती है।

साइप्रस के राष्ट्रपति के साथ बैठक के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हमने पश्चिम एशिया और यूरोप में चल रहे संघर्षों पर चिंता व्यक्त की। हमारा मानना है कि यह युद्ध का युग नहीं है। प्रधानमंत्री ने सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता का समर्थन करने के लिए साइप्रस का आभार जताया। उन्होंने कहा कि इस वर्ष भारत-साइप्रस-ग्रीस साझेदारी शुरू की गई है। ▶10पर

स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट की रिपोर्ट

परमाणु हथियारों में भारत पाकिस्तान से कहीं आगे

नई दिल्ली, 16 जून (एजेंसियां)।

स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिपरी) की रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत के पास पाकिस्तान के मुकाबले कहीं ज्यादा परमाणु हथियार हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत के पास पाकिस्तान के मुकाबले परमाणु हथियार ले जाने वाली मिसाइलें ज्यादा आधुनिक और ज्यादा संख्या में मौजूद हैं। इससे साफ है कि परमाणु क्षमताओं के मामले में भारत, पाकिस्तान पर बहुत भारी है।

भारत के पास ज्यादा आधुनिक परमाणु मिसाइलें

सिपरी ने अपनी रिपोर्ट में यह भी कहा है कि पाकिस्तान परमाणु हथियार बनाने के संसाधन जुटाने में लगा है। सिपरी की रिपोर्ट के अनुसार, भारत के पास साल 2025 में करीब 180 परमाणु हथियार हैं। बीते साल भारत के पास 172 परमाणु हथियार थे। सिपरी ने कहा कि भारत ने न सिर्फ अपने परमाणु जखीरे में इजाफा किया है बल्कि परमाणु हथियार ले जाने वाली नई पीढ़ी की आधुनिक मिसाइलें भी विकसित की हैं। भारत की नई कैनिस्टर मिसाइलों द्वारा परमाणु हथियार को ज्यादा सुरक्षा के साथ ले जाना संभव होगा। साथ ही निकट भविष्य में एक मिसाइल से ही कई परमाणु हथियार ले जाना भी संभव हो सकेगा। पाकिस्तान के पास परमाणु हथियारों की संख्या 170 है। बीते साल भी पाकिस्तान के पास इतने ही हथियार थे।

भारत के पास अग्नि प्राइम मिसाइल है। साथ ही एमआईआरवी सक्षम अग्नि-5 मिसाइल भी है, जो परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम है। अग्नि प्राइम का बीते साल ही परीक्षण किया गया था और इसकी मारक क्षमता 1000 से लेकर 2000 किलोमीटर के बीच है। सिपरी ने अपनी रिपोर्ट में आशंका जताई है कि भारत और पाकिस्तान में संघर्ष छिड़ता है तो पारंपरिक युद्ध के परमाणु युद्ध में बदलने का गंभीर खतरा है। सिपरी की रिपोर्ट में बताया गया है कि चीन अपने परमाणु हथियारों के जखीरे को सबसे ज्यादा तेजी से बढ़ा रहा है। रिपोर्ट में अनुमान जताया गया कि साल 2023 से अब तक चीन सालाना 100 परमाणु हथियार बना रहा है और अब तक करीब 350 नई इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइलें बना चुका है। इस दशक के अंत तक चीन, रूस और अमेरिका के बराबर इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइलें बना चुका होगा। हालांकि चीन अभी भी रूस और अमेरिका के परमाणु हथियारों के मुकाबले बहुत पीछे है। चीन अगले सात से आठ वर्षों में 1000 परमाणु हथियार बना सकता है।

अब जम्मू कश्मीर में उर्दू भाषा को लेकर छिड़ा सियासी बवाल

भर्ती परीक्षाओं में उर्दू की अनिवार्यता खत्म करने की मांग

जम्मू, 16 जून (एजेंसियां)।

जम्मू और कश्मीर में राजनीतिक दलों के बीच एक नया विवाद शुरू हो गया है। मुख्य विपक्षी दल भाजपा ने केंद्र शासित प्रदेश में आगामी नायब तहसीलदार (राजस्व अधिकारी) भर्ती परीक्षा में उर्दू के ज्ञान की अनिवार्य परीक्षा खत्म करने की मांग की है। सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी सहित पार्टियों ने भाजपा की मांग का कड़ा विरोध किया है और उस पर जम्मू-कश्मीर की सांस्कृतिक विरासत को मिटाने का प्रयास करने का आरोप लगाया है।

गुरुवार को वरिष्ठ भाजपा नेता और जम्मू-कश्मीर विधानसभा में विपक्ष के नेता सुनील शर्मा ने उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से मुलाकात की और नायब तहसीलदार के पद के लिए पात्रता मानदंड के रूप में उर्दू के कामकाजी ज्ञान की अनिवार्यता को हटाने के लिए उनके हस्तक्षेप की मांग की। शर्मा का तर्क था कि नायब तहसीलदार उम्मीदवारों के लिए जम्मू-कश्मीर की पांच आधिकारिक भाषाओं में से एक का कामकाजी ज्ञान अनिवार्य करना संवैधानिक सिद्धांतों और प्रशासनिक निष्पक्षता का उल्लंघन करता है और एक अनुचित बाधा उत्पन्न करता है। उन्होंने यह भी दावा किया कि इससे जम्मू के उम्मीदवार नुकसान में रहेंगे। हालांकि, एनसी और पीडीपी ने तुरंत ही भाजपा के रुख का विरोध किया और पार्टी की आलोचना की। एनसी के मुख्य प्रवक्ता तनवीर सादिक ने कहा, उर्दू किसी वर्ग, क्षेत्र या धर्म से जुड़ी नहीं है, ▶10पर

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले रोकने में यूनुस बड़ी बाधा

एक दिन में आधा दर्जन मंदिरों पर हमला, लूटपाट

ढाका, 16 जून (एजेंसियां)।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार कम होने के बजाय और तेज हो गए हैं। बांग्लादेश सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस हिंदुओं के खिलाफ हो रही हिंसा रोकने में सबसे बड़ी बाधा बने हुए हैं। पुलिस और सेना यूनुस के अड़गों के कारण की कार्रवाई नहीं कर पा रही है। बांग्लादेश में एक दिन में आधा दर्जन मंदिरों पर कट्टरपंथियों ने हमला किया और भीषण लूटपाट मचाई।

गोपालगंज जिले के कोटालीपारा और दुआरीपारा में चार मंदिरों को लूटा गया और तोड़फोड़ की गई। भगवान की मूर्तियों से सोने के गहने और कीमती मूर्तियां तक लूट ली गईं। गोपाल, राधा कृष्ण, मनसा माता की मूर्तियों को सोने के आभूषण से सजाया गया था, उसे कट्टरपंथी लूट ले गए। इसके अलावा बेशकीमती कांसे की थालियां, घड़े और पूजा के सामान लूट लिए गए। बांग्लादेश के नेत्रोकोना जिले के पुरबाधला इलाके में भी कट्टरपंथियों ने हिंदुओं पर हमला किया और हरिदास समुदाय के हिंदू परिवारों और दो मंदिरों को लूटा। हिंदुओं के घर एवं उनके मंदिर नष्ट कर दिए। हिंदू परिवार बेघर हो गए हैं, लेकिन उन्हें देखने के लिए कोई प्रशासन नहीं है। कट्टरपंथियों ने इस हिंदू इलाके को जनाब अली मरकजुन नूर अल इस्लामिया मदरसा की सम्पत्ति घोषित करते हुए साइन बोर्ड लगा दिया है।

भारत सरकार ने जारी की जनगणना की अधिसूचना

35 लाख कर्मचारी काम करेंगे, 16 भाषाओं में बनेगा ऐप

नई दिल्ली, 16 जून (एजेंसियां)।

देश में जातिगत गणना और आम जनगणना कराने की आधिकारिक अधिसूचना सोमवार को जारी कर दी गई। यह जनगणना पूरी तरह डिजिटल होगी। इसके लिए मोबाइल ऐप तैयार किए जाएंगे और उसी में जनगणना से जुड़ी सभी जानकारी एकत्र की जाएगी। ऐप 16 भाषाओं में उपलब्ध होंगे। केंद्र सरकार ने घोषणा की है कि भारत की जनसंख्या की जनगणना वर्ष 2027 के दौरान की जाएगी। इसके लिए राजपत्र अधिसूचना जारी कर दी गई है। अधिसूचना के मुताबिक, लद्दाख, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के बर्फ से ढके गैर-समकालिक क्षेत्रों में जनगणना 1 अक्टूबर 2026 से शुरू होगी। देश के बाकी हिस्सों में यह प्रक्रिया 1 मार्च 2027 से शुरू होगी।

इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को जनगणना कराने की तैयारियों की समीक्षा की थी। उन्होंने केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन, महापंजीयन एवं जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायण सहित अन्य अधिकारियों के साथ बैठक की थी। सरकारी बयान के अनुसार, यह जनगणना पूरी तरह डिजिटल होगी। इसके लिए मोबाइल ऐप तैयार किए जाएंगे और उसी में जनगणना से जुड़ी सभी जानकारी एकत्र की जाएगी। ऐप 16 भाषाओं में उपलब्ध होंगे। गृह मंत्री शाह ने कहा था, 16वीं जनगणना में पहली बार जाति गणना शामिल होगी। 34 लाख गणक और सुपरवाइजर, 1.3 लाख जनगणना पदाधिकारी आधुनिक मोबाइल और डिजिटल उपकरणों के साथ ▶10पर

रांका कप 2025 बॉक्स क्रिकेट लीग का शानदार आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जैन कॉन्फ्रेंस कर्नाटक प्रांत के तत्वावधान में युवा शाखा कर्नाटक द्वारा आयोजित रांका कप 2025 बॉक्स क्रिकेट लीग का शानदार आयोजन हुआ। बेंगलूरु के प्रतिष्ठित रश एरिना, कुक टाउन में इस टूर्नामेंट ने खेल प्रेमियों को एक अनूठा अनुभव प्रदान किया। इस आयोजन ने खेल, भाईचारे और संगठन की शक्ति को एक नई ऊंचाई तक पहुंचाया। रांका कप बॉक्स क्रिकेट लीग 2025 का उद्घाटन मुख्य अतिथि एवं कर्नाटक प्रांतीय अध्यक्ष प्रकाश बुरड़, प्रमुख प्रायोजक अशोक, महेंद्र, प्रीतेश, महेश रांका, जैन कॉन्फ्रेंस के पदाधिकारी एवं अन्य अतिथियों ने किया। इस टूर्नामेंट में कुल 20 टीमों ने कर्नाटक के विभिन्न शहरों से भाग लिया। टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला मैसूरु मरुधर किंग्स और कोठारी इलेक्ट्रिफायर्स शूले के बीच खेला गया। दोनों टीमों ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, लेकिन मैसूरु मरुधर किंग्स ने अपनी शानदार रणनीति और खेल कौशल के दम पर यह खिताब अपने नाम किया। उनकी जीत ने उन्हें इस आयोजन का चैंपियन बना दिया और पूरे आयोजन को यादगार बना दिया। इस टूर्नामेंट की सफलता के पीछे प्रमुख भूमिका इसके प्रायोजकों और आयोजकों की थी। प्रमुख प्रायोजक अशोक महेंद्र प्रीतेश महेश रांका, जर्सी प्रायोजक प्रशांत, अंकित, सार्थक अवीर बाफना, भोजन के लाभार्थी अशोक कुमार, निर्मल कुमार बाफना, वेन्यू प्रायोजक राजेंद्र, मोहित, श्रेयांस मारलेचा, टॉस का बॉस वायरमैन पाइप्स, बॉल के प्रायोजक उषा देवी, सुरेशकुमार अंकित कुमार कानूँगा, बेवरेज प्रायोजक उत्तमचंद विमलराज निर्मलकुमार पदमराज नागसेठिया, हिट थे टारगेट के प्रायोजक मांगीलाल, नेमीचंद गौतम, विमल महावीर दर्शन जयेश चोरड़िया जैसे प्रतिष्ठित प्रायोजकों ने इस आयोजन को सफल बनाने में अहम योगदान दिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं जैन कॉन्फ्रेंस कर्नाटक प्रांत के अध्यक्ष प्रकाश बुराड़ और महिला शाखा की अध्यक्षा संतोष आच्छा ने इस आयोजन की सराहना की। युवा शाखा के अध्यक्ष आशीष कुमार भंसाली और बॉक्स क्रिकेट लीग के चेयरमैन सुमित कोठारी ने आयोजन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह आयोजन युवाओं को जोड़ने, नेटवर्किंग बढ़ाने और टीम भावना को प्रोत्साहित करने का एक शानदार उदाहरण है। कर्नाटक युवा शाखा के प्रमुख मार्गदर्शक भरत कोठारी जैन, महामंत्री किशोर बाफना जैन, कोषाध्यक्ष रूपेश सिसोदिया जैन, सह कोषाध्यक्ष सुनील बम्ब जैन, बॉक्स क्रिकेट के प्रोजेक्ट कन्वीनर विकास कोठारी जैन ने बताया कि रांका कप बॉक्स क्रिकेट लीग न केवल एक खेल आयोजन था, बल्कि यह समुदाय को एकजुट करने और संगठन को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का एक महत्वपूर्ण कदम भी था। जैन कॉन्फ्रेंस कर्नाटक युवा शाखा ने अपनी दृढ़ता और समर्पण से यह साबित कर दिया कि जब सामूहिक प्रयास और दृष्टिकोण एक साथ आते हैं, तो सफलता सुनिश्चित होती है। युवा प्रसार प्रचार मंत्री यश बाफना जैन ने बताया कि इस कार्यक्रम का सुंदर संचालन युवा उपाध्यक्ष महावीर कानूनगा जैन एवं वर्षा भंसाली ने किया। इस अवसर पर प्रांतीय युवा संघठन मंत्री कपिल कालिया जैन एवं जितेंद्र सुराणा जैन ने परिवार जोड़ों अभियान के तहत कई नए सदस्यों को जैन कॉन्फ्रेंस से जोड़ा। इस मौके पर जैन कॉन्फ्रेंस कर्नाटक प्रांत के वरिष्ठ उपाध्यक्ष दिनेश पोखरना जैन, महामंत्री नेमीचंद दलाल जैन, कोषाध्यक्ष पुखराज आंचलिया जैन, उपाध्यक्ष जसवंत गन्ना जैन, प्रचार प्रसार मंत्री सागर बाफना जैन, मंत्री दिनेश पोरवाड़ जैन, सुनील लोढ़ा जैन, राजेश गोलेचा जैन, मनोहर रांका जैन, हस्तीमल बाफना जैन, उत्तमचंद बांटिया जैन, राष्ट्रीय वैय्यावच्छ मंत्री रतन सिंघी जैन, राष्ट्रीय मंत्री कन्हैयालाल सुराणा जैन, महेंद्र मुणोत जैन, प्रांतीय वैय्ययावच्छ मंत्री प्रकाश बोहरा जैन, जीव दया योजना अध्यक्ष मनोज सोलंकी जैन आदि लोग उपस्थित थे।

जीतो यूथ विंग बेंगलूरु साउथ ने उत्तरी बेट्टा ट्रेक किया आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जीतो कम्युनिटीज एक गतिशील मंच है जो समान विचारधारा वाले व्यक्तियों, विशेष रूप से युवाओं को एक साथ लाता है, जिससे विकास, सीखने और संबंधों को बढ़ावा मिलता है। हमारी विभिन्न पहलों और आयोजनों के माध्यम से, हम अपने सदस्यों को उनके व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन में सकारात्मक प्रभाव डालने के लिए सशक्त बनाते हैं। जीतो यूथ विंग बेंगलुरु साउथ ने हाल ही में एक अत्यधिक सफल ट्रेकिंग इवेंट, 'उत्तरी बेट्टा ट्रेक' का आयोजन किया, जिसने साहसिक उत्साही लोगों को एक रोमांचक और अविस्मरणीय अनुभव के लिए एक साथ लाया। यह इवेंट रविवार को आयोजित किया गया था और इसका आयोजन जीतो स्पोर्ट्स टीम ने किया था, जिसका नेतृत्व संयोजक शशांक खानटर ने किया।

ट्रेक का उद्देश्य बाहरी अन्वेषण, टीम बंधन और एक एड्रेनालाईन से भरपूर साहसिक कार्य को प्रोत्साहित करना था, जो एक शानदार सूर्योदय के साथ समाप्त हुआ। 125 प्रतिभागियों के साथ, इस इवेंट ने ट्रेकिंग और रैपलिंग को जोड़ा, जिससे यह सहनशक्ति और उत्साह का एक आदर्श मिश्रण बन गया। ट्रेक एक जबरदस्त सफलता थी, जिसमें प्रतिभागियों ने एक मनमोहक सूर्योदय देखा और 40 मीटर की पहाड़ी से रैपलिंग का आनंद लिया। इस इवेंट ने व्यक्तिगत विकास, सामुदायिक निर्माण और पुनर्जीवन के लिए एक मंच प्रदान किया, जिससे प्रतिभागियों को अपनी सहनशक्ति को चुनौती देने, नए मित्र बनाने और प्रकृति के साथ फिर से जुड़ने का अवसर मिला। इवेंट का नेतृत्व जीतो कार्यकारी समिति और कार्य समिति टीम ने किया, जिसमें जीवाईडब्ल्यू चेयरमैन मेहुल श्रीश्रीमल, मुख्य सचिव ऋषभ चोपड़ा, उप चेयरमैन कुणाल मकाना, कोषाध्यक्ष यश जैन, अवधी चौहान संयुक्त सचिव और प्रबंध समिति के सदस्य दर्शिता, शेफाली गोलेचा, हर्षा जैन, कृष मेहता, कुणाल राठौड़ और तक्ष नाहर शामिल थे। उत्तरी बेट्टा ट्रेक इवेंट ने सभी शामिल लोगों के लिए स्थायी यादें बनाईं, और जीतो कम्युनिटीज भविष्य में और अधिक रोमांचक इवेंट्स की मेजबानी करने के लिए उत्सुक हैं।

खुशियों के पल अपनों के संग, आत्मीयता और उमंग से भरा स्नेह मिलन आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

तेरापंथ युवक परिषद्, बेंगलूरु गांधीनगर द्वारा आयोजित खुशियों के पल अपनों के संग कार्यक्रम रविवार को शिल्हांदरा रिसॉर्ट में उल्लास, आत्मीयता और आपसी स्नेह से परिपूर्ण वातावरण में अत्यंत सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। दो पल मस्ती के शीर्षक से प्रस्तुत इस विशेष स्नेह मिलन कार्यक्रम में अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद अध्यक्ष रमेश डागा, उपाध्यक्ष पवन मांडोत, युवा गौरव विमल कटारिया, सम्पूर्ण प्रबंध मंडल, परिषद् कार्यकारिणी सदस्यगण एवं परिषद् सदस्यगण, परिवारजन, प्रायोजक परिवार एवं समाजबंधुओं ने भारी संख्या में भाग लिया।

अभातेयुप अध्यक्ष रमेश डागा ने कहा रास्ते के सेवा देखनी हो तो बेंगलूरु गांधीनगर परिषद् की देखें यह बात सभी चरित्रात्माएँ हमें बताती हैं।

बेंगलूरु परिषद् रास्ते की सेवा कार्यों में पूरे भारतवर्ष में अग्रणी है और परिषद् की सेवाएं अत्यंत उल्लेखनीय है। कार्यक्रम में विशेष रूप से बच्चों, युवाओं और महिलाओं के लिए विविध मनोरंजक खेल एवं गतिविधियाँ, परिवारों के बीच आत्मीयता की अनुभूति, रोमांचक लकी ड्रॉ, उपस्थित लोगों को आकर्षक रिटर्न गिफ्ट्स भेंट किए गए। स्वाद और जायके से परिपूर्ण भोजन की व्यवस्था ने सभी का मन मोह लिया। दिनभर चले इस आयोजन में उपस्थितजनों ने न केवल परिवारिक स्नेह और एकता का अनुभव किया, बल्कि जीवन की भागदौड़ से कुछ क्षण विश्राम लेकर हंसी-खुशी के पल साझा किए। आयोजन की सफलता में विशेष योगदान देने वाले प्रायोजकों का परिषद् ने खुले हृदय से आभार व्यक्त किया एवं सस्नेह सम्मान किया गया। जिसमें लादूराम, सुमेरमल डूंगरवाल, अनिल, प्रदीप डूंगरवाल (छोटी खाटू बेंगलूरु), कपूरचंद, विमलचंद धारीवाल, योगेश, धनेश धारीवाल (छोटी खाटू बेंगलूरु), रितेश, राकेश चोरड़िया, दर्शिल चोरड़िया (चाड़वास - बेंगलूरु), मूलचंद नाहर, मुकेश, विकास नाहर (जानुंदा बेंगलूरु) शामिल थे। आयोजन के संयोजन में सक्रिय भूमिका निभाने वाले संयोजक विकास बाबेल, विनोद कोठारी एवं टीम की योजनाबद्धता एवं ऊर्जा की सभी ने सराहना की।

प्रवासी राजस्थानी समाज के लिए नरेश मुनि का प्रवचन 29 जून को

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

प्रवासी राजस्थानी कर्नाटका संघ के तत्वावधान में रविवार को प्रवासी राजस्थानी समाज के सभी 14 समाजों की बैठक का आयोजन गोडवाड़ भवन में हुआ। संघ के महामंत्री डॉ. जवरीलाल लूनावत ने सर्वप्रथम हवाई हादसे में मारे गये सभी दिवंगत आत्माओं को भावभीनी श्रद्धांजलि हेतु सभी सदस्यों को दो मिनट का मौन रखकर उन सभी की आत्मा की शांति की कामना करने का आग्रह किया।

संघ के सह सचिव केवलचंद सालेचा, सुरेन्द्र, राजेश श्रीश्रीमाल, अविनाश गुलेच्छा, उत्तम बागमार व रमेश सालेचा ने मंगलाचरण एवं गायत्री मंत्र से बैठक की शुरुआत की। जांगिड समाज के पूर्व अध्यक्ष भंवरलाल जांगिड, अध्यक्ष किरताराम व पटेल समाज के सचिव भीमाराम पटेल, विश्नोई समाज के अध्यक्ष मालाराम विश्नोई, जयंतीलाल श्रीश्रीमाल, अध्यक्ष भवराज राजपुरोहित ने सभी का स्वागत व अभिनंदन किया। डॉ. लूनावत ने कहा कि तीन दिन पूर्व नरेश मुनि ने अनेक समाजों के प्रतिनिधियों को बुलाकर कहा था कि चातुर्मास शुरू होने के पहले समाज के किसी भी भवन में 36 कौम के लिये प्रवचन का आयोजन करवाने का प्रयास करना तथा चातुर्मास के चार महीनों में सभी समाजों को प्रवचन सुनने का भी लाभ लेना है। इस वक्तव्य के बाद डॉ. लूनावत ने सभी समाजों के साथ बैठक कर कार्यक्रम की रुपरेखा बताई कि यह आयोजन बिनी पेट स्थित विश्वकर्मा जांगिड समाज के भवन में 29 जून को सुबह दस बजे से शुरु किया जायेगा।

जिसमें 1.30 घंटा प्रसिद्ध भजन मंडली द्वारा सत्संग व भजनों की प्रस्तुतियाँ दी जायेगी व 11.30 बजे मुनि का प्रवचन शुरू होगा।

डॉ. लूनावत ने उपस्थित सभी 14 समाजों के प्रतिनिधियों से आग्रह किया कि प्रत्येक समाजों के महिलाओं व पुरुषों की भागीदारी सुनिश्चित करना व व्यवस्था में सहयोग करना आप सभी की प्राथमिकता रहेगी। कार्यक्रम में मरुधरा जैन नवयुवक मंडल व महाराणा प्रताप नवयुवक मंडल व आंजणा पटेल समाज के नवयुवक मंडल भी राजस्थानी परिधान में शामिल होकर अपनी सेवाएं देंगे।

बैठक में राजपूत समाज, कर्नाटका पेपर एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रवीण लूंकड, उपाध्यक्ष प्रदीप लूनावत, गौड़ ब्राह्मण समाज, गोडवाड़ भवन के चेयरमैन कुमारपाल सिसोदिया, देवासी समाज, घांची समाज, पटेल समाज, नाथ समाज, रावणा राजपूत समाज, विश्नोई समाज, कुमावत समाज, दर्जी समाज, जाट समाज, चारण समाज, जांगिड समाज, गोस्वामी समाज, वैष्णव समाज, राजपुरोहित समाज व जैन समाज के प्रबुद्ध व सभी अध्यक्ष व सचिव व पदाधिकारी मौजूद रहे।

निशुल्क बीपी एवं शुगर कैंप का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

तेरापंथ युवक परिषद राजराजेश्वरी नगर द्वारा संचालित आचार्य श्री तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर एवं डेंटल केयर केंगेरी द्वारा केंगेरी सैटलाइट टाउन होयशला सर्कल में निशुल्क बीपी एवं शुगर टेस्ट का आयोजन किया गया। कैंप की शुरुआत सामूहिक नवकार मंत्र के उच्चारण से हुई। कैंप में आए लोगों को ए टी डी सी में हम कितने कम मूल्यों में टेस्टिंग करते है, के बारे में जानकारी दी गई।

साथ में ए टी डी सी के ब्राउचर्स भी बांटे गए। लगभग 95 लोगों ने इस कैंप का लाभ लिया। इस कैंप के प्रायोजक स्वर्गीय कमल सिंह पगारिया की पुण्य स्मृति में अमित पगारिया परिवार लाडनूं बेंगलूरु थे। इस अवसर पर अभातेयुप सी पी एस राष्ट्रीय प्रभारी दिनेश मरोठी, कार्यसमिति सदस्य दीपक सुराणा, विवेक सुराणा, एटीडीसी टीम से राकेश दुगड़, महेश मांडोत ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *श्री जिनकुशल सूरि जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में अखिल भारतीय खरतर-गच्छ महिला परिषद बेंगलूरु शाखा द्वारा संचालित ज्ञान वाटिका के अभ्यासकों के लिए लाभार्थी संघवी ललिता देवी पुखराज शाह मोकलसर निवासी परिवार की तरफ से श्री आदि संस्कार, मंदारगिरी के तीर्थो का दर्शन वंदन, पूजा पाठ, स्नात्र पूजा आदि का आयोजन रखा गया। परिषद व ज्ञान वाटिका की अध्यक्ष आरती जैन ने लाभार्थी परिवार का धन्यवाद सहित आभार प्रकट किया। बच्चों ने धार्मिक खेल कूद का भी भरपूर आनंद लिया। इस संघ यात्रा में आरती जैन, चंद्रिका बोहरा, सुरेखा धारीवाल आदि का सहयोग रहा। यह जानकारी परमेश्वरी संखलेचा ने दी।*

विशेष कार्यकारिणी सभा में सात सूत्री मार्गदर्शिका का पुष्टीकरण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन महासंघ बेंगलूरु की विशेष कार्यकारिणी सभा में सात सूत्री मार्गदर्शिका का पुष्टीकरण हुआ। महासंघ अध्यक्ष भीकमचंद सकलेचा की अध्यक्षता में आयोजित सभा में 35 स्थानकवासी संघों के पदाधिकारी एवं फाउंडर सदस्य उपस्थित रहे। नवकार मंत्र के सह उच्चारण के साथ मंगलाचरण कर उपस्थित सभी सदस्यों ने हाल ही में अहमदाबाद में हुई विमान दुर्घटना में दिवंगत जनों को श्रद्धांजलि दी। महासंघ के महामंत्री अभय कुमार बांठिया ने सात सूत्री मार्गदर्शिका प्रस्तुत करते हुए बताया कि स्थानकवासी समाज में धार्मिक आयोजनों में मात्र 11 आइटम परोसे जाएंगे। चातुर्मास प्रवेश जुलूस में वाद्य यंत्र नहीं रहेंगे। प्रत्येक प्रवचन में समय का अनुशासन रहेगा तथा ज्ञान वृद्धि को विशेष प्रोत्साहन दिया जाएगा। जैन आगम जुलूस के हिस्से नहीं बनेंगे एवं अतिथि स्वागत सत्कार शाब्दिक होगा। चातुर्मास ज्यादा खर्चीले न हो, ऐसा प्रयास होगा। उपस्थित अनेक संघों के अध्यक्ष एवं मंत्री ने प्रस्तावों का समर्थन किया और आवश्यक एवं उचित बताया। सभी की राय रही कि युवाओं पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है और उन्हें स्थानक से जोड़ने के प्रयास होने चाहिए। आयोजनों में समय पाबंदी आवश्यक है। महेंद्र मुणोत, नेमीचंद सालेचा, उत्तमचंद कोठारी, पारसमल नाहर, प्रेमचंद कोठारी, मनोहरलाल लुंकड़, सुनील नंदावत, रमेश सिसोदिया, सुमेरसिंह, प्रकाश बुरड़, अशोक गुगलिया, ज्ञानचंद लोढ़ा, अशोक बांठिया, कन्हैयालाल सुराणा, नेमीचंद दलाल, महावीर मेहता, किशोर दलाल, दिनेश पोखरना ने विचार रखे। महासंघ अध्यक्ष भीकमचंद सकलेचा ने सभी का स्वागत किया। कोषाध्यक्ष हस्तीमल बाफना ने हीराबाग संघ और अतिथियों को धन्यवाद दिया। उपाध्यक्ष सुमेरसिंह मुणोत के मंगलपाठ के साथ सभा संपन्न हुई। अगली कार्यकारिणी सभा विजयनगर संघ के तत्वावधान में होगी। सभा का संचालन महामंत्री अभय कुमार बांठिया ने किया।

राज्य के विभिन्न जिलों में लगातार बारिश जारी

कई जिलों के स्कूलों में अवकाश घोषित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के विभिन्न भागों में मानसून का मौसम जारी है, जिससे भारी अव्यवस्था पैदा हो रही है। विद्यार्थियों के हित में चिक्कमगलूरु, मदिकेरी, मेंगलूरु और उडुपी समेत विभिन्न जिलों में स्कूलों और कॉलेजों में अवकाश घोषित किया गया है। लगातार बारिश हो रही है और मलनाड क्षेत्र में कई स्थानों पर भूस्खलन के कारण संचार व्यवस्था टूट गई है। नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। भटकल तालुक के जल्ली पट्टन पंचायत की सीमा में अपने घर के सामने खेल रहा दो वर्षीय बच्चा नाले में गिर गया और उसकी मौत हो गई। इसी तरह तालुक के बेलालतांडा निवासी नारायण नामक व्यक्ति

पानी में बह गया। उडुपी जिले के उदयवर निवासी रोनाल्ड फर्नांडिस गड्ढे में गिरकर मर गया। उत्तर कन्नड़ जिले के सिरसी में देवीमाने के पास भूस्खलन के कारण यातायात बाधित हुआ और वाहन चालकों को परेशानी हुई। चिक्कमगलूरु जिले में भारी बारिश हो रही है और श्रृंगेरी के सालूमारा में भूस्खलन के कारण मेंगलूरु-श्रृंगेरी मार्ग बंद कर दिया गया है। मेंगलूरु के बाहरी इलाके वामनजूर के केथिकल में भूस्खलन हुआ है। धर्मस्थल के नेत्रवती स्थानघाट में पानी का बहाव बढ़ गया है। कुक्के सुब्रह्मण्य में कुमारद्वारा नदी उफान पर है। बेलगावी जिले के खानपुर के पास एक पुल ढह गया है, जिससे बेलगावी-गोवा संपर्क टूट गया है। डिप्टी कमिश्नर वेंकटराज ने बताया कि कोडागु जिले में भारी बारिश हो रही है और आंगनवाड़ी प्राथमिक और उच्च विद्यालयों में छुट्टी घोषित कर दी गई है। डिप्टी कमिश्नर ने बताया कि मेंगलूरु के उल्लाल, बंटवाल, मुल्की और मुदिबिदर में स्कूलों और कॉलेजों में छुट्टी घोषित कर दी गई है। भारी बारिश के कारण उडुपी जिले में भी छुट्टी घोषित कर दी गई है। उत्तर कन्नड़, उडुपी और दक्षिण कन्नड़ के तटीय जिलों के लिए 18 तारीख तक रेड अलर्ट घोषित किया गया है। हासन, कोडागु, बेलगावी, धारवाड़ और चिक्कमगलूरु जिलों में ऑरेंज अलर्ट घोषित किया गया है, जबकि तुमकुरु, शिवमोग्गा, विजयनगर, बल्लारी, कोप्पल, गदग और हावेरी जिलों में येलो अलर्ट घोषित किया गया है। मौसम विभाग ने शेष जिलों में बादल छाए रहने और बारिश की संभावना जताई है।

अहमदाबाद विमान हादसे के मामले में हम राजनीति नहीं करना चाहते: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा कि गुजरात के अहमदाबाद विमान हादसे के मामले में हम राजनीति नहीं करना चाहते।

हालांकि यह भाजपा और जनता दल का काम है। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि वे एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ गुजरात के अहमदाबाद गए और विमान हादसे वाली जगह का निरीक्षण किया। यह एक भयानक घटना थी। यह हादसा नहीं होना चाहिए था। ऐसी घटनाएं किसी भी देश में नहीं होनी चाहिए। कुछ लोगों के शव जल गए हैं। जब आप उस जगह को देखते हैं, तो आपको ऐसा लगता है कि आप सदमे की स्थिति में हैं।

अगर विमान 500 मीटर और आगे चला जाता, तो हजारों लोग प्रभावित होते। बहुत बड़ी आपदा आ जाती। अभी भी आसपास के लोग सदमे से बाहर नहीं आ पाए हैं। कुछ मानसिक रूप से परेशान हैं। लोगों की स्थिति देखकर मुझे चिंता होती है। हमने कांग्रेस पार्टी की ओर से अपनी संवेदना व्यक्त की है। हमने पीड़ितों के लिए प्रार्थना की है। विमान के ब्लैक बॉक्स में सच्चाई का इंतजार है। हम इस मामले में राजनीतिक आरोप नहीं लगाएंगे। भाजपा पुरानी बातों को तोड़-मरोड़कर पेश कर सकती है। लेकिन हम उस तरह की चर्चा नहीं चाहते। पीड़ित लोगों को न्याय मिलना चाहिए। केंद्रीय मंत्री और डीजी-सीआई जरूरी कदम उठाएंगे। हम तकनीकी विशेषज्ञ नहीं हैं। इसलिए हम इस पर आगे चर्चा नहीं करेंगे। यह एक गंभीर घटना है। केंद्र सरकार को इसे गंभीरता से लेना चाहिए और सावधान रहना चाहिए कि भविष्य में ऐसा न हो।

हासन के निजी स्कूल में बम विस्फोट की धमकी

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो। हासन के एक निजी स्कूल को ईमेल के जरिए बम की धमकी मिली, जिसके बाद प्रबंधन को पुलिस को बुलाना पड़ा। हासन के बाहरी इलाके में केआईएडीबी ग्रोथ सेंटर में स्थित विद्या सौधा पब्लिक स्कूल और कॉलेज के अधिकारियों ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने पुलिस को बताया कि उन्हें 14 जून को रात 10.16 बजे एक ईमेल मिला, जिसमें सोमवार को दोपहर 1 बजे स्कूल में बम विस्फोट की चेतावनी दी गई थी। पुलिस और बम निरोधक दस्ते ने सोमवार को स्कूल में पहुंचकर परिसर की तलाशी ली। रिपोर्ट दर्ज होने तक पुलिस को कोई विस्फोटक नहीं मिला था।

भारत हमेशा से हिंदू राष्ट्र रहा है

हम एक ऐसा हिंदू राष्ट्र चाहते हैं, जहां सभी को भोजन शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध हो: प्रवीण तोगड़िया

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। यह स्पष्ट करते हुए कि भारत पहले से ही एक 'हिंदू राष्ट्र' है और इसे ऐसा बनाने की कोई आवश्यकता नहीं थी, विश्व हिंदू परिषद के संस्थापक-अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. प्रवीण तोगड़िया ने कहा कि हमें एक ऐसे 'हिंदू राष्ट्र' की तलाश करनी चाहिए, जहां सभी को भोजन, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध हो। यहां सोमवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए डॉ. तोगड़िया ने स्पष्ट किया कि पिछले चार दशकों से वे राजनीति नहीं, बल्कि हिंदू राजनीति के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा मैं यह स्पष्ट कर दूं। मैं हमेशा भारत में हिंदू राजनीति को प्रभावित करने की कोशिश करता रहा हूं। हमारा उद्देश्य हिंदुओं के कल्याण और सुरक्षा के लिए सरकार को प्रभावित करने के लिए लोगों का जनादेश जुटाना रहा है और हम इसी दिशा में काम करना जारी रखेंगे। कॉलेज के दिनों को याद करते हुए उन्होंने कहा कि जब वे मेडिकल की पढ़ाई कर रहे थे, तो फीस मात्र 25 रुपये थी। लेकिन अब मेडिकल की पढ़ाई के लिए करोड़ों रुपये देने पड़ते हैं। इसलिए हम एक ऐसा 'हिंदू राष्ट्र' चाहते हैं, जहां सभी बच्चों को भोजन, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध हो। ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए, जो पढ़ाई के दौरान और पढ़ाई के बाद रोजगार सुनिश्चित करे। एक सवाल के जवाब में तोगड़िया ने

कहा कि उनकी जान को कोई खतरा नहीं है और वे हिंदुओं के आशीर्वाद से सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा वास्तव में कांग्रेस के शासन में भी जान को कोई खतरा या समस्या नहीं थी। अब भी कोई खतरा नहीं है। प्रजनन दर में कमी का जिक्र करते हुए तोगड़िया ने कहा कि हिंदुओं का प्रजनन दर घट रहा है और 1.7 रह गया है, जो चिंता का विषय है। प्रवीण तोगड़िया ने कहा कि भारत की बढ़ती जनसंख्या एक टाइम बम है। उन्होंने कहा हमारा नारा है 'तीन बच्चे, हिंदू सच्चे। हम तीन बच्चों वाले माता-पिता का सम्मान करेंगे। अगर गरीब लोगों के तीन बच्चे हैं, तो हम उनकी स्कूल फीस भरेंगे। हम एक लाख गरीब बच्चों की फीस भरने के लिए आर्थिक रूप से सक्षम हैं। हिंदुत्व कार्यकर्ताओं के खिलाफ दर्ज किए जा रहे मामलों पर डॉ. तोगड़िया ने कहा कि यह सिर्फ कांग्रेस शासित राज्यों में ही नहीं है, बल्कि अन्य जगहों पर भी हिंदुत्व कार्यकर्ताओं के खिलाफ मामले दर्ज किए जा रहे हैं। अगर उनके खिलाफ फर्जी मामले दर्ज किए जा रहे हैं, तो विहिप इसके खिलाफ लड़ेगी। उन्होंने कहा हम हिंदुओं की सुरक्षा के लिए लड़ेंगे। ऑपरेशन सिंदूर पर उन्होंने कहा कि यह अच्छी बात है कि सेना पाकिस्तान में जाकर आतंकी ठिकानों को नष्ट कर रही है, लेकिन अगर दुश्मन पक्ष के लोग ज्यादा हताहत होते, तो देश के लोग ज्यादा खुश होते। डॉ. तोगड़िया ने कहा कि भारत 1947 से ही विकास के मामले में आगे बढ़ रहा है और विभिन्न क्षेत्रों में बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं। डॉ. तोगड़िया ने कहा भारत अपने आप में महान है। यह कहना सही नहीं है कि राजनीतिक दलों ने इसे महान बनाया है। यहां व्यक्ति महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि देश महत्वपूर्ण है। हालांकि, उन्होंने कहा कि एक ऐसा भारत भी है, जहां लाखों लोग भूखे मर रहे हैं और लाखों लोग अपने बच्चों की स्कूल फीस भरने में असमर्थ हैं। उन्होंने कहा हमें दोनों भारत को साथ लेकर चलना होगा।

कर्नाटक में बाइक टैक्सी पर प्रतिबंध लागू होने के बावजूद कुछ एग्रीगेटर अभी भी काम कर रहे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बाइक टैक्सी सेवाओं के निलंबन के आदेश पर रोक लगाने से कर्नाटक उच्च न्यायालय के इनकार के बाद, सेवा प्रदाताओं को सोमवार से अपनी सेवाएँ बंद करनी थीं। हालाँकि, सोमवार सुबह तक, कुछ एग्रीगेटर बाइक टैक्सी चलाना जारी रखे हुए थे और यात्रियों ने बेंगलूरु में दोपहिया वाहनों पर सवारी की।

उबर और ओला की बाइक टैक्सी सेवाएँ चालू थीं, जबकि एक अन्य एग्रीगेटर, रैपिडो ने अपने ऐप पर एक संदेश डाला, जिसमें कहा गया कि सोमवार से, कर्नाटक में हमारी बाइक टैक्सी सेवाएँ हाल ही में उच्च न्यायालय के आदेशों के अनुपालन में रोक दी जाएँगी।

इसने यह भी कहा हम आपकी

पसंदीदा बाइक टैक्सियों को जल्द ही सड़क पर वापस लाने के लिए सरकार के साथ आगे की राह पर विचार कर रहे हैं।

जबकि परिवहन विभाग बाइक टैक्सी संचालन के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए तैयार है, हजारों यात्रियों ने एक किफायती परिवहन सेवा के बंद होने पर दुख जताया। बाइक टैक्सी उपलब्ध होने के बावजूद, सुबह के समय प्रतीक्षा समय काफी अधिक था क्योंकि बाइक की संख्या कम थी। पोस्ट ग्रेजुएट छात्रा श्रेया कुमारी ने कहा सरकार ने पहले कार-पूलिंग ऐप और अब बाइक टैक्सी पर प्रतिबंध लगा दिया है।

मैं मल्लेश्वरम में अपने घर से मेट्रो स्टेशन तक अंतिम मील कनेक्टिविटी के लिए इन टैक्सियों पर बहुत अधिक निर्भर हूं। आज, मैंने एक ऐप पर बाइक टैक्सी बुक की और प्रतीक्षा समय 18 मिनट था। मुझे आमतौर पर यह 5 मिनट से भी कम समय में मिल जाती थी।

बाइक टैक्सी की लागत ऑटोरिक्शा की तुलना में लगभग 50 प्रतिशत कम है। 15 जून को, प्रतिबंध लागू होने से एक दिन पहले, बेंगलूरु में बाइक टैक्सी राइडर्स के प्रतिनिधि नम्मा बाइक टैक्सी एसोसिएशन ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और कांग्रेस पार्टी के नेता राहुल गांधी को पत्र लिखकर अनुरोध किया कि वे रातोंरात प्रतिबंध लगाने के बजाय एक स्थायी समाधान निकालें। एसोसिएशन के अध्यक्ष मोहम्मद सलीम ने पत्र में कहा बेंगलूरु और पूरे कर्नाटक में 1,00,000 से अधिक गिग वर्कर बाइक टैक्सी सेवाओं पर पूर्ण प्रतिबंध के कारण अपने परिवारों को कमाने और खिलाने का अपना अधिकार खो रहे हैं। उनकी सामूहिक आवाज के रूप में, यह आपसे इस प्रतिबंध को रोकने और हमें सम्मान के साथ अपनी रोजी रोटी कमाने में मदद करने की अपील है। हम, बाइक टैक्सी चालक, छात्र, दिहाड़ी मजदूर, सहायक, माता-पिता हैं - हममें से कई लोग इस काम में तब बदल गए जब अन्य नौकरियाँ उपलब्ध नहीं थीं, खासकर कोरोना के बाद। हममें से कुछ लोग अपने परिवारों को खिलाने के लिए पूरे 7 दिन, दिन में 10-12 घंटे काम करते हैं। हम शहर को चलाए रखने के लिए तपती धूप, भारी बारिश और ट्रैफिक में सवारी करते हैं। इसी से हम किराया, स्कूल की फीस और मेडिकल बिल का भुगतान करते हैं। बाइक टैक्सी कोई अतिरिक्त आय नहीं है। इसी से हम जीवित रहते हैं।

बेंगलूरु में 58 स्कूली वाहन चालक शराब पीने की जांच में विफल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। यातायात पुलिस ने बेंगलूरु में स्कूली वाहन चालकों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया और कथित तौर पर शराब पीकर वाहन चलाने के आरोप में 58 चालकों के खिलाफ मामला दर्ज किया। सोमवार सुबह 7 बजे से 3 घंटे का विशेष अभियान चलाया गया और 4,559 स्कूली वाहन चालकों की शराब पीने के लिए जांच की गई, जिनमें से 58 चालक जांच में विफल रहे। आरोपी चालकों पर आईएमवी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया और उनके ड्राइविंग लाइसेंस को निलंबन के लिए संबंधित आरटीओ को भेज दिया गया।

भारी बारिश के कारण तनीकोड़-एस.के. बॉर्डर के बीच भारी वाहनों की आवाजाही पर रोक

चिक्कमगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। डिप्टी कमिश्नर सी.एन. मीना नागराज ने भारी बारिश के कारण भूस्खलन और छोटे पुलों को हुए नुकसान के मद्देनजर तनीकोड़ और एस.के. बॉर्डर के बीच नेशनल हाईवे 169 पर भारी वाहनों की आवाजाही पर रोक लगाने का आदेश जारी किया है। यह प्रमुख सड़क है जो श्रृंगेरी को एस.के. बॉर्डर और उडुपी जिले के करकला से जोड़ती है।

जारी किया गया यह आदेश तुरंत प्रभाव से लागू हो गया है और 30 सितंबर तक प्रभावी रहेगा। डीसी ने अपने आदेश में कहा कि तनीकोड़ और एस.के. बॉर्डर (करीब 18 किमी) के बीच

के हिस्से में पिछले कुछ दिनों में भूस्खलन की घटनाएं बार-बार देखी गई हैं। इस हिस्से पर चार छोटे पुलों के खंभे जीर्ण-शीर्ण अवस्था में हैं। बारिश के दौरान इस मार्ग पर भारी वाहन फंस सकते हैं। इसके अलावा, यह मार्ग काफी संकरा है और इसमें गहरे मोड़ भी हैं, जो वाहन चालकों के लिए चुनौती पेश करते हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग (शिवमोग्गा संभाग) के कार्यकारी अभियंता और चिक्कमगलूरु के पुलिस अधीक्षक की राय पर विचार करते हुए डीसी ने इस मार्ग पर भारी वाहनों की आवाजाही रोकने का आदेश जारी किया। जिला प्रशासन ने वैकल्पिक मार्ग सुझाए हैं।

श्रीराम कथा राष्ट्र की कथा है: जगद्गुरु रामभद्राचार्य महाराज

रामायण जनमानस में सर्वाधिक लोकप्रिय ग्रंथ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री राम परिवार दुर्गा पूजा समिति बेंगलूरु द्वारा शहर के पैलेस ग्राउण्ड स्थित प्रिंसेस श्राइन में आयोजित नौदिवसीय श्री राम कथा में रविवार को जगद्गुरु श्री रामभद्राचार्य महाराज ने कहा कि श्रीमद्वाल्मीकिय रामायण सृष्टि का प्रथम महाकाव्य है। महर्षि वाल्मीकि ने इसकी रचना रामावतार से पहले ही कर दी थी। प्राचीन भारतीय संस्कृत ग्रंथों में 'रामायण' जनमानस में सर्वाधिक लोकप्रिय ग्रंथ है। रामायण की राम कथा वास्तव में राष्ट्र की कथा है। राम के बिना राष्ट्र की कल्पना ही नहीं की जा सकती है। उन्होंने कहा कि वाल्मीकि रामायण के सर्ग 37 के श्लोक संख्या 29 में गुरु वशिष्ठ कहते हैं- नहि तत्र भवति राष्ट्र: यत्र रामो न भूपति: अर्थात् जहाँ राम राजा न हों वहाँ राष्ट्र ही नहीं हो सकता। राजा के चरित्र का प्रभाव प्रकृति पर भी पड़ता है।

रामराज्य में न तो कोई अल्पायु था और ना ही दरिद्र था। स्त्री-पुरुष अपने दाम्पत्य जीवन में अपने सामाजिक तथा व्यक्तिगत व्यवहार को मन-वचन से निभाते थे। इसलिए प्रत्येक मनुष्य को अपने जीवन में प्रभु श्रीराम के आदर्शों पर चलना चाहिए। जब तक व्यक्ति में रामत्व नहीं आता, जीव में जड़ता बनी रहती है। उन्होंने कथा को आगे बढ़ाते हुए सीताराम विवाह के कुछ समय पश्चात चारों भाईयों के अपनी पत्नियों के साथ अयोध्या आगमन, महाराज दशरथ द्वारा राम को राजा बनाने की घोषणा, मंथरा के समझाने-बुझाने पर कैकेयी के रूठकर कोप भवन में जाने, महाराज दशरथ को अपने दो पुराने वरदान के वचन की याद दिलाकर पहले वरदान में अपने पुत्र भरत के लिए अयोध्या की राजगद्दी और दूसरे से राम के लिए चौदह वर्ष का वनवास मांगने, पिता के द्वारा दिये गये वचन की लाज रखने के लिए श्रीराम के सीता एवं लक्ष्मण के साथ वनगमन, अपने प्रिय पुत्र राम के विछोह में महाराज दशरथ के प्राण त्यागने, ननिहाल से भरत के अयोध्या आने और पिता का अंतिम संस्कार करने के बाद गुरु वशिष्ठ के साथ पुरजन एवं परिजनों को साथ लेकर श्रीराम को अयोध्या वापस लाने के लिए चित्रकूट जाने आदि प्रसंगों की कथा सुनाई।

संत रामभद्राचार्य ने कहा कि प्रभु श्री राम विवाह के पश्चात कुछ समय जनकपुर में बिताने के बाद जनकनंदिनी सीता और अपने तीनों भाईयों व उनकी पत्नियों के साथ अयोध्या वापस लौटते हैं। महाराज दशरथ और उनकी तीनों रानियाँ माता कौशल्या, कैकेयी एवं सुमित्रा अपनी बहुओं का भव्य स्वागत करती हैं। अयोध्या में चहुँओर खुशी छा जाती है। हंसी-खुशी के साथ समय बीतता है। एक दिन महाराज दशरथ ने गुरुजनों से परामर्श करने के बाद श्रीराम का राज्याभिषेक करने की घोषणा करते हैं। राजतिलक के ठीक पहले माता कैकेयी के हठ पर पिता दशरथ के वचन की लाज रखने के लिए श्रीराम चौदह वर्ष का वनवास सहर्ष स्वीकार कर लेते हैं।

जनकनंदिनी सीता और अनुज लक्ष्मण भी उनके साथ वन जाने पर अड़ जाते हैं। जब श्रीराम को वनवास पर जाने की सूचना मिलती है तो वे विचलित नहीं हुए।

वन गमन के लिए निकलते समय श्रीराम अंधियारे में ही महल से निकलते हैं ताकि अयोध्यावासियों को उन्हें वनवास के लिए जाते देख विरह की वेदना न सहनी पड़े। इस अवसर पर कथा से पूर्व कवि एवं मंच संचालक जनार्दन पाण्डेय ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि राष्ट्रभक्ति के साथ ही साथ धर्म की रक्षा के लिए सामाजिक चेतना का जाग्रत होना भी जरूरी है। कथाव्यास जगद्गुरु रामभद्राचार्य के उत्तराधिकारी आचार्य रामचन्द्रदास ने मंगलाचरण किया और संस्कृति संस्कृतम गुरुकुलम् के निर्माण के बारे में जानकारी दी। मुख्य यजमान जसराज, महेन्द्र कुमार वैष्णव के साथ मिथिलेश तिवारी, राजू सुथार, अजय पाण्डेय, शेषचन्द्र माहेश्वरी, जे.के.प्रसाद गुप्ता परिवार, सम्पतराज आदि ने कथा पूजन में भाग लिया। प्रदीप कानोडिया, निरंजन सिंघल, सुरेश शर्मा, पी. के. अरोड़ा, सतेन्द्र चौहान, जितेन्द्र दूबे, मनोज यादव, दीपक यादव एवं हेमन्त गोरे आरती में शामिल हुए। भंडारा सेवा के लाभार्थी गोपी संकीर्तन मंडल एवं कृष्ण कृपा परिवार के सदस्यों तथा जनार्दन पाण्डेय ने सपरिवार कथाव्यास जगद्गुरु श्री रामभद्राचार्य महाराज का स्वागत कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर श्री राम परिवार के अध्यक्ष मिथिलेश तिवारी, उपाध्यक्ष सत्यदेव पाण्डेय, सचिव अजय प्रकाश पाण्डेय, कोषाध्यक्ष राजेश द्विवेदी, सहसचिव राजू शुक्ला तथा एकल श्रीहरि वनवासी फाउंडेशन के अध्यक्ष सुरेश कुमार मोदी, सचिव संजय अग्रवाल सहित विभिन्न समाजों के अनेक अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

श्री ब्यावर संघ बेंगलूरु का स्नेह मिलन पारम्परिक रूप से सम्पन्न

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री ब्यावर संघ बेंगलूरु का वार्षिक स्नेह मिलन समारोह शहर के एक रिसॉर्ट में रमणीय प्राकृतिक वातावरण में आयोजित किया गया।

संघ के चेयरमैन अरविन्द खिंवसरा, अध्यक्ष एवं स्नेह मिलन के मुख्य लाभार्थी पदमचंद बोहरा, उपाध्यक्ष महैन्द्र भन्साली, उपाध्यक्ष एवं सह लाभार्थी अनिल कोठारी, महामंत्री अरविन्द कोठारी, कोषाध्यक्ष दिनेश लोढ़ा, सहमंत्री एवं युवा अध्यक्ष ललित डाकलिया, युवा महामंत्री कुलदीप छाजेड़, लेडीज विंग संयोजक चन्द्रकला डाकलिया, संगीता पारख ने परमात्मा के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित करके स्नेह मिलन का शुभारंभ किया। बेंगलूरु में ब्यावर शहर के प्रवासी संघ में करीब साढे पांच सौ परिवार जुड़े हुए हैं, जिसमें अधिकांश परिवार अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ उपस्थित थे। अध्यक्ष पदमचंद बोहरा ने सभी पधारे हुए सदस्यों का स्वागत किया। महामंत्री अरविंद कोठारी ने पिछले वर्ष हुए संघ के कार्यकलापों की चर्चा की और कहा कि प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले इस स्नेह मिलन में सभी परिवारों के सदस्य आपस में पारस्परिक मेल-जोल बढ़ाते हुए मिलते हैं।

इसी के साथ आगामी स्नेह मिलन के लाभार्थियों की घोषणा की गई। युवा अध्यक्ष ललित डाकलिया ने युवा शाखा और लेडीज विंग के कार्यों की चर्चा करते हुए पीपीटी के माध्यम से पिछले वर्षों में हुए कार्यक्रमों को संघ के समक्ष प्रस्तुत किया। कोषाध्यक्ष दिनेश लोढ़ा ने बताया कि संघ के वेबपेज का लोकार्पण भी जैन डायरेक्ट के संस्थापक विनीत जैन ने किया। ब्यावर शहर का पारम्परिक लोकनृत्य गैर और घूमर नृत्य में अनेक युवकों और युवतियों ने धूम मचाई और आजकल के नवयुवानों ने डी जे पर नृत्य किया। सुमधुर स्वादिष्ट व्यंजनों के साथ एंकर बिन्दु मेहता के द्वारा संघ के बच्चों युवाओं महिलाओं और पुरुषों के लिए अनेक प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गई, जिसके विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए। स्नेह मिलन के मुख्य लाभार्थी गुमान चंद, पदमचंद बोहरा परिवार, सह लाभार्थी जुगराज, अनिल कुमार कोठारी परिवार, लाभार्थी सोहनराज संजय कुमार राठौड परिवार और सहयोगी में कार्यकारिणी सदस्य और सलाहकार सदस्य थे, जिनका बहुमान संघ द्वारा तिलक, शाल, माला और स्मृति चिन्ह द्वारा किया गया। स्नेह मिलन कार्यक्रम की व्यवस्थाओं में श्री ब्यावर संघ, श्री ब्यावर संघ युवा शाखा और लेडीज विंग के समस्त सदस्यों का सहयोग प्राप्त हुआ।

आशा की बूंद और राष्ट्रीय प्रकल्प रक्तदान महोत्सव पखवाड़ा के तहत रक्तदान शिविर आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मायुम बेंगलूरु स्टार्स ने अपने उद्देश्यपूर्ण रक्तदान अभियान - आशा की बूंद और राष्ट्रीय प्रकल्प रक्तदान महोत्सव पखवाड़ा को मनाते हुए शनिवार और रविवार को शहर के विभिन्न हिस्सों में कुल आठ सफल रक्तदान शिविरों का आयोजन किया।

शाखा जून माह को 'रक्त दान माह' के रूप में मना रही है और अब तक शाखा ने जून में नौ शिविर तथा इस वित्तीय वर्ष में कुल 10 रक्तदान शिविरों का आयोजन किया है। शाखा ने इन शिविरों की शुरुआत अहमदाबाद में हुए दर्दनाक विमान दुर्घटना की स्मृति में मोमबत्तियां जलाकर की। मायुम बेंगलूरु की पूरी कार्यकारिणी सहित अनेक सदस्य पूरे उत्साह और समर्पण के साथ सम्मिलित हुए। उनके अथक प्रयासों और सामुदायिक सहयोग से इन आठ शिविरों में कुल मिलाकर 236 यूनिट रक्त संग्रह हुआ। इसके साथ ही शाखा ने इस महीने कुल 478 यूनिट्स नारायणा हृदयाला के सहयोग से एकत्रित किये।

शाखा ने पर्यावरण दिवस को ध्यान में रखते है गो-ग्रीन प्रकल्प को अपनाते हुए प्रत्येक शिविर में प्रथम बार रक्तदान करने वालों एवं नारायणा हृदयालय की टीम को भी एक पौधा भेंट किया। आशा की बूंद अभियान का मुख्य उद्देश्य गर्मी के मौसम और साल भर रक्त की कमी को पूरा करने में मदद करना है, ताकि जरूरतमंद मरीजों को समय पर जीवनरक्षक रक्त मिल सके। शाखा अध्यक्ष आशीष फिटकरीवाला और सचिव अजय अग्रवाल ने सभी शिविर-प्रबंधको - अंकित रूंगटा, इशांक अग्रवाल, आयुष अग्रवाल, अभिषेक मोदी, गौरव मित्तल, सौरभ रूंगटा, निनी अग्रवाल और दीपक बरोलिया का हार्दिक आभार जताया एवं विशेष रूप से शाखा संयोजक सौरभ रूंगटा को इन आठों शिविर के प्रबंधकों के बीच सफल समन्वय के लिये बधाई दी।

कार्यकारिणी समिति के हर सदस्यों ने 2-3 की टीम बनाकर हर एक शिविर में दिन भर शिविर प्रबंधक का भरपूर साथ दिया। शाखा संयोजक सौरभ रूंगटा ने इस सफल शिविरों पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि हमारे इन सफल प्रयासों से मानवता की सेवा को और गति मिली है और आगामी सप्ताह भी 2-3 शिविर लगेंगे।

धर्मस्थल से बेंगलूरु जा रही बस लॉरी से टकराई, यात्री की मौत

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

धर्मस्थल से बेंगलूरु जा रही एक निजी बस सोमवार सुबह नेल्याडी के पास सड़क किनारे खड़ी एक लॉरी से टकरा गई, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और 18 से अधिक लोग घायल हो गए। मृतक की पहचान करकला के पदुमने निवासी शंकरनारायण भट्ट (41) के रूप में हुई है। करकला से बेंगलूरु जा रही एक निजी बस सुबह राष्ट्रीय राजमार्ग 75 पर नेल्याडी के पास लवाटडका के पास सड़क किनारे खड़ी मशीन से भरी एक लॉरी से टकरा गई, जिससे बस में आगे बैठे शंकरनारायण गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हुए पांच लोगों को मेंगलूरु के एजे अस्पताल, चार को इंडियन अस्पताल और कुछ अन्य को इलाज के लिए पुत्तूर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दुर्घटना की खबर मिलने पर नेल्याडी पुलिस मौके पर पहुंची, जांच की, मामला दर्ज किया और आगे की कार्रवाई शुरू की। दुर्घटना की गंभीरता के कारण बस का अगला हिस्सा आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गया।

भारी बारिश से उडुपी जिले के निचले इलाकों में बाढ़, रेड अलर्ट जारी

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

पिछले चार दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण उडुपी जिले के कई निचले इलाके जलमग्न हो गए हैं।

बिंदूर, कुंडापुर और करकला तालुके सबसे अधिक प्रभावित हैं, जहां लगातार हो रही बारिश के कारण नदियां उफान पर हैं और सुरक्षित निशान से ऊपर बह रही हैं। तेज बहाव के कारण निवासियों में बाढ़ का डर बढ़ गया है। बरकुर में भी बाढ़ जैसी स्थिति की सूचना मिली है। बिगड़ती स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन ने जिले भर के सभी स्कूलों और आंगनवाड़ी केंद्रों में छुट्टी घोषित कर दी है। हालांकि, पीयू कॉलेज, डिग्री कॉलेज और तकनीकी संस्थानों में छुट्टी नहीं दी गई है। बिंदूर और आसपास के इलाकों में छात्रों को सड़कों पर पानी भर जाने और जलभराव के कारण अपने संस्थानों तक पहुंचने में परेशानी का सामना करना पड़ा। प्रभावित इलाकों में आपातकालीन सेवा दल तैनात किए गए हैं और बचाव अभियान में लगे हुए हैं। विधायक गुरुराज गंटीहोल और सहायक आयुक्त रश्मि ने प्रतिक्रिया प्रयासों की निगरानी के लिए प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। इस बीच, कुंडापुर तालुक के कवराडी गांव में तेज हवाओं के कारण एक बड़ा पेड़ गिरने से एक घर आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गया। पूर्वानुमानों के अनुसार तेज हवाओं के साथ भारी बारिश जारी रहेगी। मछुआरों और पर्यटकों को समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है। निचले इलाकों और नदी के किनारे रहने वाले लोगों से जरूरी एहतियात बरतने का आग्रह किया गया है।

__बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।__ कर्नाटक इनर वियर एसोसिएशन द्वारा निर्धारित सबसे बड़े ट्रेड फेयर के लिए जेडआरयूसीसी साउथ वेस्टर्न रेलवे प्रधान कार्यालय के सदस्य महेन्द्र सिंघवी को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। इस मौके पर एसोसिएशन के उपाध्यक्ष अश्विन सेमलानी, कमलेश जैन और राकेश सेमलानी मौजूद रहे।

सड़क हादसे में दंपत्ति घायल

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिले के हरदल्ली मंडली ग्राम पंचायत के अधिकार क्षेत्र में राज्य राजमार्ग के जन्नादी खंड पर एक लॉरी ने स्कूटर को पीछे से टक्कर मार दी, जिससे एक दंपत्ति गंभीर रूप से घायल हो गए। पीड़ित नरसिंह मराकल (52) और बाबी (46) अपने स्कूटर पर उल्लुर 74 से कोरगी की ओर जा रहे थे, तभी चित्रदुर्ग से उडुपी टाइल ले जा रही एक लॉरी ने उन्हें पीछे से टक्कर मार दी। कोरगी ग्राम पंचायत के कर्मचारी और घायलों के रिश्तेदार गणेश मराकल के अनुसार, दंपत्ति के सिर और अंगों पर गंभीर चोटें आईं और उन्हें कोटेश्वर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दुर्घटना में स्कूटर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। कोटा पुलिस थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है।

भाजपा नेता ओझा का स्वागत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भारतीय जनता युवा मोर्चा जोधपुर प्रभारी प्रफुल्ल ओझा का बेंगलूरु के अक्कीपेट पहुंचने पर भाजपा नेता भूपेश कश्यप के नेतृत्व में प्रवासी बंधुओं द्वारा मारवाड़ी परंपरानुसार साफा पहना कर एवं माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर ओझा ने प्रवासी बंधुओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में मोदी सरकार के ग्यारह स्वर्णिम वर्षों के पूर्ण होने के ग्यारह साल पहले जो संकल्प लिया गया था, आज वह सिद्ध हो रहा है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सत्ताईस प्रतिशत लोग गरीबी रेखा से बाहर आए, और भारत आज दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। इसमें प्रवासी बंधुओं का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है। यह सिर्फ विकास नहीं, विश्वास की जीत है। इस अवसर पर ओम देवासी, जितेंद्र प्रजापत, भूपेश कश्यप, कल्याण देवासी, सहीराम, नरेश जांगिड़, ओमप्रकाश देवासी, थानाराम सीरवी सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

अपनी स्थिति बनाए रखना ही काफी है, सत्ता स्थाई नहीं होती: मंत्री सतीश जारकीहोली

रायचूर/शुभ लाभ ब्यूरो। लोक निर्माण मंत्री सतीश जारकीहोली ने कहा कि राजनीति रुका हुआ पानी नहीं है। मंत्रिमंडल फेरबदल में हम अपना स्थान बरकरार रखें तो ही काफी है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि हमारे पार्टी नेताओं ने हाल ही में आलाकमान के नेताओं से मुलाकात की थी। मुझे नहीं पता कि वहां क्या चर्चा हुई। मंत्रिमंडल में फेरबदल या विस्तार का फैसला वरिष्ठों का फैसला है। हम केवल मंत्रिमंडल का हिस्सा हैं। दूसरों को शामिल करना या छोड़ना हमारे हाथ में नहीं है। अगर हम अपना स्थान बरकरार रखते हैं तो ही काफी है। राजनीति रुका हुआ पानी नहीं है। उन्होंने रहस्यमय ढंग से कहा कि एक नदी बह सकती है और विजयवाड़ा के पास समुद्र में मिल सकती है। सरकार में उतार-चढ़ाव आम बात है। अतीत में, भाजपा में तीन मुख्यमंत्री थे। हमारे साथ ऐसी स्थिति नहीं है। मुख्यमंत्री की स्थिति मजबूत है। सत्ता किसी के लिए स्थायी नहीं है। उन्होंने कहा कि मंत्री पदों में बदलाव हो सकता है। कई वरिष्ठ अनुरोध कर रहे हैं कि हमें भी मौका दिया जाए। कांग्रेस में पहली बार जीतने वाले को मुख्यमंत्री बनाया गया है। विधान परिषद के चुनाव में भी कार्यकर्ताओं को मौका दिया गया है। उन्होंने कहा कि हमारे देश में भी यही मॉडल लागू होना चाहिए। विधान परिषद के सदस्यों को मंत्री बनाने या बाहर करने पर वरिष्ठ स्तर पर चर्चा शीर्ष स्तर पर है। मैं उस पर प्रतिक्रिया नहीं दूंगा। फिलहाल, हमको जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उस पर ध्यान दूंगा। जाति जनगणना पर सैकड़ों करोड़ रुपये खर्च होने की आलोचना करना ठीक नहीं है। कोविड काल में ढाई से तीन हजार करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। उन्होंने आरोप लगाया कि इस पर कोई चर्चा नहीं करेगा। यहां पैसे का सवाल ही नहीं उठता। लोगों को नाखुश करके रिपोर्ट जारी करना हितकर नहीं होगा। उन्होंने कहा कि अगर सबको खुश करने के लिए और 300 करोड़ रुपये बर्बाद भी हो जाएं, तो उन्हें कोई चिंता नहीं है। हाईकमान द्वारा निर्देश दिए जाने में कुछ भी गलत नहीं है।

रक्षा क्षेत्र में भी भारत निर्यातक देश के रूप में उभर रहा है : राजनाथ

पचमढ़ी, 16 जून (एजेंसियां)।
रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज कहा कि भारत प्रत्येक क्षेत्र में लगातार तरक्की कर रहा है और अब हम रक्षा क्षेत्र में भी निर्यातक देश के रूप में उभर रहे हैं।

श्री सिंह ने मध्यप्रदेश के प्रसिद्ध पर्यटक स्थल पचमढ़ी में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसदों और विधायकों के तीन दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग के समापन समारोह को संबोधित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा और प्रदेश प्रभारी डॉ महेंद्र सिंह ने भी अपना संबोधन दिया। रक्षा मंत्री श्री सिंह ने केंद्र की मोदी सरकार की 11 वर्ष की प्रमुख उपलब्धियां बतायीं और कहा कि विकसित भारत हमारा लक्ष्य ही नहीं, बल्कि संकल्प है। देश को आत्मनिर्भर, समावेशी और गौरवशाली राष्ट्र बनाने में हम सबकी भूमिका है। आज देश सुरक्षित हाथों में है और सही दिशा में आगे बढ़ रहा है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री सिंह ने कहा कि आज देश की अर्थव्यवस्था विश्व में 11वें स्थान से तीसरे स्थान पर पहुंचने जा रही है और ये बात सिर्फ आंकड़ों की नहीं है, बल्कि बदलाव जमीन पर भी दिखाई देता है। देश हर क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। रक्षा क्षेत्र में अब हम एक निर्यातक देश के रूप में उभर रहे हैं। भारत अपनी संप्रभुता और अखंडता की रक्षा करने में कोई समझौता नहीं करेगा और हमने यह ऑपरेशन सिंदूर के दौरान देखा है।

श्री सिंह ने पार्टी नेताओं को अनेक सीख और हिदायतें देते हुए कहा कि

पंडित दीनदयाल उपाध्याय जैसे नेताओं ने विचार और मूल्यों की राजनीति को स्थापित किया। आज भी हमारा कार्यकर्ता चुनाव हार सकता है, लेकिन विचार से नहीं हटता। यही वजह है कि भाजपा एक साधारण दल नहीं है। उन्होंने कहा कि जो लोग किसी विभाग के मंत्री हैं, उन्हें यह याद रखना चाहिए कि वे विभाग प्रमुख नहीं, बल्कि जनसेवक हैं। मंत्री की कुर्सी सेवा की चौकी है। नीतियों में समरसता दिखाई देना चाहिए, तुष्टिकरण नहीं।

हमारे लिए सारी दुनिया एक परिवार है, ऐसे में जाति-पंथ के आधार पर फैसले कैसे हो सकते हैं। हमें हमेशा यह याद रखना चाहिए कि हमारा जन्म सत्ता के गलियारों में नहीं, बल्कि संघर्षों की आंच में हुआ है।

श्री सिंह ने कहा कि सभी सांसद और विधायक हमेशा संगठन से जुड़े रहें, क्योंकि संगठन तब भी था, जब सत्ता नहीं थी। वे कार्यकर्ताओं को सम्मान दें और उनकी बात सुनें, क्योंकि भाजपा की असली ताकत जनता का भरोसा और कार्यकर्ताओं का परिश्रम ही है। जनता की सेवा हमारे डीएनए में है, हम जनसेवक हैं, शासक नहीं हैं। जनता का भरोसा और कार्यकर्ताओं का परिश्रम ही भाजपा की असली ताकत है। जनता का भरोसा जीतें और हर संकट के समय सबसे पहले जनता के बीच पहुंचें। सभी अपनी सोच और दृष्टि को बड़ा रखें।

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि चरित्र, मूल्यों और क्षमताओं का विकास करके राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दिया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि पार्टी संगठन द्वारा सरकार का या संगठन का, जो भी दायित्व, हम कार्यकर्ताओं को सौंपा जाता है, हम लोग उसे पूरी ईमानदारी व निष्ठा के साथ पूर्ण करते हैं। व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण की परम्परा एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें व्यक्ति के चरित्र, मूल्यों और क्षमताओं का विकास करके राष्ट्र के निर्माण में योगदान दिया जाता है। यह प्रक्रिया व्यक्ति को समाज में एक जिम्मेदार नागरिक बनाती है और व्यक्ति राष्ट्र निर्माण में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

डॉ यादव ने कहा कि इस प्रदेश में श्री कुशाभाऊ ठाकरे, भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी और दिवंगत राजमाता सिंधिया ने अलग पहचान बनाकर पार्टी के विस्तार में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से आंतकवाद को नेस्तानाबूत करके दुनिया में एक अलग पहचान बनाई है। भारतीय जनता पार्टी ने विकास से लेकर विरासत को संजोया है और हमने इंदौर व पंचमढ़ी में कैबिनेट बैठक आयोजित इसी उद्देश्य से की है।

प्रदेश अध्यक्ष श्री शर्मा ने कहा कि यह हम सभी को गौरवान्वित करने वाला क्षण है कि आज हमें भाजपा के वरिष्ठ नेता व रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का मार्गदर्शन मिला। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान रक्षा मंत्री श्री सिंह ने रक्षा विशेषज्ञों के साथ स्वदेशी रक्षा सामग्री का उपयोग कर एक महत्व-पूर्ण भूमिका निभाई है। देश की सेनाओं और स्वदेशी मिसाइलों ने ऑपरेशन सिंदूर में पराक्रम दिखाकर इतिहास रचा है। आज रक्षा क्षेत्र में भारत को दूसरे देशों पर निर्भर रहने की आवश्यकता नहीं है, हमारी सेनाएं और रक्षा उपकरण स्वदेशी होने के साथ ही आधुनिक भी हैं।

भाजपा के प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह ने प्रशिक्षण वर्ग को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा का विकास और विस्तार कार्यकर्ताओं की पीढ़ियों के परिश्रम और पुण्य का प्रतिफल है। भाजपा की विचारधारा केवल चुनाव जीतने की दृष्टि से गढ़ी गई रणनीति नहीं है, बल्कि यह राष्ट्र निर्माण करने वाले विचारों की श्रृंखला है। देश के आजाद होने के बाद जवाहरलाल नेहरू की सरकार में डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी को उद्योग मंत्री बनाया गया था, लेकिन जवाहरलाल नेहरू ने वर्ग विशेष के दबाव में उन्हें लाभ पहुंचाने जम्मू-कश्मीर में धारा 370 लगा दी। जब नेहरू सरकार जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाने को तैयार नहीं हुई तो डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने मंत्री पद त्याग कर आंदोलन शुरू कर दिया था। अंततः इतने सालों बाद केंद्र की भाजपा सरकार ने धारा 370 हटाने का काम किया।

बंद पर्यटनस्थल खुले, फिर लौटने लगी कश्मीरियों की जिंदगी

जम्मू, 16 जून (ब्यूरो)।
पहलगाम के बैसरन में हुए जानलेवा हमले में 25 पर्यटकों और एक स्थानीय टट्टू संचालक की मौत के करीब दो महीने बाद, जम्मू कश्मीर सरकार द्वारा पहलगाम में कई पार्क और दर्शनीय स्थलों को फिर से खोलने के फैसले से कश्मीरियों की उम्मीदें जग गई है। उन्हें लगता है उनकी जिंदगी फिर से लौट आई है।

पहलगाम और उसके आस-पास के इलाकों में 800 से ज्यादा होटल, गेस्टहाउस और हट्स हैं, जो 7,000 से ज्यादा लोगों की आजीविका का साधन हैं। मंदी के कारण कई होटल मालिकों को अपने कर्मचारियों की संख्या कम करने या उन्हें निकालने पर मजबूर होना पड़ा।

टट्टू संचालक, जो पर्यटकों की आवाजाही पर बहुत ज्यादा निर्भर हैं, अब उम्मीद कर रहे हैं कि उन्हें फिर से काम शुरू करने की अनुमति दी जाएगी। ब्राउन पैलेस होटल के मालिक इब्राहिम रैना कहते हैं कि हमले के बाद पहली बार हम फिर से बुकिंग देख रहे हैं। ज्यादातर पर्यटक स्थानीय हैं, लेकिन कुछ पर्यटक बाहर से भी आए हैं। रैना कहते हैं कि उनके होटल में अगस्त तक बुकिंग थी, लेकिन हमले के बाद वे सभी रद्द हो गईं और नए आरक्षण पूरी तरह से बंद हो गए। जबकि टट्टू संचालक बिलाल माग्रे कहते हैं कि वे प्रतिदिन 1,500 रुपए कमाते थे, लेकिन हमले के बाद से उन्होंने कुछ भी नहीं कमाया।

एक अन्य टट्टू संचालक मुहम्मद इस्माइल ने उम्मीद जताई कि आगामी अमरनाथ यात्रा शुरू होने के बाद पहलगाम मार्ग से अधिक तीर्थयात्रियों को लेकर आएगी। स्थानीय लोग एडवेंचर टूरिज्म को फिर से शुरू करने की मांग कर रहे हैं, जो अभी तक बंद है। ज़ोर्बिंग, रॉक क्लाइम्बिंग और राफ्टिंग जैसी अन्य गतिविधियां भी रूकी पड़ी हैं, जिससे कई लोगों की आजीविका प्रभावित हुई है।

स्थानीय आईटी स्नातक 22 वर्षीय ईशान ने प्रशासन से पर्यावरण के अनुकूल कैंपिंग की अनुमति देने का आग्रह किया, जो स्थानीय लोगों और आगंतुकों दोनों के बीच लोकप्रिय है। पर्यटक गाइडों ने भी आशा व्यक्त की कि ट्रेकिंग मार्ग फिर से खुल जाएंगे। स्थानीय गाइड 30 वर्षीय उमर कहते थे कि हमें उम्मीद है कि हम पर्यटकों को फिर से ट्रेकिंग स्पॉट पर ले जा सकेंगे। स्थानीय कार्यकर्ता मुश्ताक अहमद पहलगामी ने सरकार के फैसले का स्वागत किया, लेकिन प्रभावित लोगों के लिए अतिरिक्त सहायता का आग्रह किया।

पहलगाम टैक्सी स्टैंड पर, ड्राइवर आने वाले दिनों में बेहतरी की उम्मीद कर रहे हैं। 45 वर्षीय कैब ड्राइवर निसार अहमद खुशी प्रकट करते हुए कहते हैं कि हमले से पहले वे पर्यटकों को अरु, चंदनवाड़ी और बेताब घाटी में ले जाकर प्रतिदिन 2,000 रुपए कमाते थे।

अब स्टैंड सुनसान है। हमें उम्मीद है कि सभी जगहें जल्द ही खुल जाएंगी। हालांकि उन्होंने सरकार को बंद से प्रभावित टट्टू ऑपरेटरों, टैक्सी ड्राइवरों और अन्य दिहाड़ी मजदूरों के लिए विशेष राहत पैकेज की घोषणा की भी मांग की। जबकि उन्हें उम्मीद है कि एक शांतिपूर्ण और सफल अमरनाथ यात्रा से पूरे पर्यटन उद्योग को लाभ होगा।

बगैर पैसे के पहलगाम हमला संभव नहीं था: एफएटीएफ

नई दिल्ली, 16 जून (एजेंसियां)।
आतंकवादी वित्तपोषण नेटवर्क को खत्म करने के उद्देश्य कार्यरत वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) ने 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में हुए क्रूर आतंकवादी हमले पर सोमवार को गंभीर चिंता जतायी और हमले की निंदा करते हुये कहा है कि पहलगाम और अन्य हालिया हमले पैसे और आतंकवादी समर्थकों के बीच धन स्थानांतरित करने के साधनों के बिना नहीं हो सकते थे।

एफएटीएफ ने एक बयान में कहा कि आतंकवादी हमले दुनिया भर में लोगों की जान लेते हैं, उन्हें अपंग बनाते हैं और भय पैदा करते हैं। एफएटीएफ का यह बयान ऐसे समय में आया जब भारत सीमा पार आंतकी गतिविधियों में पाकिस्तान की भूमिका को वैश्विक स्तर पर उठा रहा है।

सूत्रों का कहना है कि एफएटीएफ का यह बयान पाकिस्तान को फिर से ग्रेड सूची में डालने का जोखित पैदा कर सकता है। पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों ने पहलगाम में हमला कर 26 पर्यटकों की हत्या कर दी थी।

एफएटीएफ की 25 अगस्त 2025 को एशिया प्रशांत ग्रुप की बैठक और 20 अक्टूबर 2025 को एफटीएफ वर्किंग समूह की प्रस्तावित बैठक के मद्देनजर भारत पाकिस्तान के आतंक वित्त पोषण को लेकर विस्तृत डॉजियर सौंपने वाला है ताकि पाकिस्तान को फिर से ग्रे लिस्ट में डाला जा सके। अभी 24 देश ग्रे लिस्ट में है। इस सूची में शामिल देशों को एफएटीएफ की निगरानी में उपाय करने होते हैं।

पाकिस्तान को सबसे पहले फरवरी 2008 में इस सूची में शामिल किया गया था और फिर जून 2010 में उससे बाहर हो गया था लेकिन फरवरी 2012 में यह फिर से इस सूची में आ गया और फरवरी 2015 में सूची से बाहर होने में सफल रहा। इसके बाद जून 2018 में यह फिर से ग्रे लिस्ट में आ गया और अक्टूबर 2022 तक इसमें रहा। उस समय पाकिस्तान को धन शोधन विरोधी और आतंक वित्त पोषण के विरूद्ध काम करने के लिए कहा गया था।

आतंकवादी वित्तपोषण से निपटने के लिए रूपरेखा निर्धारित करने के अलावा, एफएटीएफ ने देशों द्वारा लागू किए गए उपायों की प्रभावशी-लता पर अपना ध्यान केंद्रित किया है। इस तरह आपसी मूल्यांकन के माध्यम से उसने उन कमियों की पहचान की है जिन्हें संबोधित करने की आवश्यकता है। एफएटीएफ ने वैश्विक नेटवर्क में 200 से अधिक अधिकार क्षेत्रों के मूल्यांकन में योगदान देने वाले विशेषज्ञों का समर्थन करने के लिए आतंकवादी वित्तपोषण जोखिम पर मार्गदर्शन विकसित किया है। एफएटीएफ पिछले 10 वर्षों से देशों को आतंकवादी वित्तपोषण जोखिम से दूर रहने में मदद करने के लिए काम कर रहा है।

आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में विश्व में अग्रणी बनने की दिशा में बढ रहा है भारत : अमित शाह

नई दिल्ली, 16 जून (एजेंसियां)।
केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि भारत आपदाओं के प्रबंधन में क्षमता, दक्षता, गति और सटीकता के क्षेत्र में महत्व-पूर्ण उपलब्धियाँ हासिल कर विश्व में अग्रणी देश बनने की दिशा में बढ रहा है।

श्री शाह ने सोमवार को यहां राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों के राहत आयुक्तों तथा आपदा मोचन बलों के वार्षिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार ने पिछले दो वर्षों में राहत तथा आपदा प्रबंधन से जुड़ी सभी एजेंसियों की विभिन्न कार्यशाल-ाओं को एक ही बैठक के तहत लाकर संपूर्ण सरकार के दृष्टिकोण के साथ एक वैचारिक मंच बनाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि इससे कमियों को दूर करने और पूरे देश को आपदा से लड़ाई के लिए तैयार करने में मदद मिलती है। उन्होंने कहा कि इससे सभी हितधारक और एजेन्सियां मिलकर अच्छे तालमेल से काम कर पाती हैं।

गृह मंत्री ने कहा कि जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वॉर्मिंग के कारण पूरा विश्व आपदाओं से जूझ रहा है।

उन्होंने कहा कि पिछले दस वर्षों में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए), राष्ट्रीय आपदा मोचन बल और आपदा प्रतिरोधी अवसंरचना के लिए राष्ट्रीय गठबंधन (सीडीआरआई) के योगदान के कारण भारत आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व की दिशा में अग्रसर है।

श्री शाह ने कहा कि जब भी भारत के आपदा प्रबंधन का इतिहास लिखा जाएगा तो मोदी सरकार के ये दस वर्ष परिवर्तनकारी दशक के रूप में दर्ज किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने क्षमता, गति, दक्षता और सटीकता के चारों क्षेत्रों में बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने कहा कि न सिर्फ क्षमता को बढ़ाया गया बल्कि उसे संवर्धित कर तहसील तक पहुंचाने का काम किया गया है। गति का भी ध्यान रखा गया है क्योंकि समय पर आपदा से लोगों को बचाना सबसे महत्वपूर्ण होता है। आधुनिक तकनीक और समर्पित

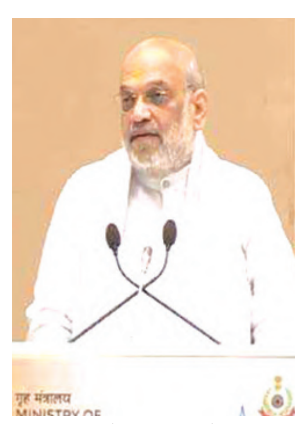

स्वभाव वाले आपदा मोचन बल के कारण दक्षता में भी वृद्धि हुई है और सटीकता के साथ पूर्वानुमान तथा अग्रिम सूचना पहुंचाकर समाज को जागृत कर उसे आपदा प्रबंधन में राहत और बचाव के काम में जोड़ने में सफलता प्राप्त की गयी है।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि आपदा प्रबंधन को लेकर दृष्टिकोण में बहुत बड़ा परिवर्तन आया है। इससे 'ज़ीरो कैजुअल्टी' के लक्ष्य को सफलता के साथ हासिल किया गया है। इसके साथ ही अब दृष्टिकोण राहत केन्द्रित से बदलकर समग्र और एकीकृत बना है। उन्होंने कहा कि अब केन्द्र सरकार, राज्य सरकारें और स्थानीय इकाइयां एक इकाई के रूप में आपदाओं का सामना करने के लिए आगे आ रही हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले दस वर्ष में देश का हर युवा इस मदद की भावना के साथ आपदाओं से लड़ने के लिए तैयार होगा।

श्री शाह ने कहा कि भारत ने पूर्व चेतावनी प्रणाली के विकास में बहुत कुछ हासिल किया है, यथासमय पूर्व तैयारी को कैलेंडर के साथ जोड़ा गया है। सक्रिय निवारण और शमन में वैज्ञानिक तरीके से पद्धति को तैयार किया गया है और आपदा जोखिम के न्यूनीकरण में भी बड़ी सफलता प्राप्त की गयी है। उन्होंने कहा कि भारत ने 'न्यूनतम कैजुअल्टी' के लक्ष्य पर चलते हुए 10 वर्षों में 'जीरो कैजुलल्टी' के लक्ष्य को हासिल कर पूरे विश्व को अचंभित किया है।

गृह मंत्री ने कहा कि सरकार ने आपदा प्रबंधन के लिए हर क्षेत्र में बजट को बढाया गया है। पन्द्रहवें वित्त आयोग में 14वें आयोग के अनुपात में बजट में 4 गुना वृद्धि की गयी है। राष्ट्रीय स्तर पर भी 68 हज़ार करोड़ रूपए से पहली बार राष्ट्रीय आपदा जोखिम प्रबंधन कोष की रचना की गयी है।

उन्होंने कहा कि अंतराज्यीय मॉक ड्रिल को वार्षिक कार्यक्रम बनाया जायेगा। उन्होंने कहा , स्टार्ट-अप इंडिया को भी हम आपदा राहत तकनीक के विकास के साथ जोड़ना चाहते हैं। एक लाख कम्युनिटी वॉलंटियर्स को तैयार करने का काम भी हमने किया है और इसमें 20 प्रतिशत महिलाएं हैं। इसके साथ ही, 470 करोड़ की लागत से हमने युवा आपदा मित्र योजना भी बनाई है।

गृह मंत्री ने कहा कि जलवायु परिवर्तन तथा ग्लोबल वॉर्मिंग ही आपदाओं का मूल कारण हैं और इसे ध्यान में रखते हुए पर्यावरण संरक्षण पर अधिक जोर दिये जाने की जरूरत है। भारत ने पिछले 11 साल में पर्यावरण संरक्षण के लिए अतुलनीय काम किया है।

इस अवसर पर गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय और केन्द्रीय गृह सचिव गोविन्द मोहन सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

अमरनाथ यात्रा की उल्टी गिनती शुरू, सुरक्षा के पुख्ता बंदोबस्त

जम्मू, 16 जून (ब्यूरो)।
ऑपरेशन सिंदूर के बाद होने जा रही अमरनाथ यात्रा की उल्टी गिनती आरंभ हो गई है। तीन जुलाई को यह यात्रा बालटाल और पहलगाम से आरंभ होगी जबकि जम्मू से पहला जत्था दो जुलाई को रवाना होगा। 14500 फुट की ऊंचाई पर स्थित अमरनाथ गुफा में प्राकृतिक रूप बनने वाले हिमलिंग के पहले दर्शन 3 जुलाई को ही होंगें। यात्रा की कुशलता के लिए सुरक्षा के पुख्ता बंदोबस्त किए गए हैं।

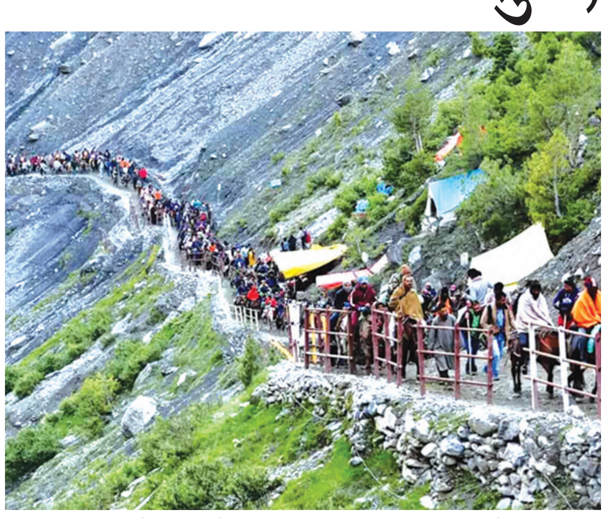

कश्मीर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक वीके बिर्दी ने कहा, साउथ कश्मीर में एक्टिव अधिकतर आतंकियों को मारा जा चुका है। ऑपरेशन क्लीन के तहत अमरनाथ यात्रा मार्ग को आतंकियों से मुक्त करा लिया गया है पर हाइब्रिड आतंकियों के बारे में सभी पक्ष खामोश हैं। जिस तरह का खतरा स्टिकी बमों का है उसी प्रकार हाइब्रिड आतंकियों का भी खतरा है। इन दो खतरों के बीच सुरक्षाधिकारियों को यह भी सूचना मिली है कि ड्रोन की सहायता से आतंकी अमरनाथ यात्रियों और यात्रा मार्ग पर तैनात सुरक्षाबलों पर हमला बोल सकते हैं। इसी वजह से रेडियो फ्रीक्वेंसी जैमरों के साथ ही सैकड़ों ड्रोनों को मुकाबले के लिए तैयार रखा गया है। ये पहली जुलाई से आसमान में गश्त लगाना शुरू कर देंगे और और जमीन के नीचे आईईडी की तलाश के लिए पांच दर्जन श्वान दस्ते भी सक्रिय हो जाएंगे। जम्मू कश्मीर सरकार ने प्रदेश में अमरनाथ यात्रा के पूरे मार्ग को आतंकी हमले के लिहाज से अत्याधिक संवेदनशील घोषित किया है और सुरक्षा एजेंसियों को निर्देश दिया है कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएं।

पाकिस्तान में रह रहे आतंकवादी की संपत्ति जब्त

श्रीनगर, 16 जून (एजेंसियां)।
जम्मू-कश्मीर पुलिस की राज्य जांच एजेंसी (एसआईए) ने सोमवार को पाकिस्तान भाग गये एक आतंकवादी की कुपवाड़ा जिले की संपत्ति जब्त कर ली। पुलिस ने बताया कि हंदवाड़ा के मावर बाला कलमाबाद के अब्दुल हामिद लोन की संपत्ति जब्त करने की कार्रवाई कानूनी प्रक्रिया पूरी करने और राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की अदालत से उचित अधिकार प्राप्त करने के बाद की गयी है। जब्त की गयी अचल संपत्ति में तीन कनाल से अधिक जमीन शामिल है। पुलिस के मुताबिक आरोपी लोन एक फरार आतंकवादी है, जो कश्मीर में सीआईके/एसआईए थाना की प्राथमिकी संख्या 02/2023 में वांछित है और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) की धारा 13, 17, 18, 21, 39, 40 और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 120-बी के तहत कई अपराधों में शामिल है।

उन्होंने कहा, वह आतंकवादी करतूतों में अपनी सक्रिय भागीदारी के बाद कानूनी कार्रवाई से बचने के लिये गिरफ्तारी से बच रहा है। पुलिस ने कहा कि संपत्ति की कुर्की एक कार्यकारी मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में की गयी और इसमें वैधानिक प्रक्रियाओं का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित किया गया। यह कार्रवाई क्षेत्र में गैरकानूनी और राष्ट्र-विरोधी कार्यों की चल रही जांच में एक महत्वपूर्ण कदम है। पुलिस ने कहा, एसआईए अन्य सुरक्षा और खुफिया एजेंसियों के साथ मिलकर, राष्ट्र की संप्रभुता, अखंडता और एकता को खतरा पहुंचाने वाली कारगुजारियों में शामिल व्यक्तियों और संस्थाओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के अपने संकल्प पर अडिग है।

प्रधानमंत्री मोदी को भेंट किया जाएगा रामलला रक्षा यंत्र

अयोध्या, 16 जून (एजेंसियां)। रामलला सेवा संस्थान की ओर से जल्द ही पीएम नरेंद्र मोदी को रामलला रक्षा यंत्र भेंट किया जाएगा। संस्थान की ओर से पांच विशेष चांदी से निर्मित यंत्र तैयार किए गए हैं, जो पांच विशिष्ट लोगों को दिए जाएंगे। अब तक यह यंत्र सीएम योगी आदित्यनाथ व श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्यगोपाल दास, राम मंदिर व सिद्धपीठ हनुमानगढ़ी को समर्पित किया जा चुका है।

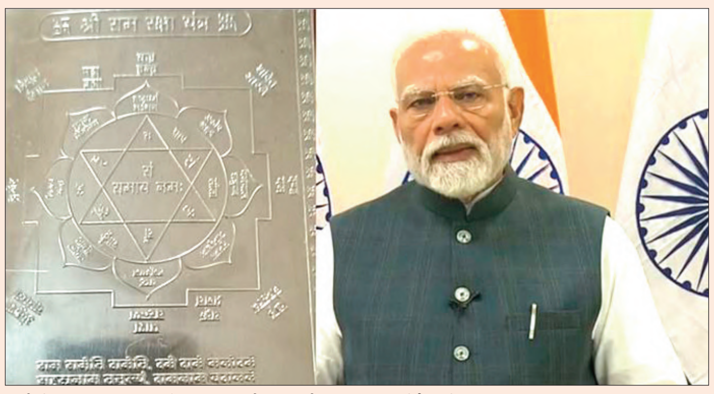

रामलला रक्षा यंत्र का निर्माण गत वर्ष भव्य मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा और उसके बाद राम भक्ति के उठे महाज्वार के बीच अंतराष्ट्रीय ख्याति के ज्योतिषी डॉ. राजानंद शास्त्री ने शास्त्रोक्त विधि-विधान से शुरू कराया है। पत्रकारों से बात करते हुए डॉ. राजानंद ने बताया कि जल्द ही पीएम नरेंद्र मोदी से मिलकर उनको यह विशेष यंत्र समर्पित किया जाएगा।

14 ग्राम चांदी के सवा चार इंच लंबे एवं सवा तीन इंच चौड़े फलक पर राम रक्षा यंत्र विधान के अनुरूप निर्मित है। छह त्रिकोण और आठ पंखुड़ियों से युक्त यंत्र में चारों दिशाओं और कुबेर का स्थान नियत है। जबकि केंद्र में माता सीता और श्रीराम की प्रतिष्ठा के साथ उनका बीज मंत्र अंकित है। यह यंत्र राम रक्षा स्तोत्र से अभिमंत्रित एवं हनुमानजी से कीलित है। मान्यता के अनुसार इससे इसकी शुभता और प्रभाव पर किसी अन्य यंत्र का अतिक्रमण नहीं हो सकेगा। रामलला रक्षा यंत्र इसी वर्ष फरवरी में वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड में भी स्थान बना चुका है। इसे अधिकांश धर्म प्रेमियों द्वारा पूजित उत्कृष्ट उपलब्धि के रूप में रिकॉर्ड बुक में स्थान दिया गया है। साथ ही रक्षायंत्र तैयार करने वाले डॉ. राजानंद शास्त्री को रिकॉर्ड बुक की कमेटी में नामित किया गया है।

पहली बार सीधे किसानों से मक्का खरीद रही यूपी सरकार

22 जिलों में हो रही मक्का की खरीद

लखनऊ, 16 जून (एजेंसियां)। यूपी में पहली बार सरकार सरकार किसानों से सीधा मक्का खरीदेगी। यह खरीद 15 जून से 31 जुलाई तक चलेगी। क्रय केंद्रों पर सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक खरीद की जाएगी। मक्का की खरीद 2225 रुपए प्रति क्विंटल की दर से होगी। बता दें, पिछले दिनों औरैया पहुंचे सीएम योगी आदित्यनाथ ने मक्का उत्पादक किसानों से बात की थी और उन्हें आश्वस्त किया था कि सरकार नियमित रूप से उनकी खुशहाली का मार्ग प्रशस्त करेगी।

जिन जिलों में मक्का की सरकारी खरीद होनी है उनमें बदायूं, बुलंदशहर, अलीगढ़, एटा, कासगंज, फिरोजाबाद, हाथरस, मैनपुरी, हरदोई, उन्नाव, कानपुर नगर, औरैया, कन्नौज, इटावा, फर्रुखाबाद, बहराइच, बलिया, गोंडा, संभल, रामपुर, अयोध्या और मिर्जापुर शामिल हैं। मक्के की बिक्री के लिए किसानों को यूपी किसान मित्र मोबाइल ऐप पर पंजीकरण कराना अनिवार्य है। किसान चालू मोबाइल नंबर से ही पंजीकरण कराएं, जिस पर प्राप्त ओटीपी भरकर पंजीकरण प्रक्रिया पूरी कर सकें। किसान का बैंक खाता आधार से लिंक हो। खाते का एनपीसीआई (नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया) पोर्टल पर मैपिंग व सक्रिय होना जरूरी है। किसान 18001800150 पर डॉयल करके भी सहायता ले सकते हैं। इसके अलावा संबंधित जिला खाद्य विपणन अधिकारी, तहसील के क्षेत्रीय विपणन अधिकारी या ब्लॉक के विपणन निरीक्षक से भी संपर्क कर सकते हैं।

ईरान-इजराइल युद्ध से महंगा हुआ खजूर, सेब और कीवी

लखनऊ, 16 जून (एजेंसियां)। ईरान-इजराइल युद्ध का असर लखनऊ की मंडियों में दिखने लगा है। ईरानी कीमिया खजूर, सेब और कीवी के दाम तेजी से बढ़ रहे हैं। थोक व्यापारी बताते हैं कि स्टॉक सीमित है और अगर युद्ध लंबा चला, तो दाम और बढ़ सकते हैं।

सीतापुर रोड स्थित नवीन कृषि मंडी में खजूर के थोक व्यापारी संदीप गुप्ता ने बताया कि ईरान से काफी मात्रा में खजूर देश में आता है। ईरान के कीमिया खजूर की लखनऊ समेत प्रदेश के लगभग सभी शहरों में सबसे ज्यादा डिमांड है। ईरान में इस वर्ष कीमिया खजूर की पैदावार बहुत अच्छी नहीं हुई। इसके चलते इसकी आवक घटी है। मांग ज्यादा और आपूर्ति कम होने से इसके भाव पहले से बढ़े हुए हैं। डेढ़ महीने पहले छह किलो कीमिया खजूर की पेटी के दाम 1200 रुपए थे, जो अब बढ़ कर 1600 रुपए हो गए हैं। 500 ग्राम के प्लास्टिक डिब्बे में पैक कीमिया खजूर का दाम भी 140 रुपए से बढ़

कर 200 रुपए प्रति डिब्बा हो गया है। इसके आयात का मुख्य सीजन अक्तूबर से अप्रैल तक रहता है। वर्तमान में मुंबई समेत अन्य कई स्थानों पर स्टोर में रखे ईरान के खजूर ही बाजार में आ रहे हैं। युद्ध लंबा चला तो दाम और बढ़ सकते हैं।

लखनऊ फल-सब्जी विक्रेता संघ के अध्यक्ष आशीष कंधारी ने बताया कि ईरान से सेब और कीवी दोनों ही फल आते हैं। ईरान से आयात का इसका सीजन करीब एक महीने पहले समाप्त हो चुका है। ईरान के सेब और कीवी में शुगर लेवल अन्य देशों से आने वाले सेब और कीवी से अधिक होता है। जिसकी वजह से यह जल्दी पक जाता है। खराब होने का खतरा भी अधिक रहता है। एक महीने पहले तक यह मार्केट में आ रहा था। तब यह 100 रुपए प्रति किलो तक बिका। अब यह मार्केट में नहीं है। अन्य कई देशों के सेब मार्केट आ रहे हैं, लेकिन वह भी कम मात्रा में। जिसकी वजह से अच्छे सेब के दाम 200 रुपए प्रति किलो तक थोक में पहुंच गए हैं। कीवी के दाम में भी 25 फीसदी तक इजाफा हुआ है। जब तक ईरान का सेब व कीवी मार्केट में रहता है, भाव नियंत्रित रहते हैं।

व्यापारियों का मानना है कि कुछ स्थानों पर कोल्ड स्टोरों में ईरान का सेब और कीमिया रखा हो सकता है। युद्ध लंबा चला तो ईरान से उसके आने की संभावना न के बराबर होगी। ऐसे में इसके दाम बढ़ेंगे। व्यापारियों ने बताया कि इन फलों के बढ़े भाव का असर बिक्री पर भी पड़ा है। सभी की बिक्री घट कर करीब चालीस फीसदी रह गई है।

पीलीभीत में 61 सिख परिवारों ने की घर वापसी

धर्म परिवर्तन कर बन गए थे ईसाई

पीलीभीत, 16 जून (एजेंसियां)। पीलीभीत के पूरनपुर क्षेत्र में सोमवार को 60 सिख परिवारों ने घर वापसी की। बताया गया कि इन परिवारों ने लालच में आकर ईसाई धर्म अपना लिया था। भारतीय सिख संगठन ने इन परिवारों की घर वापसी कराई। पीलीभीत के पूरनपुर क्षेत्र में नेपाल सीमा से सटे गांव राघव-पुरी स्थित गुरुद्वारा में सोमवार को हुए घर वापसी समारोह में नौ जत्थेबंदियों और बाबा सहित सिख संगठनों के पदाधिकारियों ने भाग लिया। भारतीय सिख संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष का दावा है कि घर वापसी समारोह में 61 सिख परिवारों ने घर वापसी की। गुरुद्वारा में मत्था टेका। नानक नगरी बैल्हा के

गुरुद्वारा की प्रबंध कमेटी के अध्यक्ष गुरदयाल सिंह समारोह लोगों के घर वापसी की स्वेच्छा जाहिर करने की जानकारी दी।

नेपाल सीमा के गांवों में कई लोगों के धर्म परिवर्तन करने को लेकर सोमवार को गांव राघव-पुरी गुरुद्वारा में घर वापसी समारोह रखा गया। समारोह में भारतीय सिख संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष जसवीर सिंह विर्क ने कहा कि सिख धर्म का इतिहास रहा है कि इसमें कोई भेदभाव नहीं है। इससे दूसरे धर्म के लोग प्रेरणा लेते हैं। जिन लोगों ने भ्रमित होकर दूसरे धर्म को अपना लिया। उनके लिए सिख समाज के दरवाजे खुले हैं। घर वापसी करें।

लालच में आकर भ्रमित होने की जरूरत नहीं है। उन्होंने बताया कि समारोह में 61 परिवारों ने घर वापसी की। गुरुद्वारा में मत्था टेका और अरदास हुई। उन्होंने बताया कि इससे पहले क्षेत्र में घूमकर लोगों ने धर्म परिवर्तन को लेकर जानकारी की गई थी। जिस पर लोगों ने लालच में आकर भ्रमित होकर धर्म परिवर्तन करने की बात कही थी। ऑल इंडिया सिख पंजाबी वेलफेयर काउंसिल के जिलाध्यक्ष परमजीत सिंह ने कहा कि घर वापसी करने वाले लोगों को गले लगाया गया है।

समारोह में महंगापुर के बाबा गुरनाम सिंह, अमरिया के बाबा मोहन सिंह, खजुरिया के बाबा सुलखान सिंह, बाबा गुरनाम सिंह, बाबा गुरविंदर सिंह, बाबा बल्देव सिंह के अलावा आगरा के बाबा प्रीतम सिंह, नानक नगरी बैल्हा गुरुद्वारा प्रबंध कमेटी के अध्यक्ष, सदस्य सहित नौ जत्थे पहुंचे। नानक नगरी गुरुद्वारा प्रबंध कमेटी के अध्यक्ष गुरदयाल सिंह ने बताया कि समारोह में दूसरे धर्म में गए लोगों ने स्वेच्छा से घर वापसी का आश्वासन दिया है। कुछ परिवारों ने घर वापसी भी की है।

श्रीराममंदिर परिसर का निर्माण तेज सुंदर आकार ले रहा परकोटा

दिसंबर तक भक्तों के लिए खोल दिया जाएगा मंदिर परिसर

अयोध्या, 16 जून (एजेंसियां)। अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर परिसर का निर्माण कार्य तेजी से प्रगति कर रहा है। रामदरबार और अन्य देवी-देवत-ाओं के मंदिरों में प्राण प्रतिष्ठा के बाद अब श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट मंदिर के परकोटे (प्राचीर) के निर्माण को गति देने में जुटा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस ऐतिहासिक कार्य की प्रगति पर विशेष ध्यान दे रहे हैं। वह जब भी अयोध्या पहुंचते हैं तो श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्यों और अधिकारियों के साथ बैठक कर निर्माण कार्य की समीक्षा करते हैं और समयबद्ध प्रगति के लिए उचित दिशा-निर्देश जारी करते हैं। उनकी सक्रिय निगरानी और मार्गदर्शन से

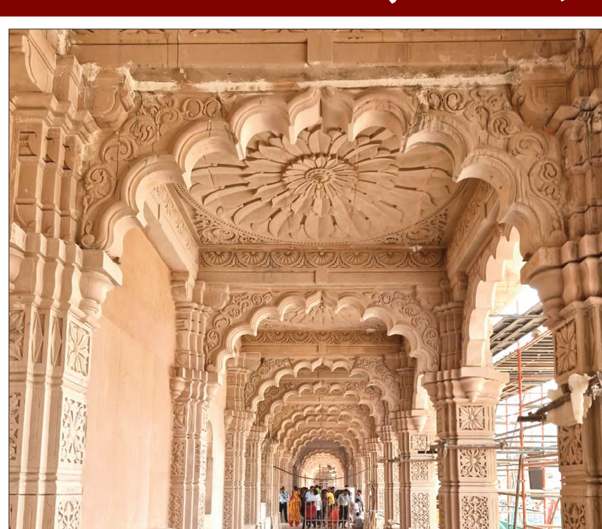

मंदिर निर्माण में तेजी आई है।

ट्रस्ट के महामंत्री चम्पत राय और निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र के नेतृत्व में कार्यदायी संस्थाएं दिन-रात परकोटे के निर्माण में जुटी हैं। लक्ष्य है कि नवंबर/दिसंबर 2025 तक मंदिर का संपूर्ण परिसर भक्तों के लिए खोल दिया जाए।

यह परकोटा आयताकार होगा, जिसकी लंबाई 732 मीटर और चौड़ाई 14 फीट होगी। परकोटे का निर्माण मंदिर में प्रयुक्त पिंक सैंड स्टोन से ही किया जा रहा है, जिसमें भगवान श्रीराम के जीवन से जुड़ी लीलाओं की सुंदर नक्काशी की गई है। यह कलाकृतियां न केवल भक्तों के लिए आकर्षण का केंद्र होंगी, बल्कि वर्तमान और भावी पीढ़ियों को श्रीराम के आदर्शों का सुखद संदेश भी देंगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में अयोध्या न केवल आध्यात्मिक, बल्कि सांस्कृतिक और पर्यटन केंद्र के रूप में भी विश्व पटल पर उभर रही है। उनके निर्देश पर मंदिर परिसर के साथ-साथ अयोध्या में आधारभूत संरचनाओं का विकास भी तेजी से हो रहा है। सड़कें, हवाई अड्डा, रेलवे स्टेशन और अन्य सुविधाओं के विस्तार से अयोध्या भक्तों और पर्यटकों के लिए सुगम बन रही है। योगी सरकार की प्राथमिकता है कि श्रीराम मंदिर का निर्माण गुणवत्ता और समयबद्धता के साथ पूरा हो, ताकि यह भारत की सांस्कृतिक धरोहर का प्रतीक बन सके।

अब यूपी में फलों से बनेगी शराब

लखनऊ में पहली वाइनरी शुरू

लखनऊ, 16 जून (एजेंसियां)। यूपी में वाइन उद्योग की दिशा में कदम आगे बढ़ाया गया है। लखनऊ के मलिहाबाद में प्रदेश की पहली फ्रूट वाइन यूनिट एम्ब्रोसिया नेचर लिविंग एलएलपी लगाई गई है। इसका उद्घाटन मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने किया। यह वाइनरी आम जैसे स्थानीय फलों से वाइन बनाएगी।

मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने रविवार को मलिहाबाद के गांव जल्लाबाद में प्रदेश की पहली वाइनरी एम्ब्रोसिया नेचर लिविंग एलएलपी का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्य सचिव ने कहा कि यह पहल प्रदेश में फल उत्पादन और उद्यमिता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। उन्होंने इस परियोजना को प्रदेश के विकास की दिशा में एक अभिनव प्रयास बताते हुए कहा कि यह पहल किसानों की आय को दोगुना करने और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देगी।

प्रदेश सरकार ने स्थानीय फलों से निर्मित फ्रूट वाइन पर अगले 5 वर्षों तक एक्साइज ड्यूटी में पूरी छूट देने का निर्णय लिया है। यह कदम न केवल किसानों की आय को बढ़ाने में सहायक होगा, बल्कि स्थानीय उद्यमियों और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित करेगा। मुख्य सचिव ने वाइनरी के प्रशासनिक विंग का भी उद्घाटन किया। इसके बाद उन्होंने यूनिट का निरीक्षण किया। उन्होंने यूनिट की कार्य प्रणाली, उत्पादन प्रक्रिया और कच्चे माल के उपयोग से संबंधित जानकारी हासिल की। इस अवसर पर वाइनरी के संस्थापक कुंवर माधवेंद्र देव सिंह भी उपस्थित रहे।

पांच लाख आबादी का पेयजल संकट खत्म

17 जून से शुरू होगी कठौता झील से पानी की आपूर्ति

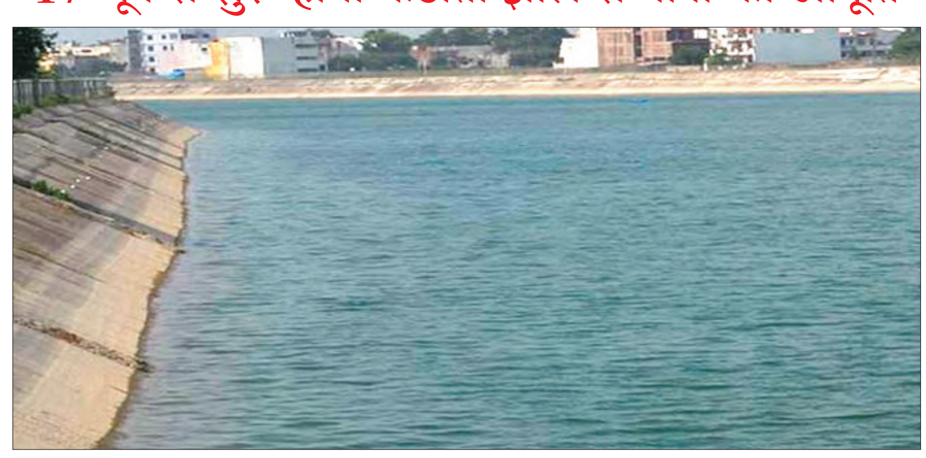

लखनऊ, 16 जून (एजेंसियां)। लखनऊ के गोमती नगर और इंदिरा नगर क्षेत्र की पांच लाख आबादी के लिए राहत की खबर है। कठौता झील को पानी देने वाली शारदा सहायक नहर चालू कर दी गई है। मंगलवार शाम तक झील में पानी पहुंचने से पूरी तरह से आपूर्ति बहाल हो जाएगी। इंदिरा और गोमती नगर की करीब पांच लाख की आबादी को पेयजल की आपूर्ति करने वाली कठौता झील का पानी संकट मंगलवार को पूरी तरह दूर हो जाएगा। क्योंकि, झील को पानी देने वाली शारदा नहर रविवार से चालू हो गई है। करीब एक महीने से मरम्मत कार्य चलने के कारण नहर बंद थी।

जलकल महाप्रबंधक कुलदीप सिंह ने बताया कि सिंचाई विभाग ने मरम्मत के लिए 18 मई को शारदा सहायक नहर को 16 जून तक के लिए बंद किया था। इसी नहर से पानी कठौता झील को मिलता है। जिस समय नहर बंद रहती है, उस दौरान झील में एकत्र पानी से आपूर्ति की जाती है। सिंचाई विभाग की ओर से जानकारी दी गई है कि रविवार सुबह लखीमपुर से पानी छोड़ दिया गया है।

यह मंगलवार को झील तक पहुंच जाएगा। महाप्रबंधक ने बताया कि झील तक पानी पहुंचाने के लिए नहर के पानी का लेवल 5.16 मीटर तक लाना होता है। इस कारण लखीमपुर से पानी छोड़े जाने के बाद भी कठौता झील तक पानी मंगलवार शाम यानी 17 जून तक ही पहुंच पाएगा, क्योंकि देवा रोड पर माती के पास बने चेकडैम के पास पानी का लेवल बढ़ाया जाता है और फिर वहां से पाइपलाइन के जरिए गोमतीनगर में कठौता झील तक लाया जाता है।

कठौता झील में जमा पानी से अधिकतम एक महीने तक ही आपूर्ति की जा सकती है। ऐसे में यदि सिंचाई विभाग पानी न छोड़ता, इस भीषण गर्मी में पांच लाख की आबादी को पेयजल किल्लत का सामना करना पड़ता। पूर्व में कई बार सिंचाई विभाग ने तय समय से अधिक समय तक मरम्मत के लिए नहर बंद रखी थी, जिससे पेयजल की किल्लत हो चुकी है और शासन के दखल के बाद नहर शुरू हुई। राजधानी के महानगर वार्ड के दर्शगंज, मेंहदी टोला, विष्णुपुरी कॉलोनी, विष्णुपुरी विस्तार, चर्च रोड, दयाल फोर्ट, बाबा की संगत की लगभग 15 हजार आबादी पेयजल संकट से जूझ रही है। स्थानीय निवासी राजीव रस्तोगी, संजय गुप्ता, विष्णु ने बताया कि सेंट फिदेलिस स्कूल के पास ट्यूबवेल खराब होने से यहां घरों में तीन दिनों से पानी नहीं आ रहा है। इस पर रविवार को पार्षद हरिश्चंद्र लोधी का घेराव कर उन्हें समस्या बताई।

संपादकीय

हमले से पस्त ईरान

सुनियोजित व ठोस खुफिया जानकारियों के साथ इस्राइल ने ईरान के परमाणु ठिकानों व शीर्ष सैन्य अधिकारियों पर बड़े सधे हमले किए हैं। ईरान के नतान्ज स्थित मुख्य परमाणु संवर्धन केंद्र को भी निशान बनाया गया। शुक्रवार की सुबह इस्राइल ने 'ऑपरेशन राइजिंग लायन' के जरिये वायु रक्षा प्रणाली व मिसाइलों को ध्वस्त करते हुए ईरान के हवाई क्षेत्र में सैकड़ों लड़ाकू जहाजों के जरिये भारी तबाही मचायी। इस्राइली खुफिया एजेंसी मोसाद की बड़ी भूमिका वाले इस ऑपरेशन के जरिये न केवल ईरान की मिसाइल क्षमता को कमजोर किया बल्कि हवाई रक्षा प्रणाली को भी बेअसर किया। जिसके बाद इस्राइली एयरफोर्स ने ताबड़तोड़ हमलों से ईरानी वायुक्षमता को बेदम कर दिया। लंबी खुफिया तैयारी के साथ इस्राइल ने ईरान के भीतर विस्फोटक ड्रोन बेस स्थापित किए और शुक्रवार तड़के इन ड्रोन ने ईरान के सैन्य ठिकानों में तबाही मचा दी। जिससे ईरान को भारी नुकसान उठाना पड़ा। इस्राइल ने ईरान के सुरक्षा प्रतिष्ठानों, सैन्य अधिकारियों और परमाणु कार्यक्रम से जुड़े वैज्ञानिकों व प्रमुख लोगों पर लंबी तैयारी के बाद सटीक हमले किए। कई बड़े अधिकारियों को उनके घरों में ही मार दिया गया। दरअसल, इस्राइल का मानना था कि ईरान परमाणु हथियार बनाने के करीब है। यहां तक कि परमाणु कार्यक्रम की निगरानी करने वाली संस्था आईएईए ने स्पष्ट शब्दों में ईरान पर परमाणु अप्रसार समझौते का उल्लंघन करने का आरोप लगाया था। हमले में सेना प्रमुख के अलावा ईरानी सेना की सबसे ताकतवर शाखा रिवोल्यूशनरी गाड्र्स के कमांडर हौसेन सलामी को भी मार डाला गया। हमले में न केवल यूरेनियम संवर्धन प्रतिष्ठान पर हमला किया गया, बल्कि कई परमाणु वैज्ञानिकों को भी मार दिया गया। ईरान ने इस्राइल पर नागरिक ठिकानों पर हमला करने के आरोप लगाए। उत्तर पूर्वी ईरान के अलावा नतांज परमाणु केंद्र पर भी धमाके सुने गए। जहां इस्राइल इन हमलों को अपने अस्तित्व को बचाने की कार्रवाई बता रहा है, वहीं ईरान जवाबी कार्रवाई कर शीघ्र बदला लेने की बात कर रहा है। वहीं दूसरी ओर इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरान को चेताया है कि जब तक ईरान की ओर से खतरे की आशंका खत्म नहीं हो जाती, ये हमले आगे भी जारी रहेंगे। दरअसल, इस्राइल का मानना रहा है कि ईरान संवर्धित यूरेनियम से परमाणु हथियार बनाने के करीब है, जो उसके अस्तित्व के लिये चुनौती है। इस्राइल ने ईरान पर उसके क्षेत्र में सैकड़ों ड्रोन दागने के भी आरोप लगाये हैं। वहीं दूसरी ओर ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई ने अमेरिका व इस्राइल को गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी है। दूसरी ओर ईरान के सरकारी मीडिया ने इस्लामिक रिवॉल्यूश्नरी गाड्र्स कोर के कमांडर इन चीफ हौसैन सलामी सहित पांच शीर्ष सैन्य अधिकारियों की मौत की बात स्वीकारी है। साथ ही दो महत्वपूर्ण परमाणु वैज्ञानिकों के मारे जाने की पुष्टि की गई है। दरअसल, ईरान अमेरिका व इस्राइल के दावों को खारिज करते हुए कहता रहा है कि उसका परमाणु कार्यक्रम शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिये है। जबकि अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी की दलील है कि ईरान की बातों पर विश्वास नहीं किया जा सकता। वह संवर्धित यूरेनियम से जुड़े प्रश्नों के तार्किक जवाब नहीं दे पाया है। कहा जा रहा है कि ईरान के गुप्त परमाणु ठिकानों का पता चलने के बाद उसके परमाणु कार्यक्रम की मंशा संदिग्ध बन गई है। उसने संवर्धित यूरेनियम भंडार के बारे में सटीक जानकारी भी नहीं दी। आईएईए की एक रिपोर्ट में दावा किया गया कि ईरान इतना यूरेनियम संवर्धित कर चुका है कि वह नौ परमाणु बना सकता है। हालांकि, अमेरिकी विदेश मंत्री इस हमले में अमेरिका की सीधी भूमिका होने से इनकार कर रहे हैं। लेकिन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया हैंडल के जरिये कहा है कि ईरान ने परमाणु कार्यक्रम पर समझौते के लिये अंतर्राष्ट्रीय प्रस्ताव को बार-बार खारिज किया है। बहरहाल, इस घटनाक्रम से मध्यपूर्व में इस्राइल-ईरान के बीच सीधे युद्ध की आशंका बढ़ गई है। कहा जा रहा है कि इस्राइल और हमास, हिजबुल्ला व हूती विद्रोहियों के बीच पहले से जारी संघर्ष से संवेदनशील बने इलाके में पूर्ण युद्ध की आशंका बढ़ गई है।

ईरान के नतान्ज स्थित मुख्य परमाणु संवर्धन केंद्र को भी निशान बनाया गया। शुक्रवार की सुबह इस्राइल ने 'ऑपरेशन राइजिंग लायन' के जरिये वायु रक्षा प्रणाली व मिसाइलों को ध्वस्त करते हुए ईरान के हवाई क्षेत्र में सैकड़ों लड़ाकू जहाजों के जरिये भारी तबाही मचायी। इस्राइली खुफिया एजेंसी मोसाद की बड़ी भूमिका वाले इस ऑपरेशन के जरिये न केवल ईरान की मिसाइल क्षमता को कमजोर किया बल्कि हवाई रक्षा प्रणाली को भी बेअसर किया। जिसके बाद इस्राइली एयरफोर्स ने ताबड़तोड़ हमलों से ईरानी वायुक्षमता को बेदम कर दिया। लंबी खुफिया तैयारी के साथ इस्राइल ने ईरान के भीतर विस्फोटक ड्रोन बेस स्थापित किए और शुक्रवार तड़के इन ड्रोन ने ईरान के सैन्य ठिकानों में तबाही मचा दी। जिससे ईरान को भारी नुकसान उठाना पड़ा। इस्राइल ने ईरान के सुरक्षा प्रतिष्ठानों, सैन्य अधिकारियों और परमाणु कार्यक्रम से जुड़े वैज्ञानिकों व प्रमुख लोगों पर लंबी तैयारी के बाद सटीक हमले किए। कई बड़े अधिकारियों को उनके घरों में ही मार दिया गया। दरअसल, इस्राइल का मानना था कि ईरान परमाणु हथियार बनाने के करीब है। यहां तक कि परमाणु कार्यक्रम की निगरानी करने वाली संस्था आईएईए ने स्पष्ट शब्दों में ईरान पर परमाणु अप्रसार समझौते का उल्लंघन करने का आरोप लगाया था।

केंद्रीय बजट में भारी भरकम राशि का प्रावधान करना पड़ता था तथा इन उपक्रमों को केंद्र सरकार द्वारा आर्थिक सहायता प्रदान की जाती थी

केंद्र सरकार के उपक्रम बन रहे कमाऊ पूत

प्रह्लाद सबनानी

आज से एक दशक से अधिक समय पूर्व तक केंद्र सरकार के उपक्रमों को चलायमान बनाए रखने के लिए केंद्रीय बजट में भारी भरकम राशि का प्रावधान करना पड़ता था तथा इन उपक्रमों को केंद्र सरकार द्वारा आर्थिक सहायता प्रदान की जाती थी। परंतु, आज स्थिति एकदम बदल गई है एवं अब केंद्र सरकार के उपक्रम केंद्र सरकार को लाभांश के रूप में भारी भरकम राशि प्रदान कर रहे हैं। वित्तीय वर्ष 2024-25 में केंद्र सरकार के विभिन्न उपक्रमों ने 5 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि का लाभ अर्जित किया है। केंद्र सरकार के उपक्रमों में यह आमूलचूल परिवर्तन केंद्र में ईमानदार सरकार एवं केंद्र सरकार द्वारा निगमित अभिशासन से सम्बंधित नियमों का कड़ाई से अनुपालन कराए जाने के चलते ही सम्भव हो सका है। पूर्व में इन उपक्रमों में पनप रहे भ्रष्टाचार के चलते इन उपक्रमों की लाभप्रदता पर विपरीत प्रभाव पड़ता था परंतु अब उच्च स्तर पर भ्रष्टाचार पर लगभग पूर्णतः अंकुश लगाया जा चुका है। साथ ही, केंद्र सरकार के इन उपक्रमों को नेतृत्व प्रदान कर रहे अधिकारियों पर भी बहुत कुछ निर्भर करता रहा है। केंद्र सरकार के इन उपक्रमों में आज का नेतृत्व कुशल, ईमानदार एवं देश प्रथम की नीति पर चलने के साथ ही देश के प्रति सम्मान का भाव रखने वाला है। वित्तीय वर्ष 2024 में केंद्र सरकार के विभिन्न उपक्रमों ने 5 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि का लाभ अर्जित किया है। प्रथम स्थान पर भारतीय स्टेट बैंक है, जिसने 67,085 करोड़ रुपए का लाभ अर्जित किया है। इसके बाद ओएनजीसी ने 49,221 करोड़ रुपए, आईओसी ने 41,730 करोड़ रुपए, भारतीय जीवन बीमा निगम ने 40,916 करोड़ रुपए, भारतीय कोयला निगम ने 37,402 करोड़ रुपए, बीपीसीएल ने 26,859 करोड़ रुपए, एनटीपीसी ने 20,812 करोड़ रुपए, बैंक आफ बड़ोदा ने 18,767 करोड़ रुपए, हिन्दुस्तान पेट्रोलीयम ने 16,015 करोड़ रुपए एवं पावर फाइनैन्स करपोरेशन ने 15,889 करोड़ रुपए की राशि का लाभ अर्जित किया है। इसके अतिरिक्त, पावर ग्रिड, कनारा बैंक, आरईसी लिमिटेड एवं यूनियन बैंक, ने 10,000 करोड़ रुपए से अधिक की राशि का लाभ अर्जित किया है। साथ ही, गैस अथॉरिटी इंडिया लिमिटेड, पंजाब नेशनल बैंक, इंडीयन बैंक, जैसे केंद्र सरकार के 42 अन्य उपक्रमों ने भी भारी भरकम राशि का लाभ अर्जित किया है। केंद्र सरकार के उपक्रमों के साथ ही भारतीय रिजर्व बैंक, जो भारत में एक स्वायत्त संस्था के रूप में

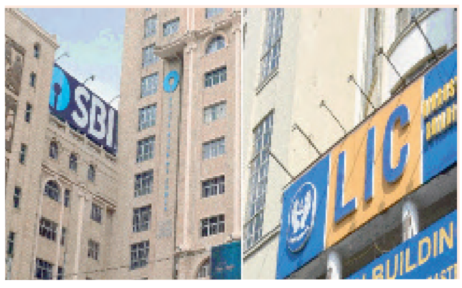

कार्य करता है एवं इस पर केंद्र सरकार का नियंत्रण लगभग नहीं के बराबर रहता है, ने भी पूरे विश्व के कई बड़े केंद्रीय बैंकों के बीच सबसे अधिक राशि का लाभ अर्जित किया है। अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व को वर्ष 2024 में 7,700 करोड़ अमेरिकी डॉलर का नुकसान उठाना पड़ा है, इसी प्रकार ब्रिटेन के केंद्रीय बैंक, बैंक आफ इंग्लैंड को 4,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का नुक्सान हुआ है तथा यूरोपीयन यूनियन के केंद्रीय बैंक, ईसीबी को 900 करोड़ अमेरिकी डॉलर का नुक्सान हुआ है। वहीं, इन केंद्रीय बैंकों की तुलना में भारतीय रिजर्व बैंक को वित्तीय वर्ष 2024-25 में 3,100 करोड़ अमेरिकी डॉलर का लाभ हुआ है। जिसके चलते भारतीय रिजर्व बैंक ने केंद्र सरकार को इस वर्ष 2.70 लाख करोड़ रुपए की राशि का लाभांश अदा करने की घोषणा की है। विभिन्न केंद्र सरकार के उपक्रमों ने भी इस वर्ष केंद्र सरकार को भारी भरकम राशि का लाभांश अदा किया है। भारतीय रिजर्व बैंक एवं केंद्र सरकार के उपक्रमों से प्राप्त होने वाली कुल लाभांश की राशि वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए बजट में किए गए प्रावधान की राशि से कहीं अधिक है। इसी प्रकार, केंद्र सरकार को प्रत्येक माह प्राप्त होने वाली वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की राशि भी अब मासिक औसत के रूप से 2 लाख करोड़ रुपए के आंकड़े को पार कर गई है। अप्रेल 2025 माह में तो केंद्र सरकार को रिकार्ड 2.36 लाख करोड़ रुपए की राशि का राजस्व वस्तु एवं सेवा कर की मद से प्राप्त हुआ था। इसी प्रकार, मई 2025 में 2.01 लाख करोड़ रुपए की राशि का राजस्व जीएसटी मद से प्राप्त हुआ है। देश में प्रत्यक्ष कर (आय कर एवं कारपोरेट कर सहित) के रूप में प्राप्त राशि अप्रत्यक्ष कर के रूप में प्राप्त राशि से कहीं अधिक रही है। देश के आम नागरिकों के हित में यह बहुत अच्छा कार्य हुआ है क्योंकि प्रत्यक्ष कर उन नागरिकों से प्राप्त किया जाता है जो इस कर को अदा कर सकने की क्षमता एवं योग्यता रखते हैं अर्थात उनकी आय कर देने योग्य आय के स्तर से ऊपर रहती है जबकि अप्रत्यक्ष कर समाज के प्रत्येक वर्ग पर सामान्य रूप से एक जैसा लगाया जाता है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में 22.26 लाख करोड़ रुपए की राशि प्रत्यक्ष कर के रूप में केंद्र सरकार को प्राप्त हुई थी जो वित्तीय वर्ष 2023-24 में प्राप्त 19.60 लाख करोड़ रुपए की राशि से 13.57 प्रतिशत अधिक है। वहीं वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए अप्रत्यक्ष कर (जिसमें वस्तु एवं सेवा कर, केंद्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमा शुल्क शामिल हैं) के रूप में प्राप्त राशि का लक्ष्य 16.33 लाख करोड़ रुपए का निर्धारित किया गया था। अप्रत्यक्ष कर की मद की तुलना में प्रत्यक्ष कर की मद से अधिक कर राशि का संग्रहण होना यह भी दर्शाता है कि भारत में नागरिकों की कर देने योग्य आय में वृद्धि दर अधिक है एवं आय कर अदा करने वाले नागरिकों की संख्या में भी अतुलनीय सुधार हो रहा है। अर्थात, देश में उच्च आय अर्जित करने वाले नागरिकों एवं मध्यमवर्गीय नागरिकों की संख्या तेजी से बढ़ रही है तथा गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिक अब तेज गति से मध्यमवर्गीय नागरिकों की श्रेणी में परिवर्तित हो रहे हैं। यदि भारत के नागरिक लगातार इसी प्रकार की आर्थिक तरक्की करते रहे तो केंद्र सरकार एवं विभिन्न राज्य सरकारों के लिए देश में पूंजीगत खर्चों में वृद्धि करने एवं समाज के लिए कल्याणकारी योजनाओं को चलाये रखने में किसी भी प्रकार की समस्या खड़ी नहीं होगी। किसी भी देश के लिए कल्याणकारी योजनाओं को चलायमान बनाए रखने के लिए वित्त की अनुपलब्धता ही मुख्य समस्या के रूप में सामने आती है। परंतु, देश के नागरिक जो गरीबी रेखा से ऊपर उठकर मध्यमवर्गीय अथवा उच्चवर्गीय परिवारों की श्रेणी में शामिल हो रहे हैं, वे यदि केंद्र एवं राज्य सरकारों की वित्त व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं तो भारत के लिए आर्थिक विकास की दर को दहाई के आंकड़े तक ले जाने में कोई बहुत अधिक समय नहीं लगने वाला है। केंद्र सरकार, विभिन्न राज्य सरकारों एवं निजी क्षेत्र द्वारा देश में गरीब वर्ग के लिए कल्याणकारी योजनाओं को चलाने के साथ ही यदि पूंजीगत खर्चों में भी वृद्धि की जाती है तो देश के नागरिकों के लिए रोजगार के पर्याप्त अवसर निर्मित होते हैं एवं इससे देश के नागरिक देश की आर्थिक तरक्की में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर पाते हैं। भारत में भी इसी प्रकार की व्यवस्था खड़ी होती हुई दिखाई दे रही है, जिसका डंका पूरे विश्व में बज रहा है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 में केंद्र सरकार के विभिन्न उपक्रमों ने 5 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि का लाभ अर्जित किया है। केंद्र सरकार के उपक्रमों में यह आमूलचूल परिवर्तन केंद्र में ईमानदार सरकार एवं केंद्र सरकार द्वारा निगमित अभिशासन से सम्बंधित नियमों का कड़ाई से अनुपालन कराए जाने के चलते ही सम्भव हो सका है। पूर्व में इन उपक्रमों में पनप रहे भ्रष्टाचार के चलते इन उपक्रमों की लाभप्रदता पर विपरीत प्रभाव पड़ता था परंतु अब उच्च स्तर पर भ्रष्टाचार पर लगभग पूर्णत: अंकुश लगाया जा चुका है। साथ ही, केंद्र सरकार के इन उपक्रमों को नेतृत्व प्रदान कर रहे अधिकारियों पर भी बहुत कुछ निर्भर करता रहा है। केंद्र सरकार के इन उपक्रमों में आज का नेतृत्व कुशल, ईमानदार एवं देश प्रथम की नीति पर चलने के साथ ही देश के प्रति सम्मान का भाव रखने वाला है। वित्तीय वर्ष 2024 में केंद्र सरकार के विभिन्न उपक्रमों ने 5 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि का लाभ अर्जित किया है।

देश दुनिया से

रक्तदान को जन आंदोलन बनाने की जरूरत

यह विडंबना ही है कि आज दुनियाभर के निम्न और मध्यम आय वाले देशों में, रक्त की उपलब्धता में एक गंभीर और चिंताजनक असमानता बनी हुई है। गौरतलब है कि रक्त किसी कारखाने में नहीं बनता, बल्कि यह केवल एक स्वस्थ मानव शरीर में ही पैदा होता है। ऐसे में, केवल स्वस्थ व्यक्तियों द्वारा किए जाने वाले रक्तदान से ही रक्त की कमी को पूरा किया जा सकता है। बता दें कि यदि रक्त की कमी को दूर कर लिया जाए तो प्रत्येक वर्ष जो 12000 भारतीय समय पर रक्त नहीं मिलने के कारण मर जाते हैं, उनकी जान बचाई जा सकती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने महान वैज्ञानिक और चिकित्सक कार्ल लैंडस्टाइन के जन्मदिन 14 जून को 'विश्व रक्तदाता दिवस' के रूप में मनाए जाने की शुरुआत 1997 में की थी। कार्ल लैंडस्टाइन ने मानव रक्त में उपस्थित एग्ल्युटिनिन की मौजूदगी के आधार पर रक्तकणों का 'ए', 'बी' और 'ओ' समूहों में वर्गीकरण कर चिकित्सा विज्ञान में महत्वपूर्ण योगदान दिया था। इस महत्वपूर्ण खोज के लिए उनको सन् 1930 में शरीर विज्ञान में नोबेल पुरस्कार प्रदान किया गया था। विश्व रक्तदाता दिवस को लेकर डब्ल्यूएचओ का लक्ष्य दुनियाभर में सौ प्रतिशत स्वैच्छिक रक्तदान कार्यक्रम को सफल बनाना था। इसीलिए उसने इस कार्यक्रम में दुनिया के 124 प्रमुख देशों को शामिल कर उनसे स्वैच्छिक रक्तदान को बढ़ावा देने की अपील की थी। तब इस कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य लोगों को रक्तदान करने के लिए प्रोत्साहित करना तथा रक्तदान से जुड़ी दुनियाभर में व्याप्त भ्रांतियों को दूर करना था। विश्व रक्तदाता दिवस का वास्तविक उद्देश्य जरूरतमंद लोगों तक रक्त उपलब्ध कराना ही रहा है, ताकि रक्त के अभाव में किसी व्यक्ति की जान न जाए। साथ ही रक्त की आवश्यकता पड़ने पर किसी को रक्त खरीदने की नौबत न आए। विडंबना है कि कई देशों में आज भी रक्त की खरीद-बिक्री का बाजार गर्म पाया जाता है। दुर्भाग्य से, इस सूची में भारत का नाम भी शामिल है,

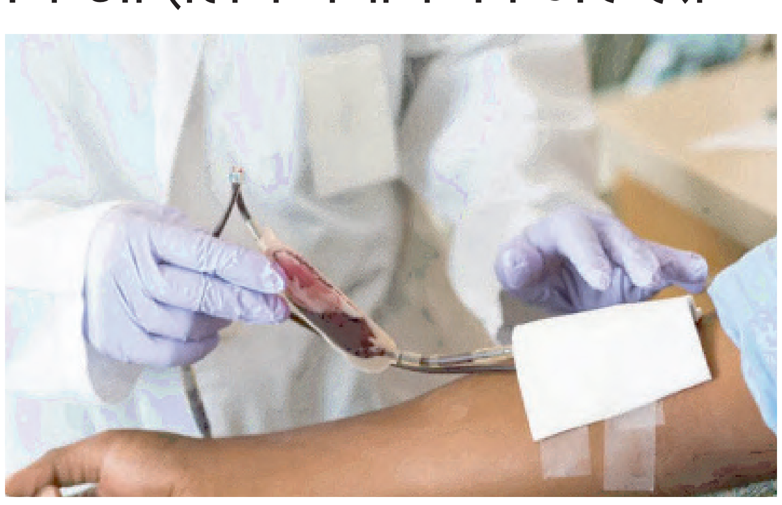

जबकि ब्राजील, ऑस्ट्रेलिया आदि देशों में लोग बिना पैसे लिए स्वैच्छिक रक्तदान करते हैं। हालांकि, तमाम विसंगतियों के बावजूद, रक्तदान को लेकर विभिन्न संस्थाओं एवं व्यक्तियों द्वारा विभिन्न स्तरों पर उठाए गए कदमों के कारण भारत में स्वैच्छिक रक्तदान को काफी बढ़ावा मिला है। चिकित्सकों का स्पष्ट मत है कि 18 वर्ष से अधिक एवं 65 वर्ष से कम उम्र का कोई भी स्वस्थ व्यक्ति रक्तदान कर सकता है। रक्तदान करने वाले व्यक्ति का वजन 45 किलोग्राम से अधिक होना चाहिए। एचआईवी से संक्रमित व्यक्ति को भूल से भी रक्तदान नहीं करना चाहिए। इसके अलावा, यदि किसी व्यक्ति को पूर्व में हेपेटाइटिस-बी या हेपेटाइटिस-सी जैसे रोग हुए हों, तो उसे भी रक्तदान नहीं करना चाहिए। रक्तदान करने से पहले व्यक्ति को प्रोटीनयुक्त आहार लेना चाहिए। साथ ही, शरीर में आयरन की मात्रा भरपूर रखने के लिए रक्तदाता को आयरनयुक्त वस्तुओं यथा किशमिश, पालक आदि का सेवन करना चाहिए। एक बार के रक्तदान में रक्त की पूर्ति शरीर चौबीस घण्टे के भीतर स्वयं ही कर लेता है, जबकि रक्त की गुणवत्ता की पूर्ति रक्तदान के 21 दिनों के भीतर हो जाती है। जो व्यक्ति नियमित रक्तदान करते हैं, उन्हें हृदय सम्बन्धी बीमारियां कम सताती हैं। वहीं, मानव रक्त की संरचना ऐसी होती है कि उसमें मौजूद रहने वाली लाल रक्त कोशिकाएं प्रत्येक तीन महीने में स्वयं ही मर जाती हैं। तात्पर्य यह कि प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति के लिए तीन महीने में एक बार रक्तदान करना लाभप्रद होता है। भारत में आज भी रक्त की कमी एक गंभीर चुनौती बनी हुई है, जो लाखों जिंदगियों के लिए खतरा साबित होने लगी है। आंकड़ों के अनुसार, देश में सालाना लगभग 1.3 करोड़ यूनिट रक्त की आवश्यकता होती है। इसके बावजूद, प्रत्येक वर्ष देशवासियों को लगभग 19 लाख यूनिट रक्त की कमी का सामना करना पड़ता है। तात्पर्य यह कि देश के लिए जरूरी रक्त का लगभग 15 प्रतिशत हिस्सा अनुपलब्ध रहता है। यह कमी तब अधिक गंभीर हो जाती है, जब एनीमिया जैसी स्वास्थ्य समस्याएं देश की बड़ी आबादी, विशेषकर महिलाओं और बच्चों को बुरी तरह प्रभावित करती हैं। हालांकि, विडंबना यह भी है कि इस गंभीर कमी के बावजूद, रख-रखाव की कमी, अपर्याप्त भंडारण सुविधाओं और लॉजिस्टिक्स संबंधी चुनौतियों के कारण दान किए गए रक्त का एक बड़ा हिस्सा बर्बाद हो जाता है।

कुछ अलग

लू हवाले शहर

आजकल गर्मी से तपते उत्तर भारत के ज्यादातर शहरों के लिए यह एक बुरा अनुमान है कि इनमें से अनेक शहरों में लू चलने के दिन दोगुने हो जाएंगे। मात्र पांच वर्ष के समय में न केवल लू के दिन बढ़ जाएंगे, बल्कि बारिश भी अनियमित हो जाएगी। जो लोग अभी तक बढ़ती गर्मी या बिगड़ते जलवायु के प्रति सचेत नहीं हैं, उन्हें यह जरूर जान लेना चाहिए कि साल 2030 तक दिल्ली, पटना, मुंबई, चेन्नई, सूरत, ठाणे, हैदराबाद और भुवनेश्वर जैसे बड़े शहरों में लू के दिन दोगुने हो जाएंगे। आईपीई ग्लोबल और एसरी इंडिया द्वारा किया गया यह अध्ययन हमारे लिए बड़ी चिंता का विषय होना चाहिए। अभी भी हम गर्मी या गर्मी के दिनों पर अंकुश लगाने के लिए ईमानदारी से प्रयास नहीं कर रहे हैं। शहरों में पेड़ों की बेरहम कटाई और जलस्रोतों-जलाशयों की घोर उपेक्षा का क्रम जारी है। हमारे शहर अपनी पवित्र नदियों को भी बचाने में नाकाम हो रहे हैं। गौर करने की बात है कि गर्मी की समस्या एकतरफा नहीं है। इसका एक परिणाम यह होगा कि देश के दस में से आठ जिलों में जरूरत से ज्यादा बारिश दर्ज की जा सकती है। मतलब, न केवल गर्मी का कहर बढ़ेगा, अत्यधिक बारिश भी वार करेगी। यह याद रखने की जरूरत है कि साल 1993 से 2024 के बीच भारत में लू के दिन 15 गुना बढ़े हैं, अतः आगामी पांच वर्ष में अगर लू के दिन दोगुने हो जाएं, तो आश्चर्य नहीं। विगत तीन दशक में पर्यावरण के बिगड़ने की रफ्तार तेज रही है और इससे केवल भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया पर असर पड़ा है। हमें सावधान हो जाना चाहिए कि गर्मी के चलते ग्रीनलैंड की बर्फ औसत से 17 गुना अधिक तेजी से पिघली है। हमें यह भी समझना चाहिए कि जलवायु में परिवर्तन कोई भविष्य की समस्या नहीं है, यह आज की समस्या है और इसने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है। ग्रीनहाउस गैसों के बढ़ते उत्सर्जन से जलवायु में होने वाले बदलाव व्यापक प्रभाव डाल रहे हैं। खबरें बार-बार बता रही हैं कि ग्लेशियर और बर्फ की चादरें सिकुड़ रही हैं। ठंडे देशों में नदी और झील की बर्फ समय से पहले ही पिघल जा रही है। प्राकृतिक स्थिरता खो गई है। अब पौधों और जानवरों की भौगोलिक सीमाएं भी बदलने लगी हैं। पौधों और पेड़ों को भी जल्दी मची है। फूल-फल भी जल्दी खिलने-पकने लगे हैं। विश्व स्तर पर यह ज्यादा चिंता की बात है कि समुद्री बर्फ में कमी आ रही है, जिससे समुद्री जल स्तर में तेज वृद्धि हो रही है। इससे अनेक द्वीपों के डूबने का खतरा बढ़ा है। इसी अनुपात में लू या गर्म दिनों में भी वृद्धि हो रही है। मतलब, विश्व स्तर पर जलवायु बचाव के बड़े उपाय आजमाने की जरूरत है। देश और दुनिया के जिम्मेदार लोग और संस्थाएं भले ही मुंह चुराएं, मगर वैज्ञानिक प्रमाण बिल्कुल स्पष्ट हैं। जलवायु परिवर्तन पूरे जीव-जगत के कल्याण और हमारे ग्रह के स्वास्थ्य के लिए बड़ा खतरा है। हमें कतई इंतजार नहीं करना चाहिए कि आपदाएं हमारे द्वार पर आ खड़ी हों, तभी हम जागेंगे। बेशक, भारत सीएफएल बल्ब और हरित वाहनों के मामले में बहुतआगे निकल चुका है, पर पर्यावरण के बचाव के लिए अभी बहुत कुछ करने की जरूरत है।

आप का नजरिया

बेवफाई के सनम

पिछले एक पखवाड़े में इंदौर से विवाह के तुरंत बाद मेघालय हनीमून पर गए राजा रघुवंशी और उनकी पत्नी सोनम के अचानक लापता होने की गुत्थी ने पूरे देश का ध्यान खींचा। हालांकि, 23 मई को लापता होने के बाद राजा का शव दो जून को बरामद हो गया था, लेकिन सोनम के लापता होने की घटना निरंतर देशवासियों को परेशान करती रही। यहां तक कि मेघालय के लोगों के शेष भारत के लोगों के साथ कथित आक्रामक व्यवहार के नाम पर मेघालय के खिलाफ सोशल मीडिया पर अतिरंजित टिप्पणियां तक की जाती रहीं। लेकिन मेघालय पुलिस की गहन छानबीन के बाद इंदौर के तीन लोगों की गिरफ्तारी के बाद सोनम का उत्तर प्रदेश के गाजीपुर पुलिस के समक्ष समर्पण करना, इस पूरे कांड की कहानी ही बदल देता है। सवाल उठे कि मेघालय के जिस ईस्ट खासी हिल्स जिले में राजा का शव मिला वहां से एक हजार किलोमीटर से अधिक दूरी पर उ.प्र. के गाजीपुर सोनम कैसे पहुंची। अब इस रहस्यमय मामले पर से मेघालय, उत्तर प्रदेश व मध्यप्रदेश की पुलिस पर्दा उठाने की कोशिश में है। इंदौर के राजा दंपति का हनीमून मनाने मेघालय जाना, फिर दोनों का गायब होना, राजा का शव बरामद होना तथा सोनम के लापता होने का घटनाक्रम किसी फिल्मी कहानी की तरह आगे बढ़ता रहा। अब सोनम के परिजन उसे बेगुनाह बताने की कोशिश में हैं तो राजा का परिवार दोषियों को सजा देने की मांग कर रहा है। लेकिन सारे मामले में सोनम की भूमिका, उसके पिता की फर्म के कर्मचारी की गिरफ्तारी तथा सोनम की रहस्यपूर्ण ढंग से गाजीपुर पहुंचने की कहानी कई संदिग्ध सवालों को जन्म दे रही है। लोगों के दिमाग में सवाल हैं कि दोनों परिवारों की सहमति से 11 मई को हुई शादी का यह दुखांत क्यों? हालांकि, राजा की हत्या बहुत ही सुनियोजित तरीके से की गई, लेकिन गाइड द्वारा राजा-सोनम के साथ तीन अन्य लोगों की उपस्थिति की बात ने मेघालय पुलिस को हत्या के तार जोड़ने में मदद की। दरअसल, शिलांग पुलिस ने बताया था कि इंदौर के एक व्यक्ति की हत्या में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिसमें हनीमून के दौरान हत्या की साजिश रचने वाली उसकी पत्नी भी शामिल है। अब तक रहस्यमय तरीके से लापता बहू के मिलने की प्रतीक्षा कर रहे राजा के परिवार को हकीकत जानकर सदमा लगा है। मेघालय पुलिस के दावे के बाद उन्होंने सोनम की तसवीरें जलाकर गुस्सा जाहिर किया है। सार्वजनिक विमर्श में ये सवाल उठाये जा रहे हैं कि जब दोनों परिवारों की सहमति से विवाह हुआ तो यह दुखांत क्यों? हाल के दिनों में मेरठ व देश के अन्य भागों में प्रेमी से मिलकर पति की हत्या करने के कई मामलों ने विवाह संस्था पर मंडराते संकट पर चिंता बढ़ाई है। सवाल उठा है कि परिवार की सहमति से धूमधाम से विवाह रचाने वाली सोनम ने आखिर ऐसा घातक कदम क्यों उठाया? जैसा कि बताया जा रहा है कि उसने अपने पुराने प्रेम संबंधों के लिये राजा को अपनी राह से हटाया।

दृष्टि कोण

सुंदर सपनों का असमय टूट जाना

भारत के छोटे-छोटे गांवों और कस्बों के छोटे-छोटे लोगों की उम्मीदों, सपनों और दुश्वारियों की किताबें खुल रही हैं। ड्राइंग रूमों से लेकर सड़क किनारे पड़ी मचिया (मंजी) के पास रखे टीवी सेट पर उम्मीदों की टकटकी लगाए करोड़ों लोग इसमें शामिल हैं। ऐसे में कुछ दुखभरी खबरें सुनाई पड़ती हैं, तो मन खिन्न हो जाता है। ऐसा ही कुछ अहमदाबाद में हुई विमान-दुर्घटना के बाद सुनाई पड़ रहा है। इस हादसे में बचे एकमात्र यात्री विश्वास कुमार रमेश की कहानी भी अकल्पनीय है। वे कैसे बचे, वे खुद नहीं जानते। रमेश के भाई ने बताया कि दुर्घटना के कुछ समय फोन कॉल में रमेश ने अपने परिवार से कहा, मुझे नहीं पता कि मैं कैसे जीवित हूं। दूसरी तरफ इस दुर्घटना ने तमाम सपनों को तोड़ा और घर-परिवारों में विषाद की गहरी लकीर खींच दी। ऐसी तमाम कहानियां अहमदाबाद में हुई विमान दुर्घटना के साथ खत्म हो गईं। इनमें राहत और बचाव से जुड़ी सकारात्मक कहानियां भी शामिल हैं। सेवानिवृत्ति से कुछ महीने दूर एक पायलट, ग्यारह वर्ष से अधिक अनुभव वाली एक फ्लाइट अटेंडेंट, केबिन क्रू में शामिल दो मणिपुरी लड़कियों की कहानी और पनवेल की एक युवा फ्लाइट अटेंडेंट जो अपने गांव की असंख्य युवा लड़कियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गई थी। वे उन 12 सदस्यीय चालक दल में शामिल थे, जो एयर इंडिया के इस ड्रीमलाइनर के साथ काल-कवलित हो गए। गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी की भी अहमदाबाद विमान हादसे में मौत हो गई। वे अपनी पत्नी अंजलि और बेटी से मिलने जा रहे थे। 60 वर्षीय कैप्टन सुमीत सभरवाल, विमान में सवार सबसे वरिष्ठ चालक दल के सदस्य थे। लंबे समय से पायलट रहे सभरवाल अपने 90 वर्षीय पिता के साथ पवई के जलवायु विहार में रह रहे थे। पड़ोसियों के अनुसार, वह रिटायर होने से बस कुछ ही महीने दूर थे और

उन्होंने अपने बूढ़े पिता के साथ घर पर अधिक समय बिताने की योजना बनाई थी। जलवायु विहार के एक पड़ोसी ने बताया, वे बहुत ही रिज़र्व रहने वाले और अनुशासित व्यक्ति थे। हम अक्सर उन्हें वर्दी में आते-जाते देखते थे। उनकी मौत से न केवल उनके परिवार बल्कि पवई के आवासीय समुदाय को भी सदमा लगा है, जहां वे कई सालों से रह रहे थे। महाराष्ट्र के बदलापुर के दीपक पाठक विमान के फ्लाइट असिस्टेंट थे। ग्यारह साल से भी ज़्यादा समय से एयरलाइन के समर्पित कर्मचारी दीपक किसी भी उड़ान से पहले घर पर फ़ोन करना नहीं भूलते थे। उन्होंने गुरुवार को भी ऐसा ही किया। इस त्रासदी ने पाठक परिवार के साथ-साथ बदलापुर के बड़े समुदाय को भी बहुत दुखी कर दिया, जो उन्हें एक सज्जन व्यक्ति के रूप में जानते थे। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर किसी ने एक सेल्फी प्रकाशित की है, जिसे करीब पौने दो करोड़ बार देखा गया है। इसमें एक युवा दंपति और उनके तीन छोटे बच्चों की मुस्कुराती तस्वीर है। यह तस्वीर राजस्थान के बांसवाड़ा के प्रतीक जोशी के परिवार की है, जो छह साल से लंदन में रह रहे थे। सॉफ्टवेयर इंजीनियर प्रतीक, लंबे समय से अपनी पत्नी और तीन छोटे बच्चों के लिए विदेश में जीवन बनाने का सपना देख रहे थे, जो भारत में ही रहते थे। कई साल तक की औपचारिकताओं के बाद आखिरकार उनका सपना सच होने जा रहा था। दुर्घटना के दो दिन पहले, उनकी पत्नी, डॉ. कोमी व्यास ने, जो उदयपुर की चिकित्सक थीं, अपनी नौकरी से इस्तीफा दे दिया। बैग-पैक के साथ पांच लोगों का यह परिवार एक नए भविष्य को संजोए लंदन जाने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट 171 में सवार हुआ। उन्होंने एक सेल्फी क्लिक की। इसे रिश्तेदारों को भेजा। यही सेल्फी सोशल मीडिया में अब वायरल है। एक नई ज़िंदगी की वह यात्रा पूरी नहीं हो पाई। कुछ ही पलों में, जीवनभर के सपने राख में बदल गए। मणिपुर के थौबल शहर की 21 वर्षीय नगनथोई शर्मा कोंगब्राइलात्पम 12 जून को अहमदाबाद में एयर इंडिया के दुर्घटनाग्रस्त विमान में केबिन क्रू की सदस्य थी। मणिपुर की एक और लड़की 28 वर्षीय लामनुनथेम सिंगसन भी उस फ्लाइट के केबिन क्रू में शामिल थी। सिंगसन का परिवार मई, 2023 में जातीय हिंसा भड़कने के बाद इंफाल से विस्थापित होने के बाद कुकी बहुल कांगपोकपी जिले में रह रहा है।

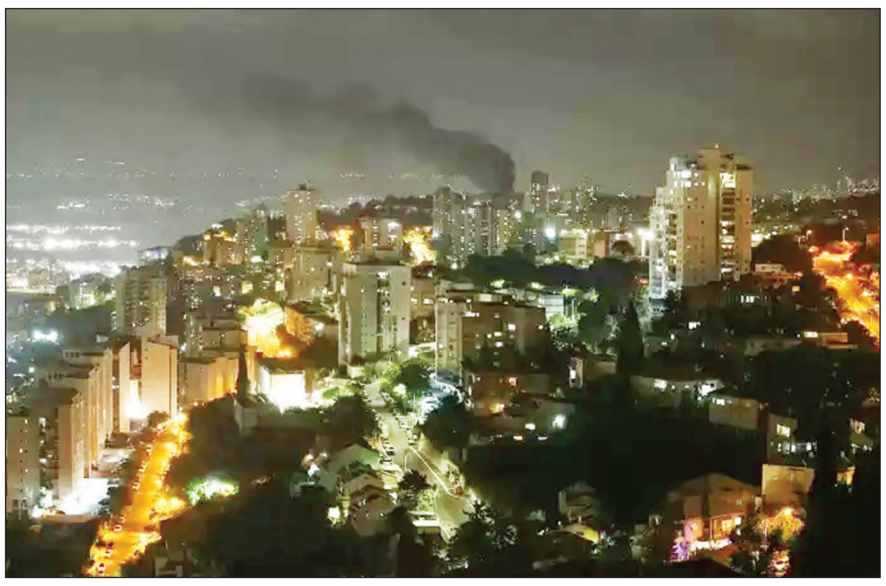

ईरान ने सूरज निकलने से पहले इजराइल पर मिसाइलों की बौछार की, हाइफा बिजली संयंत्र आग की लपटों में घिरा

तेहरान (ईरान), 16 जून (एजेंसियां)। प्रतिशोध की आग में जल रहे ईरान ने आज सूरज निकलने से पहले इजराइल पर मिसाइलों की बौछार कर दी। इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड कॉर्प्स की यह बैलिस्टिक मिसाइलें इजराइल के तेल अवीव और हाइफा में लक्ष्यों पर गिरीं। इससे पहले रात को भी ईरान ने मिसाइलों से हमला किया। ईरान 13 जून को हुए इजराइली हवाई हमले में अपने सैन्य अधिकारियों और परमाणु वैज्ञानिकों की मौत से बौखलाया हुआ है।

ईरान की न्यूज एजेंसी तस्नीम, सरकारी एजेंसी इरना और तेहरान टाइम्स अखबार की खबरों में ईरान के इजराइल के खिलाफ हवाई हमले की जानकारी दी गई है। खबरों के अनुसार, ईरान ने ताजा हमले में तेल अवीव, हाइफा, बेन गुरियन हवाई अड्डे और नेवातिम एयरबेसल गोलान हाइट्स में लक्ष्यों को निशाना बनाया। ईरान ने पिछले तीन दिनों में कई इजराइली सैन्य इमारतें जमींदोज कर दी हैं। ईरानी सशस्त्र बलों ने सोमवार सुबह फिलिस्तीन के कब्जे वाले इजराइली क्षेत्रों में ड्रोन और मिसाइलों की बौछार की है। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर ने घोषणा की कि इस बार दुश्मन की रक्षा प्रणालियों को निशाना बनाया गया। ईरानी मिसाइलों ने हाइफा बिजली संयंत्र को नुकसान पहुंचाया है।

खबरों के अनुसार, इजराइली आर्मी रेडियो ने आधिकारिक तौर पर स्वीकार किया कि इजराइली वायुरक्षा कम से कम 10 ईरानी बैलिस्टिक मिसाइलों को रोकने में असमर्थ रही। ईरानी ड्रोन हमले के बाद कब्जे वाले क्षेत्रों के उत्तर में चेतावनी सायरन बजने शुरू हो गए। अल जजीरा की खबर के अनुसार, ईरानी मिसाइल हमलों की आठवीं लहर इजराइल के लिए विनाशकारी रही। स्थानीय मीडिया की खबरों के अनुसार, ऑनलाइन प्रसारित फुटेज में हाइफा बिजली संयंत्र आग की लपटों में घिरा रहा। इसके बाद व्यापक बिजली कटौती की सूचना मिली। कई वीडियो में शवों को निकालने के लिए बड़ी संख्या में एम्बुलेंस को इकट्ठा होते हुए दिखाया गया। इससे पहले आधीरात को ईरान ने नेगेव रेगिस्तान और किर्यत गत के साथ-साथ हाइफा के अन्य क्षेत्रों में रणनीतिक स्थलों को निशाना बनाया। नेगेव रेगिस्तान में डिमोना परमाणु परिसर और गुप्त मिसाइलों का तैनाती स्थल हैं। किरयात गाट इजरायल के सैन्य प्रौद्योगिकी क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण अर्धचालक विनिर्माण केंद्र है। पिछले दिनों, ईरान ने शासन की सबसे बड़ी तेल रिफाइनरी और कब्जे वाले क्षेत्रों में 150 से अधिक सैन्य और खुफिया साइटों पर हमला किया।

न्यूज ब्रीफ

भारतीय श्रद्धालु 6 वर्षों बाद नेपाल होते हुए कैलाश मानसरोवर की यात्रा पर जा सकेंगे

काठमांडू। भारत और चीन के बीच संबंधों में सुधार के साथ ही अब भारतीय नागरिकों को नेपाल के रास्ते तिब्बत के कैलाश मानसरोवर यात्रा की अनुमति दी गई है। चीन की सरकार ने भारतीय पर्यटकों के लिए कैलाश मानसरोवर की यात्रा की अनुमति दे दी है। इसके लिए नेपाली पर्यटन व्यवसायियों ने अपनी तरफ से पूरी तैयारी कर ली है। सन 2020 में कोरोना महामारी और उसके बाद भारत और चीन की सेना के बीच गलवान में हुई झड़प के बाद चीन ने भारतीय नागरिकों के लिए कैलाश मानसरोवर की यात्रा अनुमति को रद्द कर दिया था। दोनों देशों के बीच पिछले कुछ महीनो से कूटनीतिक और राजनीतिक संवाद होने के बाद स्थिति सामान्य हुई है। इसके बाद चीन की सरकार ने भारतीय पर्यटकों के लिए कैलाश मानसरोवर की यात्रा की अनुमति दे दी है। तिब्बत के ल्हासा में रहे नेपाली काउंसलर विभाग के मुताबिक मानसरोवर यात्रा की अनुमति के लिए अब पुलिस सर्विस सेंटर से पत्र आना बाकी है।बताया गया है कि अगले सोमवार से भारतीय नागरिकों के लिए कैलाश यात्रा की शुरुआत हो सकती है। नेपाल में कैलाश मानसरोवर की यात्रा करने वाले पर्यटन व्यवसायियों की संस्था एसोसिएशन आफ कैलाश टूर ऑपरेटर के अध्यक्ष विनोद नहर्की ने बताया कि नेपाल से इस वर्ष 20000 भारतीय नागरिकों को कैलाश मानसरोवर की यात्रा के लिए कोटा तय किया गया है।

ब्रिटिश उच्चायुक्त सारा कुक ने बांग्लादेश में बीएनपी नेताओं से मुलाकात की

ढाका। बांग्लादेश में आम चुनाव की तारीखों पर मचे घमासान के बीच आज ब्रिटिश उच्चायुक्त सारा कुक ने बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के प्रमुख नेताओं से मुलाकात की। लगभग एक घंटे तक चली यह मुलाकात बंद कमरे में हुई। खबर के अनुसार सारा कुक ने बीएनपी मुख्यालय गुलशन में पार्टी महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर से आगामी राष्ट्रीय चुनाव और देश के मौजूदा राजनीतिक हालात संबंधी विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। बीएनपी मीडिया सेल के सदस्य सैरुल कबीर खान ने बताया कि सुबह करीब साढ़े दस बजे बैठक शुरू हुई जो एक घंटे से अधिक समय तक चली। बैठक में बीएनपी स्थायी समिति के सदस्य डॉ. अब्दुल मोईन खान और आयोजन सचिव शमा ओबैद भी मौजूद रहे। खान और ओबैद पार्टी प्रमुख की विदेश मामलों की सलाहकार समिति के सदस्य हैं।

इजराइली हमले में मारे गए ईरान के तीन शीर्ष खुफिया अधिकारी, सर्वोच्च नेता खामेनेई को भूमिगत बंकर में ले जाया गया

तेहरान। इजराइल के मिसाइल हमले में रविवार को ईरान के तीन शीर्ष खुफिया अधिकारी मारे गए। इनके

नाम मोहम्मद काजमी, हसन मोहक्कक और मोहसेन बाकरी हैं। इस बीच ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई का कोई अता-पता नहीं है। समझा जा रहा है कि उन्हें ईरान के सबसे सुरक्षित भूमिगत बंकर में छुपा दिया गया है। इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड्स कोर से संबद्ध ईरान की सरकारी संवाद समिति तस्नीम न्यूज ने तीन शीर्ष खुफिया अधिकारियों के मारे जाने की पुष्टि की है। तस्नीम की खबर के अनुसार, 15 जून को हुए इजराइल के मिसाइल हमले में इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड्स कॉर्प्स इंटेलिजेंस ऑर्गनाइजेशन के प्रमुख जनरल मोहम्मद काजमी, उप प्रमुख जनरल हसन मोहक्कक और जनरल मोहसेन बाकरी शहीद हो गए।
इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड्स कॉर्प्स इंटेलिजेंस ऑर्गनाइजेशन ने बयान में तीनों अधिकारियों की मौत पर शोक जताया है। बयान में आरोप लगाया है कि इजराइल आवासीय क्षेत्रों को निशाना बना रहा है। आवासीय क्षेत्रों पर हमला आतंकवादी प्रवृत्ति है। इजराइली हमलों में 13 जून से अब तक सैन्य अधिकारियों, परमाणु वैज्ञानिकों और आम लोगों सहित दर्जनों ईरानियों की जान जा चुकी है। इस बीच, इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने कहा है कि उसके सुरक्षा बलों ने ईरान में हथियार बनाने वाले कई कारखानों को मिट्टी में मिला दिया। साथ ही ईरानी सेना के तीन आला अफसरों को मार गिराया। एक अन्य खबर में कहा गया है कि ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई को शुक्रवार को इजराइली हमलों के शुरू होने के कुछ घंटों बाद तेहरान के उत्तर-पूर्वी इलाके लवीजान में एक भूमिगत बंकर में ले जाया गया।

पेरिस एयर शो में दिखेगी भारत की ताकत, डीआरडीओ ने कहा

स्वदेशी रक्षा प्रणालियों का किया जाएगा प्रदर्शन

पेरिस, 16 जून (एजेंसियां)। पेरिस एयर शो 2025 में भारत की युद्ध क्षमता का प्रदर्शन किया जाएगा। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने कहा कि वैश्विक मंच पर एयरोस्पेस और रक्षा नवाचार में भारत की बढ़ती क्षमताओं को दिखाया जाएगा। एक्स पर पोस्ट में डीआरडीओ ने कहा कि भारत पेरिस एयर शो में भाग लेगा। इसमें अगली पीढ़ी के मानव रहित हवाई वाहन (यूएवी) और स्वदेशी रक्षा प्रणालियों सहित स्वदेशी तकनीक का प्रदर्शन किया जाएगा। यह वैश्विक मंच पर भारत की आत्मनिर्भरता, सहयोग और रणनीतिक क्षमता को दिखाएगा।

फ्रांस के ले बॉरगेट में 16 से 22 जून तक आयोजित होने वाले पेरिस एयर शो में भारत की युद्ध क्षमता को दिखाने के लिए डीआरडीओ ने पूरी तैयारी कर ली है। एक्स पर पोस्ट में डीआरडीओ ने एक वीडियो भी साझा किया। इसमें डीआरडीओ द्वारा शो में प्रदर्शित किए जाने वाले उपकरणों और प्रणालियों की झलक दिखाई गई है। वीडियो में डीआरडीओ ने अपनी बीवीआर श्रेणी की हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइल अस्त्र को दिखाया है। इसे लड़ाकू विमानों पर लगाने के लिए बनाया गया है।

डीआरडीओ ने बताया कि इस मिसाइल को सभी मौसमों में दिन और रात में उड़ान भरने की क्षमता के साथ अत्यधिक गतिशील सुपरसोनिक विमानों को नष्ट करने के लिए तैयार किया गया है। इसके अलावा वीडियो में लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलएसीई) एयर फ़ोर्स मार्क 2 को भी दिखाया गया। इसे तेजस के नाम से जाना जाता है। यह हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) द्वारा निर्मित एक स्वदेशी लड़ाकू विमान है। पेरिस एयर शो में डीआरडीओ हथियार लोकेटिंग रडार (डब्ल्यूएलआर) 'स्वाति' को भी प्रदर्शित करेगा। इसे सैन्य अभियानों में बाधा उत्पन्न करने वाली शत्रुतापूर्ण तोपों, मोर्टार और रॉकेट का पता लगाने के लिए बनाया गया है।

डीआरडीओ एयरबोर्न अर्ली वार्निंग एंड कंट्रोल सिस्टम (एईडब्लूएंडसी) को भी प्रदर्शित करेगा। यह दुश्मन के विमानों और यूएवी का पता लगाने और उन पर नजर रखने के लिए बना है। शो में डीआरडीओ द्वारा हेलिना (हेलीकाप्टर आधारित नाग) का भी प्रदर्शन किया जाएगा। जो एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर (एएलएच) पर स्थापित तीसरी पीढ़ी की फायर-एंड-फॉरगेट श्रेणी की एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल (एटीजीएम) प्रणाली है। वीडियो में डोर्नियर विमान के बारे में भी बताया गया है।

घुटनों पर आया बेबस पड़ोसी: भारत से बातचीत के लिए गिड़गिड़ाया पाकिस्तान, बिलावल बोले- युद्ध नहीं समाधान चाहिए

इस्लामाबाद, 16 जून (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान के बीच हालिया तनाव के बाद बदहाल होते पड़ोसी ने भारत के साथ बातचीत की पेशकश की है। जहां पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के प्रमुख बिलावल भुट्टो जरदारी ने भारत से एक बार फिर बातचीत शुरू करने की अपील की है। भुट्टो ने अपने ब्रसेल्स यात्रा के दौरान जर्मन ब्रॉडकास्टर डीडब्ल्यू उर्दू को दिए इंटरव्यू में कहा कि पाकिस्तान और भारत के बीच के सभी विवादित मुद्दे सिर्फ व्यापक बातचीत के जरिए ही सुलझ सकते हैं।इंटरव्यू के दौरान जहां एक तरफ पीपीपी प्रमुख बिलावल ने भारत के साथ बातचीत के लिए हाथ फैलाया। वहूं दूसरी ओर गीदड़भभकी भी दी। बिलावल ने कहा कि अगर भारत बातचीत की मेज पर नहीं आता तो इसका नुकसान उसी को होगा। बिलावल ने गीदड़भभकी देते हुए कहा कि अगर भारत ने पाकिस्तान की पानी की आपूर्ति रोकने की कोशिश की, तो इसे अस्तित्व के लिए खतरा माना जाएगा और ऐसे में युद्ध के अलावा कोई विकल्प नहीं बचेगा।पूर्व विदेश मंत्री ने कहा कि पाकिस्तान युद्ध नहीं चाहता, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा और पानी जैसे अहम मुद्दों पर कोई समझौता नहीं करेगा। साथ ही पीपीपी प्रमुख ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की कि वह भारत को बातचीत के लिए तैयार करे ताकि दक्षिण एशिया में स्थायी शांति लाई जा सके। इसमें कश्मीर मुद्दा, आतंकवाद और जल विवाद भी शामिल हैं।पाकिस्तान की गुहार के बावजूद मामले में भारत ने अपना रुख साफ कर दिया है। भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि पाकिस्तान से सिर्फ पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) की वापसी और आतंकवाद जैसे मुद्दों पर ही बातचीत संभव है। बता दें कि भारत और पाकिस्तान के बीच 2003 में 'कॉम्पोज़िट डायलॉग' की शुरुआत हुई थी, जिसमें सभी बड़े मुद्दे शामिल थे, लेकिन 2008 के मुंबई हमलों के बाद यह प्रक्रिया रुक गई थी।

एक और दुश्मन पर इजराइल ने बोल दिया हमला, डबल एक्शन से हिल गया मिडिल ईस्ट

तेहरान, 16 जून (एजेंसियां)। इजरायल ने एक तरफ ईरान के परमाणु कार्यक्रम को निशाना बनाने के लिए बड़े पैमाने पर हमले शुरू किए हैं, तो दूसरी तरफ उसने अपने एक और दुश्मन, यमन के हूती विद्रोहियों के सैन्य प्रमुख मोहम्मद अब्द अल-कारीम अल-घमारी पर सटीक हवाई हमला किया है। यह हमला शनिवार रात यमन की राजधानी सना में हुआ, जहां हूती नेताओं की एक गुप्त बैठक चल रही थी। इस डबल अटैक ने क्षेत्रीय तनाव को और गहरा कर दिया है। इजरायली सेना ने शनिवार रात सना के दक्षिणी हिस्से में एक घर पर हवाई हमला किया गया।

यह डबल अटैक ईरान और हूतियों पर एक साथ हमला मिडिल ईस्ट में तनाव को और बढ़ा रहा है। माना जा रहा है कि ईरान से तनाव के बीच संभव था कि हूती इजरायल पर हमला करें। इसी कारण इजरायल ने पहले अटैक कर दिया। हूतियों ने चेतावनी दी है कि वे इजरायल पर लंबी दूरी की मिसाइलों से हमले तेज करेंगे। दूसरी ओर, इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि ईरान इस क्षेत्रीय अस्थिरता का मुख्य कारण है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस घर में हूती विद्रोहियों के शीर्ष नेताओं की गुप्त बैठक चल रही थी, जिसमें सैन्य प्रमुख मोहम्मद अल-घमारी भी शामिल थे। इजरायली अधिकारियों का कहना है कि यह हमला अल-घमारी को निशाना बनाने के लिए किया गया था, जो हूतियों के मिसाइल कार्यक्रम का नेतृत्व करते हैं और ईरान के साथ उनके समन्वय में अहम भूमिका निभाते हैं। हमले के बाद हूती बलों ने इलाके को घेर लिया और वहां भारी सुरक्षा तैनात कर दी। स्थानीय लोगों ने बताया कि हमले वाली जगह पर कम से कम 10 जले हुए शव देखे गए।

एंबुलेंस भी घटनास्थल पर पहुंचीं। हालांकि, हूतियों ने अभी तक इस हमले या अल-घमारी की स्थिति पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस बैठक में हूतियों के शीर्ष नेता अब्दुल-मलिक अल-हूती और अन्य बड़े नेता भी मौजूद थे। इजरायल का यह कदम ऐसे समय में आया है, जब वह ईरान के परमाणु कार्यक्रम को नष्ट करने के लिए बड़े पैमाने पर सैन्य कार्रवाई कर रहा है। इजरायल ने अमेरिका से अपील की है कि वह ईरान के फोर्डो परमाणु केंद्र को निशाना बनाने में उसका साथ दे।

ईरान-इजराइल संघर्ष पर यूरोपीय संघ चिंतित

ईरान और इजराइल के बीच बढ़ते सैन्य टकराव को लेकर यूरोपीय संघ (ईयू) ने गहरी चिंता जताई है। इसी सिलसिले में यूरोपीय संघ की विदेश नीति प्रमुख काजा कैलास ने मंगलवार को ईयू के सभी विदेश मंत्रियों की एक आपातकालीन वीडियो कांफ्रेंस बैठक बुलाई है। ईरान-इजराइल संघर्ष पर यूरोपीय संघ चिंतित, मंगलवार को बुलाई विदेश मंत्रियों की आपात बैठक यूरोपीय संघ के प्रवक्ता ने रविवार को कहा कि मध्य पूर्व की वर्तमान स्थिति अत्यंत गंभीर है। इसी को ध्यान में रखते हुए उच्च प्रतिनिधि काजा कैलास ने मंगलवार को यूरोपीय संघ के विदेश मंत्रियों की वर्चुअल बैठक बुलाई है। प्रवक्ता के अनुसार, इस बैठक का मुख्य उद्देश्य ईरान और इजराइल के बीच चल रहे संघर्ष पर चर्चा, तेहरान और तेल अवीव के साथ कूटनीतिक संपर्क के प्रयासों का समन्वय तथा संभावित अगले कदमों की रणनीति तय करना है। यूरोपीय संघ लंबे समय से ईरान परमाणु समझौते (जेसीपीओए) का समर्थक रहा है और वह इस बात को लेकर चिंतित है कि मौजूदा टकराव कहीं पूरे क्षेत्र को युद्ध की आग में न झोंक दे।

अमेरिका में डेमोक्रेटिक नेता मेलिसा हॉर्टमैन का कथित हत्यारा हिरासत में

वाशिंगटन, 16 जून (एजेंसियां)।

संयुक्त राज्य अमेरिका के ऊपरी मध्य-पश्चिमी क्षेत्र में स्थित मिनेसोटा राज्य में डेमोक्रेटिक राज्य प्रतिनिधि मेलिसा हॉर्टमैन की हत्या के आरोपित संदिग्ध वेंस बोल्टर को कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने हिरासत में ले लिया। वेंस की तलाश में कानून प्रवर्तन एजेंसियों को 48 घंटे अभियान चलाना पड़ा।

खबर के अनुसार, अधिकारियों ने बताया कि मिनेसोटा राज्य की विधायक मेलिसा हॉर्टमैन की हत्या और दूसरे को गोली मारने के संदिग्ध वेंस बोल्टर को हिरासत में ले लिया गया है। इसी के साथ दो दिन तक चला तलाशी अभियान समाप्त हो गया।

रैमसे काउंटी शेरिफ कार्यालय ने फेसबुक पर कहा कि पुलिस के अथक प्रयासों से हत्यारा अब हिरासत में है। उसने राज्य प्रतिनिधि मेलिसा हॉर्टमैन की गोली मारकर हत्या करने के बाद उनके पति पर भी हमला कर दिया। इससे पहले वह सीनेटर जॉन हॉफमैन को गोली मार चुका है। मिनेसोटा के अटॉर्नी जनरल कीथ एलिसन ने कहा कि संदिग्ध के पास से एक नोटबुक मिली है। इसमें उसने कई राजनेताओं के नाम लिखे हुए हैं। वह नोटबुक में दर्ज किए गए लोगों को निशाना बना रहा है। ऑनलाइन प्रसारित एक वीडियो में बोल्टर ने खुद को ग्रीन आइल, मिनेसोटा के पांच बच्चों के विवाहित पिता के रूप में पेश किया है।

ट्रंप ने ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई की हत्या की इजराइली योजना को खारिज किया

वॉशिंगटन, 16 जून (एजेंसियां)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या की इजराइल की योजना का विरोध किया है। राष्ट्रपति ट्रंप ने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से बातचीत में कहा कि यह विचार अच्छा नहीं है। ऐसा हरगिज नहीं होना चाहिए।

अमेरिका के न्यूज चैनल सीबीएस ने कहा कि यह जानकारी तीन अमेरिकी अधिकारियों ने रविवार को चैनल ने दी। खबर के अनुसार, इजराइल के पास खामेनेई की हत्या करने का अवसर था। ट्रंप ने प्रधानमंत्री नेतन्याहू से पिछले हफ्ते टेलीफोनिक वार्ता में कहा कि यह योजना ठीक नहीं।

अमेरिका के एनबीसी चैनल के अनुसार, ट्रंप ने कहा कि उन्हें इजराइल और ईरान के बीच समझौते की उम्मीद है। ट्रंप ने कहा कि वह विश्व नेताओं की बैठक के लिए कनाडा जा रहे हैं। उनकी कनाडा यात्रा में ईरान और इजराइल के बीच संघर्ष को रोकना खास एजेंडा रहेगा। कनाडा में जी-7 प्रमुख अर्थव्यवस्था के शिखर सम्मेलन के लिए व्हाइट हाउस छोड़ने से पहले ट्रंप ने संवाददाताओं से कहा, मुझे उम्मीद है कि कोई न कोई समझौता होगा। यह समझौते का सही समय है।

इराक में अमेरिकी नागरिकों पर संभावित हमले का खतरा, अमेरिकी दूतावासों ने जारी की चेतावनी

बगदाद। इराक में बढ़ते तनाव और ईरान-इजराइल संघर्ष के बीच अमेरिकी दूतावास ने बगदाद में अमेरिकी नागरिकों और प्रतिष्ठानों पर आतंकी हमले की आशंका जताते हुए सुरक्षा चेतावनी जारी की है। बगदाद स्थित अमेरिकी दूतावास ने रविवार को एक सुरक्षा अलर्ट जारी करते हुए कहा कि विदेशी आतंकवादी संगठनों द्वारा अमेरिकी नागरिकों, व्यवसायों और लोकप्रिय स्थलों को निशाना बनाए जाने की आशंका बढ़ गई है। इसलिए अमेरिकी नागरिक सतर्क रहें। साथ ही अमेरिकी नागरिकों को सलाह दी गई है कि वे भीड़-भाड़ वाले इलाकों से दूर रहें, विदेशी नागरिकों द्वारा अक्सर देखे जाने वाले स्थानों पर न जाएं, प्रदर्शनों एवं जमावड़ों से दूर रहे तथा स्थानीय अधिकारियों की सलाह का पालन करें। इसके अलावा, विदेश विभाग ने इराक के लिए लेवल-4 ट्रैवल एडवाइजरी को भी बरकरार रखा है, जिसका अर्थ है कि अमेरिकी नागरिकों को किसी भी स्थिति में इराक की यात्रा नहीं करनी चाहिए। यह चेतावनी ऐसे समय में आई है जब मध्य पूर्व में तनाव चरम पर है। ईरान-इजराइल संघर्ष के मद्देनजर इराक जैसे देशों में अमेरिकी प्रतिष्ठानों को आतंकी हमलों का खतरा और बढ़ गया है।

अमिताभ कांत ने जी-20 के शेरपा पद से दिया इस्तीफा

नई दिल्ली, 16 जून (एजेंसियां)।

अमिताभ कांत ने जी-20 शेरपा के पद से इस्तीफा दे दिया है। उनको भारत के जी-20 शेरपा के रूप में जुलाई, 2022 में नियुक्त किया गया था। अमिताभ कांत की नियुक्ति भारत की ओर से जी-20 की अध्यक्षता संभालने से कुछ महीने पहले की गई थी। उन्होंने 45 वर्ष की अपनी सरकारी सेवा के दौरान कई कार्यभार संभाले हैं।

अमिताभ कांत ने सोमवार को 'एक्स' पोस्ट पर लिखा है कि नए अवसरों को तलाशने और जीवन में एक नया अध्याय शुरू करने का फैसला किया है। अपने इस्तीफे के साथ उन्होंने भारत के जी-20 शेरपा के रूप में अपना इस्तीफा स्वीकार करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया है।

उन्होंने लिखा है कि प्रधानमंत्री ने मुझे कई विकासात्मक पहलों को आगे बढ़ाने और भारत की वृद्धि, विकास और प्रगति में योगदान करने का अवसर दिया।

उन्होंने आगे लिखा है कि मैं अपने सभी सहकर्मियों, साथियों और मित्रों का उनके धैर्य, समझ और समर्थन के लिए आभारी हूं। अब मैं मुक्त उद्यम, स्टार्टअप, थिंक टैंक और शैक्षणिक संस्थानों को सुविधा और समर्थन देकर विकसित भारत की ओर भारत की परिवर्तनकारी यात्रा में योगदान देने के लिए तत्पर हूं। इस अविश्वसनीय यात्रा का हिस्सा बनने के लिए आप सभी का धन्यवाद। मेरी लिंक्ड इन पोस्ट संलग्न है।

अमिताभ कांत ने अपने करियर के महत्वपूर्ण मील के पत्थरों पर प्रकाश डालते हुए 2023 में भारत की जी-20 प्रेसीडेंसी को याद किया। उन्होंने कहा, भारत ने अफ्रीकी संघ को जी-20 में सफलतापूर्वक शामिल किया, जिससे वैश्विक समानता और वैश्विक दक्षिण की आवाज़ के प्रति भारत की प्रतिबद्धता पूरी हुई। कांत ने सरकार की कुछ प्रमुख पहलों जैसे कि ईज ऑफ डूइंग बिज़नेस, मेक इन इंडिया और स्टार्टअप इंडिया को आगे बढ़ाया, जिससे देश को विश्व बैंक की रैंकिंग में 79 पायदान ऊपर चढ़ने में मदद मिली।

केरल कैडर के 1980 बैच के सेवानिवृत्त भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) नीति आयोग के पूर्व मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अमिताभ कांत ने तीन साल तक इस पद पर रहने के बाद जी-20 शेरपा के पद से इस्तीफा दे दिया है। कांत ने 45 साल तक सरकारी सेवाएं दी है।

न्यूज ब्रीफ

डीएलएफ की गुरुग्राम में 5,500 करोड़ रुपए के निवेश की योजना, रियल स्टेट कंपनी डीएलएफ बनाएगी महाराजा स्टाइल अपार्टमेंट

नई दिल्ली। भारतीय रियल एस्टेट बाजार में अपनी मजबूती दिखाने वाली प्रमुख रियल एस्टेट कंपनी डीएलएफ ने गुरुग्राम में एक लक्जरी आवास परियोजना डीएलएफ प्रिवाना नॉर्थ के लिए करीब 5,500 करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना बनाई है। जिससे कंपनी चालू वित्त वर्ष में उच्च मांग के आधार पर रिकॉर्ड बिक्री बुकिंग हासिल करना चाहती है। डीएलएफ की इस नई परियोजना में 1,150 से अधिक अपार्टमेंट होंगे, जिसकी अनुमानित लागत है करीब 5,500 करोड़ रुपये। यह गुरुग्राम में 18 एकड़ के क्षेत्र में स्थित होगी। इससे पहले भी कंपनी ने गुरुग्राम में डीएलएफ प्रिवाना वेस्ट और डीएलएफ प्रिवाना साउथ जैसी अन्य परियोजनाएं शुरू की हैं, जिन्हें कंपनी ने अच्छे नुकसानों के बावजूद सफलतापूर्वक बेच दिया है। डीएलएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि चालू वित्त वर्ष में कंपनी की बिक्री बुकिंग का लक्ष्य 20,000-22,000 करोड़ रुपये है, जो पिछले साल के मुख्य लक्ष्य के बराबर है। उन्होंने इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए मूल्य की अधिक मांग वाली आवासीय संपत्तियों के बेचने की योजना बताई है।

जम्मू-कश्मीर की चेरी हुई वैश्विक पहली अंतरराष्ट्रीय खेप को दिखाई गई हरी झंडी

नई दिल्ली। जम्मू और कश्मीर के बागवानी क्षेत्र को बढ़ावा देते हुए कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) के तत्वावधान में प्रीमियम गुणवत्ता वाली कश्मीरी चेरी की पहली अंतरराष्ट्रीय खेप को आधिकारिक तौर पर रवाना किया गया, जो वैश्विक ताजा उपज बाजारों में घाटी के प्रवेश करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में बताया कि जम्मू-कश्मीर से प्रीमियम चेरी की पहली वाणिज्यिक खेप सऊदी अरब और यूएई के लिए रवाना हुई। इससे हमारे चेरी किसानों के लिए एक बड़ा बाजार खुल गया है, जिन्हें अब अपनी उपज के लिए बेहतर कीमत मिलेगी। पीयूष गोयल ने आगे लिखा है मोदी सरकार भारत को प्रीमियम कृषि उत्पादों के वैश्विक आपूर्तिकर्ता के रूप में स्थापित करने के लिए रसद संबंधी कमियों को दूर करने में जुटी है। ये उपलब्धि भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अधीन कार्यरत कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) के तत्वावधान में हासिल की गई है। ताजा चेरी की यह पहली खेप संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब को निर्यात की जा रही है, जो कश्मीरी बागवानी उत्पादों के लिए एक संरचित वैश्विक निर्यात पाइपलाइन की शुरुआत है।

बेटियों के लिए आवश्यक है सुकन्या समृद्धि योजना

नई दिल्ली। दिन-प्रतिदिन बढ़ रहे शिक्षा और शादी जैसे बड़े खर्चों के लिए वित्तीय योजना का महत्व स्वीकार किया जा रहा है। इसी दिशा में भारत सरकार ने सुकन्या समृद्धि योजना (एसएचवाय) की शुरुआत की है। एसएसवाय एक सरकारी समर्थित बचत योजना है जो बच्चों के भविष्य की देखरेख करती है। इस योजना में माता-पिता अपनी बेटियों के नाम से खाता खोलकर निवेश कर सकते हैं। 10 साल की उम्र तक खाता खोल सकते हैं और एक से अधिक बेटियों के लिए भी यह योजना उपलब्ध है। इस योजना में 6 साल का लॉक-इन पीरियड होता है, जिसके दौरान पैसा निकाला नहीं जा सकता, लेकिन ब्याज मिलता रहता है। बेटी के 18 और 21 साल की उम्र में निवेश का निकासी कर सकते हैं। एक उदाहरण के रूप में, यदि कोई अभिभावक ने अपनी 1 वर्ष की बेटी के नाम पूरी सीमा में निवेश किया है, तो साल 2025 में वह अधिकतम 1.5 लाख का निवेश करेगा। इस प्रकार सुकन्या समृद्धि योजना बेटियों के भविष्य को सुरक्षित बनाने में मददगार साबित हो सकती है और माता-पिता को आने वाले जीवन के महत्वपूर्ण पलों के लिए तैयार रखने में मदद कर सकती है।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत एशिया में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली, 16 जून (एजेंसियां)।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए थे। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स मामूली बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार ने भी कमजोरी के साथ पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया था। वहीं एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। ईरान और इजरायल के बीच शुरू हुए संघर्ष के कारण अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान बड़ी गिरावट का शिकार हो गए थे। डाउ जॉन्स दो प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 1.13 प्रतिशत की कमजोरी के साथ पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 255.66 अंक यानी 1.30 प्रतिशत टूट कर 19,406.83 अंक के स्तर पर बंद हुआ। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.03 प्रतिशत की सांकेतिक बढ़त के साथ 42,208.84 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव में कारोबार करते रहे। एफटीएसई इंडेक्स 0.39 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,850.63 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 1.05 प्रतिशत लुढ़क कर 7,684.68 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 255.22 अंक यानी 1.09 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,516.23 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 5 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 4 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.30 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 3,899.56 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 0.32 प्रतिशत लुढ़क कर 22,002.80 अंक के स्तर तक गिर गया है। सेट कंपोजिट इंडेक्स में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। फिलहाल यह सूचकांक 0.97 प्रतिशत फिसल कर 1,111.83 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 0.14 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,858.59 अंक के स्तर पर बना हुआ है।

ईरान-इजरायल तनाव से उड़ानों के मार्ग बदलने से हवाई यात्री परेशान, - उड़ान कंपनियों की लागत बढ़ने से हवाई किरायों में तेजी से हो रही वृद्धि

नई दिल्ली। भारत-पाकिस्तान तनाव ने ईरान, इजरायल और पाकिस्तान के बीच यात्रा योजनाओं पर काफी असर डाल दिया है। ईरान, इजरायल, जॉर्डन, सीरिया और इराक ने हवाई क्षेत्र बंद कर दिया है, जिससे विमानों का मार्ग बदल गया है और यूरोप जाने वाले यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उड़ान कंपनियों की लागत में वृद्धि होने के कारण हवाई किरायों में तेजी से वृद्धि हो रही है, जिससे यात्रियों को आराम नहीं मिल रहा है। फेडरेशन ऑफ एसोसिएशन इन इंडियन टूरिज्म और हॉस्पिटैलिटी के एक अधिकारी ने बताया कि तनाव के कारण उड़ान कंपनियों की लागत में वृद्धि होने के चलते विमानों के समय पर किराये में भी वृद्धि हो रही है। उनके अनुसार यह समस्या इसी क्षेत्र में आगे भी बढ़ सकती है। हवाई क्षेत्रों पर अस्थायी प्रतिबंध से विमानों को आने-जाने में अधिक समय लग रहा है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 106 अंक यानी 0.43 प्रतिशत की मजबूती के साथ 24,845.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.46 प्रतिशत उछल कर 7,199.35 अंक के स्तर तक पहुंच गया है। निक्केई इंडेक्स ने बड़ी छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 402.73 अंक यानी 1.06 प्रतिशत की बढ़त के साथ 38,236.98 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा कोस्पी इंडेक्स 0.78 प्रतिशत की मजबूती के साथ 2,917.18 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.05 प्रतिशत की तेजी के साथ 3,378.78 अंक के स्तर पर कारोबार करते हुए नजर आ रहे हैं।

गाजियाबाद के युवक ने अपनी मेहनत और साहस से अपने सपनों को किया पूरा

नई दिल्ली, 16 जून (एजेंसियां)।

1700 रुपए लेकर अमेरिका पहुंचे थे निकेश, आज पिचाई से भी ज्यादा सैलरी

सामान्य परिवार से होने के नाते निकेश अरोड़ा ने अपनी मेहनत और साहस से अपने सपनों को पूरा करने का मार्ग तय किया। गाजियाबाद के इस नौजवान ने अपने अद्वितीय प्रतिभा और उत्कृष्ट कौशल से बनाया एक सफल शख्सियत की मिसाल। गाजियाबाद के निकेश की कहानी भाग्य और मेहनत का परिणाम है। उन्होने अपने व्यक्तिगत जीवन में कई चुनौतियों का सामना किया, लेकिन उसने हार नहीं मानी। उन्होंने आखिरकार साइबर सुरक्षा क्षेत्र में एक शानदार सफलता हासिल की है। पढ़ाई-लिखाई में हमेशा अव्वल रहने वाले निकेश ने अमेरिका जाने से पहले आईआईटी बीएचयू से इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल की। परिवार में ज्यादा पैसे न होने की वजह से उन्हें अमेरिका में मनचाहे कॉलेज में एडमिशन लेना संभव नहीं हो रहा था। लिहाजा उन्होंने ऐसे कॉलेज और विश्वविद्यालय में आवेदन किया, जहां शुल्क नहीं लग रहा था। आखिरकार बोस्टन के नॉर्थईस्टर्न विश्वविद्यालय ने उन्हें स्कॉलरशिप ऑफर किया और घर से महज 100 डॉलर, जिसकी कीमत साल 1990 में महज 1,700 रुपये थी, लेकर अमेरिका पहुंच गए। कोर्स पूरा करने के बाद उनकी नौकरी के आवेदन को 400 कंपनियों ने खारिज कर दिया। आखिरकार उन्हें साल 1992 में फिडेलिटी इनवेस्टमेंट में बतौर ट्रेनी जॉब मिली। अपनी प्रतिभा और लगन से वह जल्द ही फिडेलिटी टेक्नोलॉजी के वाइस प्रेसिडेंट बन गए। उन्होंने एमएस और सीएफए जैसे कोर्स भी कर लिए। साल 2004 में गूगल का आईपीओ आने के कुछ महीने बाद निकेश ने इस कंपनी को ज्वाइन किया और अगले एक दशक में कंपनी का राजस्व 2 अरब डॉलर से बढ़कर 60 अरब डॉलर पहुंच गया। साल 2014 में उन्होंने गूगल छोड़कर सॉफ्टबैंक ज्वाइन कर लिया, जहां अध्यक्ष और सीओओ के रूप में काम किया और निवेश की बारीकियां जानीं। यहां 4 साल काम करने के बाद निकेश ने साल 2018 में बतौर सीईओ ऑल्टो नेटवर्क्स को ज्वाइन किया।

भीषण गर्मी ने बढ़ाई टमाटर की कीमतें

दिल्ली में भीषण गर्मी ने न केवल मौसम को प्रभावित किया है, बल्कि यह अब आम लोगों की रसोई पर भी असर डाल रहा है। खासकर टमाटर के दामों में बढ़ोतरी आई है। इस दौरान टमाटर के दाम 70 से 80 रुपए प्रति किलो तक पहुंच गए हैं। उत्तर भारत में भारी नुकसान होने के कारण जून-जुलाई में लोकल टमाटर की फसल खत्म हो जाती है और इस समय ट्रांसपोर्ट की खर्च भी बढ़ जाते हैं। बेंगलुरु से आने वाला टमाटर 1000 रुपए प्रति 25 किलो की दर से बिक रहा है, जबकि पहले यही कैरेट 700-800 रुपए में मिल रही थी। इसके साथ ही प्याज की कीमतों में भी तेजी से वृद्धि देखी जा रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि बारिश के बिना बाजार में दर कम होने की उम्मीद कम है। उपभोक्ताओं को अगले कुछ हफ्तों तक महंगे टमाटर झेलने पड़ सकते हैं।

वाटरवेज लीजर टूरिज्म ने आईपीओ के लिए सेबी के समक्ष डीआरएचपी दाखिल किया

मुंबई,16 जून (एजेंसियां)।

वाटरवेज लीजर टूरिज्म ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये धन जुटाने के लिए भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) फिर से दाखिल किया है। कंपनी का लक्ष्य इस आईपीओ के माध्यम से 727 करोड़ रुपये जुटाना है। इसके शेयर एनएसई और बीएसई दोनों स्टॉक एकसचेंज पर सूचीबद्ध होंगे। पूंजी बाजार नियामक सेबी के समक्ष जमा दस्तावेज के मुताबिक वाटरवेज लीजर टूरिज्म लिमिटेड का 10 रुपये के अंकित मूल्य वाला यह आईपीओ पूरी तरह से 727 करोड़ रुपये तक के शेयरों का एक नया इश्यू है, जिसमें कोई बिक्री के लिए प्रस्ताव नहीं है। इस ऑफर का योग्य संस्थागत खरीदारों के लिए आवंटन न्यूनतम 75 फीसद निर्धारित किया गया है, जबकि 15 फीसदी गैर-संस्थागत निवेशकों के लिए और 10 फीसदी खुदरा निवेशकों के लिए आरक्षित है। सेंट्रम कैपिटल लिमिटेड, इंटेंसिव फिस्कल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड और मोतीलाल ओसवाल इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स लिमिटेड इस इश्यू के बुक-रनिंग लीड मैनेजर हैं, जबकि एमयूएफजी इंटाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड रजिस्ट्रार है। कंपनी की योजना इस इश्यू से प्राप्त 552.53 करोड़ रुपये का इस्तेमाल मुख्य रूप से अपनी सहायक कंपनी 'बेक्रूज आईएफएससी' के साथ ही लीजिंग उद्देश्यों और अन्य सामान्य कॉर्पोरेट रणनीतियों के लिए करने की है।

भारत की एकमात्र घरेलू महासागर क्रूज ऑपरेटर टरवेज लीजर टूरिज्म लिमिटेड वर्तमान में कॉर्डेलिया क्रूज ब्रांड नाम के तहत एक क्रूज जहाज एमवी एम्प्रेस का संचालन करता है। लॉन्च होने के बाद से 5,49,051 मेहमान इस क्रूज जहाज पर यात्रा कर चुके हैं। इसने 31 दिसंबर, 2024 तक भारतीय तटरेखा और आसपास के द्वीपों के साथ 2,25,079.53 समुद्री मील से अधिक की दूरी तय की है।

थोक महंगाई दर मई में घटकर 14 महीने के निचले स्तर 0.39 फीसदी पर

नई दिल्ली,16 जून (एजेंसियां)।

महंगाई के मोर्चे पर आम जनता को बड़ी मिली है। खुदरा महंगाई के बाद थोक महंगाई दर में भी गिरावट आई है। मई महीने में थोक महंगाई दर घटकर 0.39 फीसदी पर आ गई है, जो इसका 14 महीने का निचला स्तर है। इससे पहले अप्रैल में थोक महंगाई दर 0.85 फीसदी रही थी, जबकि पिछले साल मई में यह 2.74 फीसदी थी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने सोमवार को जारी आंकड़ों में बताया कि थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर आधारित थोक महंगाई दर मई महीने में घटकर 0.39 फीसदी पर आ गई है। रोजाना की जरूरत के सामान और खाने-पीने की चीजों की कीमतों के घटने से थोक महंगाई दर में गिरावट दर्ज हुई है। ये इसका 14 महीने का निचला स्तर है। मंत्रालय के मुताबिक इससे पहले अप्रैल महीने में थोक महंगाई दर 2.05 फीसदी से घटकर 0.85 फीसदी पर आ गई थी, जो इसका 13 महीनों का निचला स्तर था। इससे पहले मार्च 2024 में थोक महंगाई दर 0.26 फीसदी रही थी। मार्च 2025 में यह 2.05 फीसदी पर था। जनवरी 2025, में 2.38 फीसदी थी, जबकि फरवरी 2025 में थोक महंगाई दर 2.38 फीसदी रही थी, जबकि मई 2024 में यह दर 0.53 फीसदी पर थी। मई में ये चीजें हुई सस्ती आंकड़ों के अनुसार खाने-पीने के सामानों में कटौती का असर थोक महंगाई दर के आंकड़ों के तौर पर साफ देखा जा सकता है। खाने-पीने की चीजों (फूड इंडेक्स) की महंगाई 2.55 फसदी से घटकर 1.72 फीसदी पर आ गई है। वहीं, फ्यूल और पावर की थोक महंगाई दर -2.18 फीसदी से घटकर -2.27 फीसदी रही है।

आईफोन बनाने वाली भारतीय कंपनियों ने पार किया 20 फीसदी लोकल आंकड़ा, अगले एक दशक के दौरान 35 से 40 फीसदी के पार पहुंचने का लक्ष्य

मुंबई। ऐपल इंडिया के लिए ठेके पर आईफोन बनाने वाली टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स, विस्ट्रॉन इन्फोकॉम मैन्युफैक्चरिंग, पेगाट्रॉन टेक्नॉलजी इंडिया और फॉक्सकॉन होन हाई इंडिया आईफोन के हर वेरिएंट में अब आधिकारिक तौर पर 20 फीसदी से ज्यादा देसी मूल्यवर्द्धन कर रही हैं। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने कहा कि 20 फीसदी की सीमा को पार करना इन कंपनियों के लिए एक महत्त्वपूर्ण पड़ाव है। पांच साल पहले तक इनमें से अधिकतर कंपनियों का स्थानीय पुर्जा विनिर्माण एवं घरेलू मूल्यवर्धन निचले एकल अंक में था। अब अगले एक दशक के दौरान 35 से 40 फीसदी के पार पहुंचने का लक्ष्य है। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स, विस्ट्रॉन, पेगाट्रॉन और फॉक्सकॉन अपने कारखानों में आईफोन की असेंबलिंग ही करती हैं मगर वे स्मार्टफोन के कुछ पुर्जों का परीक्षण भी करती हैं। ठेके पर मोबाइल फोन बनाने वाली कंपनियां जब आयातित बैटरी पैक, चार्जर, अडॉप्टार, मैकेनिक्स, डाई-कट पार्ट्स, माइक्रोफोन, रिसीवर, कीपैड, यूएसबी केबल आदि की असेंबली और परीक्षण देश के भीतर ही करती हैं तो सरकार उसे घरेलू मूल्यवर्धन की श्रेणी में रखने की इजाजत देती है। अब इन सभी कंपनियों को उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग के सार्वजनिक खरीद (मेक इन इंडिया को वरीयता) आदेश, 2017 के अनुसार दूसरी श्रेणी के स्थानीय आपूर्तिकर्ताओं में शुमार कर लिया गया है।

हायरॉक्स इंडिया ने 2025-26 सीजन का पूरा कैलेंडर जारी किया, दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु में होंगी रेस

नई दिल्ली, 16 जून (एजेंसियां)।

दुनिया भर में मशहूर फिटनेस रेस हायरॉक्स ने भारत के लिए 2025-26 सीजन (जुलाई 2025 से जून 2026) का अपना पूरा कैलेंडर जारी कर दिया है। इस ऐलान के साथ भारत में हायरॉक्स की पहली पूर्ण सीजन की शुरुआत हो रही है, जो देश में फिटनेस संस्कृति को एक नई पहचान देने जा रही है। मुंबई में इस साल की शुरुआत में सफल डेब्यू के बाद अब हायरॉक्स इंडिया तीन प्रमुख शहरों में अपने कार्यक्रम आयोजित करेगा, जो इस प्रकार है।

दिल्ली - 19 जुलाई 2025
मुंबई - 7 सितंबर 2025
बेंगलुरु - 11 अप्रैल 2026

यह भारत में हायरॉक्स का पहला फुल-सीजन होगा, जो देश में इसके दीर्घकालिक विकास और व्यापक क्षेत्रीय भागीदारी की नींव रखेगा। हायरॉक्स इंडिया के प्रमुख दीपक राज ने कहा, यह भारत का हायरॉक्स सीजन है। हम एक मल्टी-सिटी कैलेंडर के साथ देशभर में लौट रहे हैं, जो हर कोने के फिटनेस प्रेमियों को आमंत्रित करता है। उत्तर से लेकर दक्षिण तक, हम एक ऐसी फिटनेस कम्युनिटी बना रहे हैं जो प्रतिस्पर्धात्मक भी है और समावेशी भी। हायरॉक्स एक अनूठा फिटनेस इवेंट है, जिसमें प्रतिभागियों को 8 बार - 1 किलोमीटर की दौड़ और 1 वर्कआउट स्टेशन से गुजरना होता है। यह फॉर्मेट इस तरह से डिज़ाइन किया गया है कि इसमें पेशेवर एथलीट से लेकर आम फिटनेस प्रेमी तक हर कोई भाग ले सकता है। यही कारण है कि इसे हर किसी के लिए खेल कहा जाता है। भारत में हायरॉक्स की एंट्री ऐसे समय हो रही है जब देश में फिटनेस के प्रति उत्साह बढ़ रहा है और लोग सामूहिक प्रतिस्पर्धाओं की ओर आकर्षित हो रहे हैं। तीन बड़े शहरों में होने वाले आयोजनों के जरिए हायरॉक्स खुद को एक राष्ट्रीय फिटनेस स्पोर्ट के रूप में स्थापित कर रहा है। इस सीजन के दौरान भारतीय प्रतिभागियों को हायरॉक्स वर्ल्ड चैंपियनशिप 2026 के लिए क्वालिफाई करने का भी अवसर मिलेगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

डोकलाम घेरने की...

का मुख्य लक्ष्य बना हुआ है। डोकलाम पठार, विशेष रूप से जोम्पेलरी नामक इसके दक्षिणी रिज पर कब्जा करने से चीन को चिकन-नेक के ऊपर ऊंची जमीन मिल जाएगी, जहां भारत से सिर्फ 12 मील (20 किमी) की दूरी पर नेपाल और बांग्लादेश अलग-अलग होते हैं। भारत के साथ भविष्य के संघर्ष में यह स्थिति चीन को अपने क्षेत्रीय कट्टर प्रतिद्वंद्वी पर एक महत्वपूर्ण भूभाग पर काबिज होने का लाभ प्रदान करेगी।

1990 में और फिर 1996 में भारत ने भूटान पर चीनी पैकेज-डील को अस्वीकार करने का दबाव बनाया, जिसके तहत बीजिंग भूटान के उत्तर-पूर्व में उसके कम रणनीतिक महत्व वाले 191 वर्ग मील (495 वर्ग किमी) क्षेत्र पर अपना दावा छोड़ दे और इसके बदले में भूटान अपने पश्चिम में डोकलाम से लेकर ड्रामानोंग और शाखातोए तक 114 वर्ग मील (269 वर्ग किमी) का इलाका चीन को सौंप दे। 14,824 वर्ग मील (38,394 वर्ग किमी) वाला भूटान उन 14 राज्यों में सबसे छोटा है जो चीन की सीमा पर हैं।

किसी समझौते पर पहुंचने में असमर्थ चीन और भूटान ने स्थिरता बनाए रखने और यथास्थिति का सम्मान करने के लिए 1998 में शांति और स्थिरता समझौते पर हस्ताक्षर किए। लेकिन इस पर चीन की हरकतें रुकी नहीं। 2000 के बाद से बीजिंग ने भूटान पर अपनी शैतानी दिखाने का सिलसिला फिर तेज कर दिया। उसका अंतिम लक्ष्य डोकलाम पर कब्जा करना है।

चीन की चाल रहती है, सबसे पहले स्थानीय तिब्बती चरवाहों को भूटान के अंदर अपने झुंड चराने के लिए घुसाओ और स्थानीय चरवाहों को विस्थापित करो। फिर विवादित क्षेत्रों में उन चरवाहों के लिए आश्रय स्थापित करो और उसके बाद चरवाहों की सुरक्षा के लिए सैन्य गश्ती दल और सैनिकों को रखने के लिए सैन्य चौकियां बनाओ। इसके बाद फिर इन चौकियों को तिब्बत से जोड़ने के लिए सड़कें बनाओ और अंत में विवादित क्षेत्रों में स्थायी बस्तियां और गांव बसा लो। इन्हीं युक्तियों का इस्तेमाल करके चीन ने भूटान के उत्तर में मेनचुमा घाटी पर कब्जा कर लिया। भूटान कोई प्रतिरोध नहीं कर सका और 2006 में कुला खारी पर अपना दावा छोड़कर चीन की इच्छा के आगे झुक गया।

2016 में चीन ने भूटान के अंदर जो बस्तियां बनानी शुरू कीं वे शुरू में छोटी थीं लेकिन कालांतर में संख्या और आकार दोनों में ही वे बढ़ती गईं। 2024 की एक रिपोर्ट में 19 गांवों और तीन बस्तियों की पुष्टि की गई है, जो कुल मिलाकर लगभग 750 आवासीय ब्लॉक हैं, जिनमें लगभग 7,000 लोग रह सकते हैं। इनमें से आठ बस्तियां डोकलाम में और 14 बस्तियां उत्तर-पूर्व में हैं। कई बस्तियां ऊंचाई पर बनी हैं। सबसे ऊंची बस्ती मेन्चुमा में है जो 4,670 मीटर यानि लगभग 15,300 फीट की ऊंचाई पर है।

2020 में चीन ने पूर्वी भूटान में साकतेंग पर दावा ठोक कर फिर अपना दबाव बढ़ाया। इस दावे के पीछे वास्तविक घुसपैठ या कब्जा जमाने का इरादा नहीं था, बल्कि इससे भूटान सरकार को दबाव में लेना था। इसका असर यह हुआ कि वर्ष 2021 में चीन और भूटान सीमा वार्ता में तेजी लाने के लिए तीन-चरणीय रोडमैप पर सहमत हुए। लेकिन इसके बावजूद मक्कार चीन ने अपनी बस्तियों का निर्माण और विस्तार जारी रखा।

भूटान दोतरफा मुश्किलों से घिरा हुआ है। एक तरफ चीनी अतिक्रमण का विरोध करने में असमर्थ है तो दूसरी तरफ वह भारत के साथ अपने समझौतों से मुकरने में भी असमर्थ है। 2007 की भारत-भूटान संधि दोनों देशों को अपने क्षेत्र का उपयोग राष्ट्रीय सुरक्षा और दूसरे के हितों के लिए हानिकारक गतिविधियों के लिए नहीं करने देगी। साफ शब्दों में कहा जाए तो अगर भूटान चीन को डोकलाम दे देता है तो युद्ध होगा। इसमें कोई दो राय नहीं रहनी चाहिए। भारत स्पष्ट तौर पर अपना यह रुख जाहिर कर चुका है।

भारतीय प्रभाव के कारण भूटान चीन के साथ औपचारिक राजनयिक संबंध स्थापित नहीं कर रहा है। भूटान और चीन के बीच संबंधों में गर्मजोशी पर अपनी नाराजगी जताते हुए भारत ने वर्ष 2013 में भूटान के लिए रसोई गैस और केरोसिन पर अपनी सब्सिडी स्थगित कर दी थी। भारत सरकार की इस कार्रवाई से भूटान के होश फाख्ता हो गए थे। 2017 में जब चीन ने जोम्पेलरी की ओर दक्षिण की तरफ से सड़क विस्तार का प्रयास किया, तो भारत ने सड़क निर्माण रोकने के लिए भूटान में सेना भेज दी। 72 दिनों के गतिरोध के बाद दोनों देशों ने अपनी सेना वापस बुला ली।

चीन का लक्ष्य भूटान को आधिकारिक तौर पर डोकलाम छोड़ने के लिए राजी करना है, क्योंकि स्थानीय पठार चीन को भारत पर रणनीतिक लाभ देगा। जबकि भारत के साथ भूटान की संधियां उसे भारत की सहमति के बिना डोकलाम छोड़ने से रोकती हैं, लिहाजा ऐसा होने की कोई संभावना नहीं है।

भूटान की 8,000 सैनिकों वाली सेना चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के सामने कहीं नहीं टिकती, लेकिन उसे भारत की विशाल सेना अपना सहारा देती है। समाधान की संभावना न होने के कारण चीन का दबाव जारी है और भूटान के पास विकल्प कम होते जा रहे हैं। अगर कभी कोई समझौता हो भी जाता है तो उसमें चीन भूटान के पूर्वोत्तर के उन क्षेत्रों को वापस नहीं करना चाहेगा जहां उसने स्थायी बस्तियां बसा दी हैं। खुफिया एजेंसी ने भारत सरकार को चीन की इन शैतानियों के प्रति सतर्क और तैयार रहने के लिए कहा है।

मजबूत हुई भारत ...

भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारा इस क्षेत्र में शांति और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करेगा। उन्होंने कहा कि यह दो दशकों से अधिक के अंतराल के बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री की साइप्रस यात्रा है। यह आपसी संबंधों में एक नया अध्याय लिखने का अवसर है। साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस ने कहा कि हमने विभिन्न क्षेत्रों में अपने द्विपक्षीय संबंधों और तालमेल को बढ़ाने पर चर्चा की। हम रक्षा सहयोग, संकट प्रबंधन, पर्यटन, नवाचार और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर काम करना चाहते हैं। हम साथ मिलकर काम करने पर सहमत हुए ताकि हम ठोस परिणाम दे सकें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस ने साइप्रस के निकोसिया में प्रतिनिधिमंडल स्तर पर भी वार्ता की। वार्ता में आतंकवाद का मसला भी खास तौर शामिल था। आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई में साइप्रस ने अपना समर्थन दिया है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, हम सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई में साइप्रस के निरंतर समर्थन के लिए आभारी हैं। आतंकवाद, ड्रग्स और हथियारों की तस्करी को रोकने के लिए हमारी एजेंसियों के बीच वास्तविक समय में सूचना के आदान-प्रदान के लिए एक तंत्र विकसित किया जाएगा। पीएम मोदी ने कहा कि भारत और साइप्रस दोनों देशों के बीच सहयोग को रणनीतिक दिशा प्रदान करने के लिए एक मजबूत रोडमैप विकसित करेंगे। राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलाइड्स और मैंने द्विपक्षीय वार्ता की। साइप्रस के विजन 2035 और भारत के विकसित भारत 2047 में समानताएं हैं। इसलिए हम अपने साझा विकास की दिशा में मिलकर काम करेंगे। रक्षा और सुरक्षा सहयोग को और मजबूत करने के लिए रक्षा उद्योग पर जोर दिया जाएगा। साइबर और समुद्री सुरक्षा पर एक अलग वार्ता शुरू की जाएगी।

पीएम मोदी ने कहा कि साइप्रस भारतीय पर्यटकों के लिए पसंदीदा जगह है। यहां के लिए सीधी हवाई सेवा को शुरू करने पर जोर दिया जाएगा। हम साइप्रस में योग और आयुर्वेद के प्रसार को देखकर उत्साहित हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और यूरोपीय संघ इस साल के अंत तक एक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को पूरा करने के लिए काम कर रहे हैं। मैंने राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस के साथ हमारे दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों पर चर्चा की। मैंने इस बारे में व्यापारिक समुदाय के भीतर उत्साह और तालमेल की भावना देखी। भारत और यूरोपीय संघ इस साल के अंत तक एक मुक्त व्यापार समझौते को पूरा करने के लिए काम कर रहे हैं।

साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलाइड्स ने अहमदाबाद विमान हादसे पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी, साइप्रस के लोग हाल ही में हुई घटना के बारे में आपके साथ हैं। हम दुख की इस घड़ी में आपके साथ हैं। आगे उन्होंने कहा, हमारे बीच ऐतिहासिक मित्रता है और हम एक-दूसरे पर भरोसा करते हैं। हम एकजुट हैं। साइप्रस और भारत के बीच संबंध हमारे साझा ऐतिहासिक अनुभव और मूल्यों पर आधारित हैं। ऐसा इसलिए हो सकता है, क्योंकि हम शांति, संवाद, सहयोग, लोकतंत्र और अंतरराष्ट्रीय नियमों के सम्मान में विश्वास करते हैं। हम समुद्र के कानून में विश्वास करते हैं और निस्संदेह, हम अंतरराष्ट्रीय नियमों को बनाए रखने में विश्वास करते हैं। क्रिस्टोडौलाइड्स ने कहा, हमें हमारे दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों और भारत-यूरोपीय संघ संबंधों जैसे कई मुद्दों पर चर्चा करने का अवसर मिला। हमने क्षेत्रीय स्थिति और आईएमईसी के तहत हमारे सहयोग पर भी चर्चा की। अगर मैं अपने द्विपक्षीय संबंधों की बात करूं, तो हमने इसे अपनी राजनीतिक निकटता और अपने लोगों के बीच अच्छे संबंधों से आगे बढ़ाते हुए कई क्षेत्रों में रणनीतिक साझेदारी तक विस्तारित करने पर चर्चा की है। कल हमने एक व्यापार मंच में भाग लिया था, जिसमें कई उद्योगपतियों ने हिस्सा लिया। दोनों देशों के लोगों ने काफी रुचि दिखाई। इस संबंध में घोषणाएं भी की गई हैं। आज, हमने चर्चा की कि हम अपने व्यापार और व्यवसाय संबंधों को कैसे आगे बढ़ा सकते हैं। हमारे पास एक भू-रणनीतिक स्थान है, जिसके कारण हम यूरोपीय संघ के बाजारों के प्रवेश द्वार के रूप में काम कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साइप्रस दौरे के गहरे निहितार्थ हैं। साइप्रस की यात्रा करके प्रधानमंत्री मोदी ने इस्लामी दुनिया के खलीफा बन रहे तुर्की को कड़ा संदेश दिया है। यह दुश्मन को चारों तरफ से घेरने की तैयारी है। तुर्की ने पाकिस्तान के साथ अपनी सैन्य और कूटनीतिक साझेदारी बढ़ाई तो भारत ने इसका जवाब तुर्की के विरोधी देशों के साथ दोस्ती बढ़ाकर दिया। भारत साइप्रस के अलावा ग्रीस, आर्मेनिया और मिस्र के साथ अपने रिश्ते मजबूत कर रहा है। ये सभी देश तुर्की के साथ किसी न किसी तरह के विवाद में हैं। भारत इन देशों के साथ न सिर्फ व्यापारिक बल्कि सामरिक संबंध भी मजबूत कर रहा है। ये एक तरह से तुर्की को चारों तरफ से घेरने की रणनीति है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का साइप्रस दौरा 20 साल बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री का साइप्रस दौरा है। इससे पहले 1983 में इंदिरा गांधी और 2002 में अटल बिहारी वाजपेयी साइप्रस गए थे। साइप्रस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जोरदार स्वागत हुआ। वहां उन्होंने भारतीय मूल के लोगों से भी मुलाकात की। भारत और साइप्रस की दोस्ती पुरानी और गहरी है। साइप्रस ने हमेशा भारत का साथ दिया है। 1998 में भारत के परमाणु परीक्षण के समय, 2008 में भारत-अमेरिका परमाणु समझौते में और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता के लिए साइप्रस ने खुलकर समर्थन किया। आतंकवाद और कश्मीर जैसे मुद्दों पर साइप्रस ने कभी पाकिस्तान या तुर्की का साथ नहीं दिया। दूसरी तरफ भारत भी साइप्रस की एकता और अखंडता का समर्थन करता है। भारत चाहता है कि साइप्रस का मसला संयुक्त राष्ट्र के नियमों और अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत हल हो। पीएम मोदी के साइप्रस दौरे ने इस दोस्ती को और मजबूती दी है। दोनों देशों के बीच व्यापार, संस्कृति और रक्षा सहयोग को लेकर कई महत्वपूर्ण सहमतियां हुई हैं।

साइप्रस और तुर्की का झगड़ा 1974 से चला आ रहा है। उस साल ग्रीस के समर्थन से साइप्रस में तख्तापलट हुआ, जिसका मकसद साइप्रस को ग्रीस के साथ मिलाना था। जवाब में तुर्की ने साइप्रस के उत्तरी हिस्से पर हमला कर उसे अपने कब्जे में ले लिया। तब से साइप्रस दो हिस्सों ग्रीक साइप्रियस्ट और तुर्की साइप्रियट्स में बंटा हुआ है। तुर्की ने उत्तरी साइप्रस में अपनी सेना तैनात कर रखी है और वहां की समुद्री सीमाओं पर भी विवाद करता रहता है। साइप्रस के पास समुद्र में प्राकृतिक गैस के बड़े भंडार हैं, जिन्हें तुर्की अपने नियंत्रण में लेना चाहता है। तुर्की का कहना है कि साइप्रस जैसे छोटे द्वीप को इतना बड़ा समुद्री क्षेत्र (ईईजेड) नहीं मिलना चाहिए, जबकि अंतरराष्ट्रीय कानून इसके खिलाफ है। तुर्की ने साइप्रस के समुद्री क्षेत्र में अपने जहाज भेजकर गैस खोजने की कोशिश की, जिससे साइप्रस, ग्रीस और यूरोपीय संघ के साथ उसका तनाव बढ़ गया। भारत का साइप्रस के साथ खड़ा होना तुर्की के लिए साफ संदेश है कि भारत उसके खिलाफ उन देशों का समर्थन करेगा, जो तुर्की की आक्रामकता से परेशान हैं।

साइप्रस की भौगोलिक स्थिति इसे बहुत खास बनाती है। यह भूमध्य सागर में तुर्की के दक्षिण में, लेवांत (सीरिया-लेबनान-फिलिस्तीन-इजराइल) के पश्चिम में और स्वेज नहर के पास है। यानी ये यूरोप, एशिया और अफ्रीका के बीच एक अहम पड़ाव है। भारत मध्य पूर्व यूरोप कॉरिडोर (आईएमईसी) में साइप्रस की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण हो सकती है। आईएमईसी एक ऐसा व्यापारिक रास्ता है, जो भारत को मध्य पूर्व के रास्ते यूरोप से जोड़ेगा। साइप्रस इस कॉरिडोर का एक अहम हिस्सा बन सकता है, क्योंकि ये व्यापार, ऊर्जा और रणनीतिक प्रभाव के लिए एक शानदार जगह है। साइप्रस के पास 12-15 ट्रिलियन क्यूबिक फीट प्राकृतिक गैस के भंडार हैं। ये भंडार भले ही वैश्विक स्तर पर बहुत बड़े न हों, लेकिन साइप्रस जैसे छोटे देश के लिए बहुत मायने रखते हैं। यूरोप रूस से गैस कम लेना चाहता है और साइप्रस इसमें मदद कर सकता है। लेकिन तुर्की की दखलंदाजी की वजह से साइप्रस को अपनी गैस निर्यात करने में दिक्कत होती है। साइप्रस अब ग्रीस या मिस्र के रास्ते गैस निर्यात करने की योजना बना रहा है, ताकि तुर्की को बाइपास किया जा सके। भारत अगर साइप्रस के साथ ऊर्जा, व्यापार या बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाता है, तो ये तुर्की के लिए बड़ा झटका होगा।

तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तईप एर्दोआन ने कई बार कश्मीर जैसे मुद्दों पर भारत के खिलाफ बयान दिए हैं। वह खुद को इस्लामिक दुनिया का नेता दिखाने की कोशिश करते हैं और संयुक्त राष्ट्र जैसे मंचों पर भारत की आलोचना करते हैं। तुर्की ने पाकिस्तान के साथ अपनी सैन्य और कूटनीतिक साझेदारी भी बढ़ाई है। भारत इसका जवाब तुर्की के विरोधी देशों के साथ दोस्ती बढ़ाकर दे रहा है। साइप्रस के अलावा, भारत ग्रीस, आर्मेनिया और मिस्र के साथ अपने रिश्ते मजबूत कर रहा है। इन सभी देशों से तुर्की ने अपने संबंध बिगाड़ रखे हैं। मोदी का साइप्रस दौरा तुर्की को साफ-साफ बता रहा है कि भारत उसकी हरकतों का जवाब देना जानता है। साइप्रस यूरोपीय संघ का सदस्य है और भारत का पुराना दोस्त है। इस दौरे से दोनों देशों के बीच व्यापार, संस्कृति और रक्षा सहयोग को नया बढ़ावा मिलेगा। साथ ही साइप्रस आईएमईसी में भारत के लिए एक अहम साझेदार बन सकता है।

साइप्रस दौरे के बाद मोदी जी-7 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए आज ही कनाडा रवाना हो गए। यह भारत के लिए अपनी वैश्विक ताकत दिखाने का एक और मौका होगा। साइप्रस दौरा और जी-7 में हिस्सा लेना दोनों ही भारत की उस रणनीति का हिस्सा हैं, जिसमें वह वैश्विक मंचों पर अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है। तुर्की जैसे देशों को घेरने के साथ-साथ भारत उन देशों के साथ दोस्ती बढ़ा रहा है, जो उसके हितों का समर्थन करते हैं। साइप्रस के साथ भारत का ये रिश्ता न सिर्फ तुर्की को जवाब है, बल्कि भारत की बढ़ती वैश्विक ताकत का भी प्रतीक है।

दुनिया में भारत का प्रभावशाली तरीके से सामने आना इसी से प्रमाणित होता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को विश्व के कई देशों के सर्वोच्च सम्मान से लगातार नवाजा जा रहा है। मार्च में मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम ने पीएम मोदी को अपने सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार द ग्रांड कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द स्टार एंड की ऑफ द इंडियन ओशन से सम्मानित किया था। यह सम्मान प्रधानमंत्री मोदी को भारत और मॉरीशस के बीच संबंधों को मजबूत करने के लिए उनके योगदान के लिए दिया गया था। मोदी इस सम्मान को प्राप्त करने वाले पहले भारतीय हैं। यह 21वां अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार था, जो प्रधानमंत्री मोदी को किसी अन्य देश द्वारा दिया गया है। इसके बाद अप्रैल में श्रीलंका की सरकार ने प्रधानमंत्री मोदी को श्रीलंका मित्र विभूषण सम्मान से सम्मानित किया था। श्रीलंका की सरकार यह सम्मान उन देशों के राष्ट्राध्यक्षों को देती है, जिनके श्रीलंका के साथ अच्छे संबंध होते हैं।

पिछले साल दिसंबर में कुवैत ने प्रधानमंत्री मोदी को सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया था। कुवैत के अमीर अमीर शेख मेशाल अल-अहमद अल-जबर अल सबा ने प्रधानमंत्री मोदी को द ऑर्डर ऑफ मुबारक अल कबीर से सम्मानित किया था। नवंबर 2924 में प्रधानमंत्री मोदी को गुयाना और बारबाडोस ने अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया था। गुयाना ने पीएम मोदी को सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान द ऑर्डर ऑफ एक्सीलेंस से सम्मानित किया था, वहीं बारबाडोस में पीएम मोदी को प्रतिष्ठित ऑनररी ऑर्डर ऑफ फ्रीडम ऑफ बारबाडोस सम्मान दिया गया था। डोमिनिका ने भी उन्हें हाल ही में सर्वोच्च सम्मान दिया था।

क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर उनके नेतृत्व के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 2014 से अब तक 20 से ज्यादा देशों के सर्वोच्च राष्ट्रीय पुरस्कारों समेत संयुक्त राष्ट्र का सर्वोच्च पर्यावरण पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया है। पीएम मोदी को साल 2016 में अफगानिस्तान द्वारा स्टेट ऑर्डर ऑफ गाजी अमीर अमानुल्लाह खान, फरवरी 2018 में फिलिस्तीन द्वारा ग्रैंड कॉलर ऑफ द स्टेट ऑफ फिलिस्तीन, अक्टूबर 2018 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा यूएन चैंपियंस ऑफ द अर्थ अवार्ड दिया गया था। वहीं, अप्रैल 2019 में यूएई द्वारा ऑर्डर ऑफ जायद और अप्रैल 2019 में ही रूस द्वारा ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू अवार्ड से सम्मानित किया गया था। इसके अलावा पीएम मोदी को जून 2019 में मालदीव से ऑर्डर ऑफ द डिस्टिंग्विश्ड रूल ऑफ इज्जुद्दीन, अगस्त 2019 में बहरीन द्वारा किंग हमाद ऑर्डर ऑफ द रेनेसां, दिसंबर 2020 में अमेरिका द्वारा लीजन ऑफ मेरिट, दिसंबर 2021 में भूटान द्वारा ऑर्डर ऑफ द ड्रैगन किंग और इस साल मई में फिजी द्वारा ऑर्डर ऑफ फिजी और पापुआ न्यू गिनी द्वारा ऑर्डर ऑफ लोगोहू से सम्मानित किया गया था।

जून 2023 में मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी ने प्रधानमंत्री मोदी को ऑर्डर ऑफ द नाइल पुरस्कार से सम्मानित किया था। यह मिस्र का सर्वोच्च राजकीय सम्मान है। मई 2023 में पापुआ न्यू गिनी द्वारा कंपेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ लोगोहू, मई 2023 में कंपेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ फिजी, मई 2023 में पलाऊ गणराज्य द्वारा एबाकल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। जुलाई 2023 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फ्रांस ने लीजन ऑफ ऑनर से सम्मानित किया था। यह फ्रांस का सर्वोच्च सम्मान है। पीएम मोदी यह सम्मान पाने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री हैं। प्रधानमंत्री मोदी को रूस के सर्वोच्च सम्मान ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू एपोस्टल से सम्मानित किया गया था।

भारत सरकार ने...

यह कार्य करेंगे। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर और लद्दाख और हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में 1 अक्टूबर 2026 से और देश के बाकी हिस्से में 1 मार्च 2027 से जातियों की गणना और जनगणना का कार्य शुरू होगा। जनगणना दो चरणों में की जाएगी। पहले चरण यानी मकान सूचीकरण और मकानों की गणना में प्रत्येक परिवार की आवासीय स्थिति, संपत्ति और सुविधाओं का विवरण एकत्र किया जाएगा। इसके बाद दूसरे चरण (जनसंख्या गणना) में प्रत्येक घर के हर व्यक्ति की जनसांख्यिकीय, सामाजिक-आर्थिक, सांस्कृतिक और अन्य विवरण एकत्र किए जाएंगे।

यह जनगणना भारत की 16वीं तथा स्वतंत्रता के बाद की 8वीं जनगणना होगी। इस बार जनगणना डिजिटल माध्यम से मोबाइल एप्लिकेशन के जरिए की जाएगी। नागरिकों के लिए स्व-गणना (सेल्फ-एन्यूमरेशन) की सुविधा भी उपलब्ध होगी। डाटा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए संग्रह, संचरण और भंडारण के दौरान कड़े सुरक्षा उपाय किए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि पिछली जनगणना वर्ष 2011 में हुई थी और यह जनगणना 16 वर्षों के अंतराल के बाद होगी।

भर्ती परीक्षाओं में...

बल्कि यह जम्मू-कश्मीर में 130 से अधिक साल से इस्तेमाल की जाने वाली एक ऐतिहासिक और प्रशासनिक भाषा है। महाराजा के शासनकाल के दौरान, सभी प्रशासनिक कार्य फ़ारसी में किए जाते थे लेकिन बाद में उर्दू को एक एकीकृत भाषा के रूप में अपनाया गया। सादिक ने कहा, हर मुद्दे को धार्मिक चश्मे से देखना गलत है। शजरा (या पैतृक भूमि अभिलेख) लंबे समय से उर्दू में लिखे जाते रहे हैं और अब उन सभी दस्तावेजों को बदलना संभव नहीं है। न्यायपालिका और राजस्व सहित प्रशासन में उर्दू की ऐतिहासिक भूमिका को स्वीकार करने की आवश्यकता है।

उल्लेखनीय है कि 9 जून को दो सरकारी भर्ती एजेंसियों में से एक, जम्मू और कश्मीर सेवा चयन बोर्ड (जेकेएसएसबी) ने राज्य के राजस्व विभाग में नायब तहसीलदार के 75 पदों के लिए लिखित परीक्षा के लिए अधिसूचना जारी की। हमेशा की तरह, जेकेएसएसबी ने निर्दिष्ट किया कि पदों के लिए लिखित परीक्षा का दूसरा पेपर उम्मीदवार के उर्दू के कामकाजी ज्ञान का परीक्षण करेगा। विभाजन से पहले के समय से ही उर्दू जम्मू-कश्मीर की आधिकारिक प्रशासनिक भाषा रही है। शुरुआती डोगरा काल में फारसी जम्मू-कश्मीर की आधिकारिक भाषा थी, लेकिन एक सदी से भी पहले महाराजा प्रताप सिंह ने उर्दू को एकमात्र आधिकारिक भाषा बना दिया था। जम्मू-कश्मीर राजस्व विभाग में भर्ती के लिए उर्दू का व्यावहारिक ज्ञान हमेशा से एक शर्त रही है, क्योंकि केंद्र शासित प्रदेश में सभी भूमि रिकॉर्ड इसी भाषा में हैं। अगस्त 2019 में जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के बाद सितंबर 2020 में भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने संसद में जम्मू-कश्मीर आधिकारिक भाषा विधेयक 2020 पारित किया, जिसमें चार और भाषाओं कश्मीरी, डोगरी, हिंदी और अंग्रेजी को जम्मू-कश्मीर की आधिकारिक भाषाओं के रूप में पहले से मौजूद उर्दू के साथ जोड़ा गया। विधेयक में कहा गया है कि इन पांच भाषाओं का उपयोग केंद्र शासित प्रदेश में सभी आधिकारिक उद्देश्यों के लिए किया जाएगा।

मंगलवार के टोटके आजमाने से मिलती है बजरंगबली की कृपा

मंगलवार का दिन विशेष रूप से भगवान हनुमान को समर्पित माना गया है। ऐसे में इस दिन भक्त बजरंगबली की पूजा-अर्चना करते हैं और हनुमान चालीसा का पाठ भी करते हैं। माना जाता है कि प्रत्येक मंगलवार के दिन ऐसा करने से व्यक्ति को भगवान हनुमान की विशेष कृपा प्राप्त होती है। वहीं, शास्त्रों में मंगलवार के लिए कुछ उपाय और टोटके भी बताए गए हैं, जिन्हें आजमाने से जीवन की कई समस्याओं और बाधाओं से मुक्ति मिल सकती है। ऐसे में अगर आप बजरंगबली की कृपा प्राप्त करना चाहते हैं या पैसों की तंगी और जीवन की समस्याओं से परेशान हैं, तो कुछ विशेष टोटके आजमा सकते हैं।

जीवन के संकट से मुक्ति पाने का टोटका

अगर आप जीवन में लगातार आने वाले संकटों से परेशान हैं, तो मंगलवार के दिन एक छोटा टोटका आजमा सकते हैं। इसके लिए सुबह जल्दी स्नानादि करके लाल या नारंगी रंग के वस्त्र धारण कर लें। अब सुबह विधि-विधान से बजरंगबली की पूजा करें। साथ ही, शाम के समय हनुमान जी के मंदिर में जाकर उनके सामने तेल का दीपक जलाएं। इस दीये में 5 या 7 काले तिल के दाने डालें और एक आसन पर बैठकर 'ओम हनुमते नमः' मंत्र का 108 बार जाप करें। मंगलवार के इन इस आसान से काम को करने से आपको जीवन के संकटों से निजात मिल सकती है और घर में सुख-समृद्धि आने लगती है। मान्यता है कि ऐसा करने से व्यक्ति को भगवान हनुमान की विशेष कृपा प्राप्त हो सकती है और जीवन में खुशहाली आती है।

धन-दौलत में वृद्धि का टोटका

ज्योतिषशास्त्र में मंगलवार के दिन का बहुत खास महत्व होता है। ऐसे में अगर आप घर या जीवन में पैसों की तंगी का सामना कर रहे हैं, तो इसके लिए एक आसान टोटका आजमा सकते हैं। मंगलवार के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नानादि करें। अब एक तांबे के सिक्के पर लाल या नारंगी सिंदूर से टीका लगाएं और इसे हनुमानजी के मंदिर में जाकर अर्पित कर दें। आप तांबे के सिक्के के स्थान पर एक रुपये का सिक्का भी प्रयोग कर सकते हैं। इसके बाद, विधि-विधान से भगवान हनुमानजी की पूजा करें और हनुमान चालीसा का पाठ करें। पूजा समाप्त होने के बाद अर्पित किए हुए सिक्के को वापस घर ले आएं और इसे अपनी तिजोरी में या धन रखने वाले स्थान पर रख दें। मंगलवार को इस टोटके को करने से जीवन और घर में चल रही आर्थिक तंगी से निजात मिल सकती है। साथ ही, इससे धन-दौलत में भी वृद्धि होती है। अगर आप मंगलवार को यह छोटा सा टोटका करते हैं, तो इससे जीवन की समस्याओं से भी निजात मिल सकती है और बजरंगबली की कृपा से जीवन में सकारात्मकता बनी रहती है।

घर से नकारात्मक ऊर्जा दूर करने का टोटका

मंगलवार के दिन घर के मंदिर में दीपक जलाकर सुबह और शाम के समय हनुमान चालीसा का पाठ अवश्य करना चाहिए। साथ ही, इस दिन एक बाल्टी में थोड़ा सा नींबू का रस और नमक मिलाएं। अब इस पानी से पूरे घर में पोछा लगाएं।

हर मंगलवार के दिन यह काम जरूर करें। ऐसा करने से घर से नकारात्मक ऊर्जा का नाश होने लगता है और इसकी जगह सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। माना जाता है कि मंगलवार को नींबू और नमक वाले पानी से पोछा लगाने से घर में चल रहे लड़ाई-झगड़े भी कम होने लगते हैं और परिवार के सदस्यों के बीच का प्रेम बढ़ता है। इससे घर का माहौल खुशनुमा और शांतिपूर्ण बना रहता है।

मंगल दोष के प्रभाव कम करने का टोटका

अगर किसी व्यक्ति की कुंडली में मंगल दोष हो, तो उसे वैवाहिक जीवन, धन-संपत्ति और स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में इसके अशुभ प्रभावों को कम करने के लिए आप मंगलवार के दिन एक टोटका कर सकते हैं। इस दिन स्नानादि करके भगवान हनुमानजी को सिंदूर जरूर अर्पित करें और 'ओम क्रां क्रीं क्रौं सः भौमाय नमः' मंत्र का जाप करें। माना जाता है कि अगर संभव हो, तो इस मंत्र का जाप 10 हजार बार अवश्य करना चाहिए। साथ ही, 250 ग्राम बताशे को बहते हुए जल में प्रवाहित कर दें। मंगलवार के दिन ऐसा करने से बजरंगबली की कृपा से आपकी किस्मत बदल सकती है और मंगल दोष के प्रभाव भी कम होते हैं।

चांदी के बर्तन का करें उपयोग, मिलेंगे फायदे

चांदी का मानव जीवन में काफी महत्व है। यह काफी कीमती और चमकीली धातु मानी जाती है। इस धातु को शास्त्रों में पवित्र और सात्विक माना गया है। मान्यता है कि चांदी का प्रादुर्भाव भगवान शंकर की आंखों से हुआ है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार यह धातु चन्द्रमा और शुक्र से सम्बन्ध रखती है। चांदी का शरीर के स्वास्थ्य से भी संबंध है। यह मानव शरीर में जल तत्व और कफ को नियंत्रित करती है।

चांदी से मिलती है मन को मजबूती

चांदी के प्रयोग से मन को मजबूती मिलती है और मानसिक शांति का अहसास होता है। शास्त्रों के अनुसार चांदी के प्रयोग से दिमाग काफी तेज चलता है। इसके प्रयोग से चंद्र ग्रह से जुड़ी समस्याओं का निवारण होता है। चांदी धारण करने और चांदी की वस्तुओं के प्रयोग से चंद्र ग्रह की बाधाओं का नाश होता है। चांदी का प्रयोग शुक्र ग्रह की पीड़ा का भी नाश करता है। इसके प्रयोग से कुंडली का कमजोर शुक्र मजबूत होता है और मन प्रसन्न रहता है। इसके प्रयोग से शरीर में जमा विष बाहर निकलता है और त्वचा मुलायम और कांतिवान बनती है।

चांदी के प्रयोग से शुक्र ग्रह होता है बेहतर

चांदी का प्रयोग हमारे दैनिक जीवन में विभिन्न तरीकों से किया जा सकता है। चांदी के बर्तन बनाकर उनका उपयोग किया जा सकता है। साथ ही चांदी के जेवर बनाकर धारण किए जा सकते हैं। ज्योतिष के अनुसार चांदी का छल्ला कनिष्ठा अंगुली में धारण करना बेहतर माना गया है। इसके साथ ही चांदी की चेन गले में पहनना भी काफी फायदेमंद होता है। चांदी के प्रयोग से हार्मोंस की तकलीफ ठीक हो जाती है और वाणी भी बेहतर हो जाती है। इसी तरह चांदी का कड़ा पहनने से कफ़, वात और पित्त नियंत्रित होते हैं। चांदी के गिलास में पानी पीने से सर्दी जुकाम की समस्या में आराम मिलता है। चांदी के बर्तन में शहद लेकर सेवन करने से शरीर को विषैले पदार्थों से मुक्ति मिलती है।

मांगलिक दोष के 3 प्रकार जिनके लिए लाल किताब में लिखे गए हैं ये विशेष उपाय

मांगलिक या फिर कुंडली में मंगल दोष होने की बात सुनते ही ज्यादातर लोग डर जाते हैं। असल में जब कुंडली में पहले, चौथे, सातवें, आठवें और बारहवें भाव में मंगल हो तो मंगल दोष बनता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार मंगल दोष विवाह में बाधा उत्पन्न कर सकता है। इससे वैवाहिक जीवन में समस्याएं आ सकती हैं और संतान प्राप्ति में भी विलंब हो सकता है। इसके अलावा व्यक्ति क्रोधी और अहंकारी हो सकता है, जिससे पारिवारिक रिश्तों में तनाव बढ़ सकता है। लाल किताब में मंगल दोष दूर करने के कई उपाय बताए गए हैं।

मंगल दोष तीन प्रकार के होते हैं

ज्योतिष के अनुसार, मंगल तीन तरह का होता है: सौम्य, मध्यम और कड़क। सौम्य मंगल का कोई दोष नहीं होता। मध्यम मंगल का दोष 28 साल की उम्र के बाद समाप्त हो जाता है। लेकिन, कड़क मंगल के दोष को शांत करना जरूरी होता है।

तीन तरह के मंगल दोष का महत्व

-कुंडली में मंगल ग्रह किसी शुभ ग्रह के साथ या उस पर किसी शुभ ग्रह की दृष्टि पड़ रही है तो वह सौम्य मंगल कहलाता है।

-मध्यम मंगल तब होता है, जब मंगल शुभ ग्रहों के साथ बैठा हो और उस पर अशुभ ग्रहों की दृष्टि हो या इसका उल्टा हो।

-मंगल ग्रह के साथ कोई पापी ग्रह विराजमान हो या उस पर उन ग्रहों की दृष्टि हो तो वह कड़क मंगल या उच्च मांगलिक दोष भी कहा जाता है इसलिए, मंगल की स्थिति के अनुसार ही उपाय करने चाहिए।

लाल किताब के अनुसार मंगल दोष दूर करने के लिए करें ये उपाय

हनुमान जी की आराधना करने से मंगल दोष शांत हो जाता है। विशेषकर हर मंगलवार को हनुमान जी की उपासना करनी चाहिए और अगर संभव हो, तो हर मंगलवार को व्रत भी रखना चाहिए।

मंगलवार के दिन मसूर की दाल, गुड़ और मिश्री का दान किसी गरीब या जरुरतमंद इंसान को जरूर देना चाहिए।

मंगल दोष को शांत करने के लिए सफेद रंग का सुरमा आंखों में डालना चाहिए।

घर आए मेहमान को मीठा शरबत जरूर पिलाएं।

मंगल की शांति के लिए ये उपाय भी कारगर

मंगल की शांति के लिए हर मंगलवार को वटवृक्ष की जड़ में मीठा दूध चढ़ाना चाहिए।

-चिड़ियों को चावल के दाने, बंदरों को गुड़-चना और कुत्ते को भोजन खिलाएं।

-मंगलवार के दिन एक किलो बताशे मंदिर में जाकर बांटे।

-गरीबों को अनाज, पानी और वस्त्र दान करें।

मरे हुए लोगों की इन 4 चीजों का भूलकर भी न करें इस्तेमाल, गरुण पुराण से जानें इसका कारण

मृत्यु एक अटल सत्य है। कहते हैं जिसका जन्म हुआ है उसकी मृत्यु पहले से ही तय कर दी जाती है। लेकिन, गरुण पुराण के अनुसार, जब कोई अपना बेहद करीबी इंसान गुजर जाता है तो व्यक्ति पूरी तरह से शोक में डूब जाता है। मृत्यु के बाद आत्मा की एक नई यात्रा प्रारंभ होती। इस दौरान हम कुछ ऐसी गलतियां कर बैठते हैं जिसका खामियाजा आत्मा को भुगतना पड़ता है। जब व्यक्ति की मृत्यु हो जाती है तो उसके बाद उसका सामान को लेकर मन में वहम रहता है कि उनसे जुड़ी कौनसी चीजों का इस्तेमाल करना चाहिए और कौनसी नहीं। गरुण पुराण में बताया गया है कि मृत व्यक्ति की कुछ ऐसी चीजें है जिनका इस्तेमाल भूलकर भी नहीं करना चाहिए।

क्या मरे हुए लोगों के कपड़ों का इस्तेमाल करना चाहिए ?

गरुण पुराण के अनुसार, मृत व्यक्ति के कपड़ों का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। क्योंकि, जो कपड़े व्यक्ति पहनता है उसमें उसकी ऊर्जा रहती है। साथ ही व्यक्ति का अपने कपड़ो से एक अलग ही जुड़ाव रहता है। इसलिए मृत व्यक्ति की कपड़ो का इस्तेमाल खुद न करके इन्हें दान में देना बेहतर रहता है। इसलिए घर परिवार के लोगों को इनका इस्तेमाल नहीं करना चाहिए वरना आत्मा व्यक्ति की ओर आकर्षित हो सकती है और वह इस संसार से अपना मोह नहीं त्याग पाएगी। अगर आप उनके कपड़ो का इस्तेमाल करना चाहते हैं या दान करना चाहते हैं तो उन्हें अच्छे से धोने के बाद ही इस्तेमाल करें।

क्या मरे हुए लोगों के गहने पहन सकते हैं?

गरुण पुराण के अनुसार, मृत व्यक्ति के गहनों का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। यदि मृत व्यक्ति ने मरने से पहले ही अगर अपने गहनों का बंटवारा कर दिया है तो आप उन्हें पहन सकते हैं लेकिन, उनकी मृत्यु के बाद शरीर से उतरे हुए गहनों

क्या मरे हुए लोगों के घड़ी पहन सकते हैं ?

गरुण पुराण के अनुसार, मरे हुए लोगों की घड़ी का इस्तेमाल भी नहीं करना चाहिए। क्योंकि, उसमें भी उस व्यक्ति का स्पर्श होता है। इसलिए उसमें भी व्यक्ति की ऊर्जा रहती है।

क्या मरे हुए लोगों के जूते पहन सकते हैं ?

मरे हुए लोगों को जूते नहीं पहनने चाहिए। क्योंकि, उसमें मृत व्यक्ति के पैरों की धूल लगी होती है। ऐसे करने से पितृदोष आदि लग सकता है। हालांकि, यह सब लोक मान्यताओं पर भी आधारित करता है। ऐसा इसलिए भी किया जाता है क्योंकि, मृत व्यक्ति की चीजें अगर लगातार इस्तेमाल होती रहती है तो उसकी यादों से निकलने में मुश्किल होती हैं।

मंगलवार को रवि योग में मेष और कन्या सहित अन्य राशियों पर होगा बजरंगबली का आशिर्वाद

मंगलवार 17 जून को रवि योग में हनुमंत कृपा से मेष और कन्या सहित 5 राशियों के लिए बड़ी सफलता के योग बने हैं। आपको करियर और कारोबार के क्षेत्र में बड़ा लाभ होने की उम्मीद है। साथ ही आपको आर्थिक मामलों में बड़ा लाभ होगा। आपकी तरक्की होगी और कमाई में तेजी से बढ़ोत्तरी होगी। आपने अगर नौकरी के लिए कहीं आवेदन किया है तो आपके लिए कोई अच्छी खबर आ सकती है।

मेष राशि –मेष राशि वालों का दिन शुभ है और आपके लिए आय के नए स्रोत बन रहे हैं। कार्यक्षेत्र में कोई महत्वपूर्ण मीटिंग या डील फाइनल हो सकती है, जिससे भविष्य में उन्नति के द्वार खुलेंगे। आपको ऑफिस में वरिष्ठ लोगों से सहयोग मिलेगा और आपके लिए धन लाभ के योग बने हैं। आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी और कारोबार में शाम को कोई बड़ी डील फाइनल हो सकती है। आपकी भागीदारी सामाजिक आयोजनों में बढ़ेगी और कोई नया मित्र बन सकता है। युवा वर्ग के लिए प्रतियोगी परीक्षा में सफलता की संभावना है।

वृषभ राशि–वृषभ राशि के लोगों का भाग्य साथ देगा और करियर के मामले में कहीं यात्रा पर जाने के योग बन रहे हैं। विदेश से जुड़े मामलों में प्रगति होगी। किसी लंबे समय से रुका हुआ कार्य अब पूरा हो सकता है। उच्च अधिकारियों से संपर्क और सहयोग मिलेगा, जिससे नौकरी में उन्नति की राह प्रशस्त होगी। भूमि या मकान खरीदने के लिए समय अनुकूल है। जीवनसाथी से कुछ विशेष सहयोग मिलेगा। संतान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है। मानसिक रूप से स्थिरता और संतुलन बना रहेगा।

मिथुन राशि–मिथुन राशि के लोगों को हर काम काफी संभलकर करने की सलाह है। कोई रहस्य या लंबे समय से छिपी जानकारी उजागर हो सकती है। यह दिन उन कार्यों के लिए अनुकूल है जिनमें कल्पना, शोध या मानसिक कौशल की आवश्यकता हो। आज आप किसी पुराने कर्ज से मुक्ति पा सकते हैं। आकस्मिक धनलाभ या बीमा, विरासत से संबंधित लाभ के संकेत हैं। पारिवारिक संबंधों में विश्वास बनाए रखें, किसी की बातों में आकर संदेह से बचें। सेहत को लेकर सतर्क रहें, विशेषकर कमर या जोड़ों से जुड़ी परेशानी हो सकती है।

कर्क राशि–कर्क राशि वालों का दिन साझेदारी और पेशेवर रिश्तों के लिहाज से विशेष है। अगर आप बिजनस पार्टनर के साथ किसी प्रॉजेक्ट पर काम कर रहे हैं तो उसके परिणाम सकारात्मक मिल सकते हैं। आपको न्यायिक क्षेत्र, लीगल सलाह या सरकारी अनुबंधों से लाभ हो सकता है। कॉर्पोरेट में कार्यरत जातकों के लिए प्रमोशन या नई भूमिका का प्रस्ताव मिल सकता है। मार्केटिंग, कंसल्टेंसी और क्लाइंट सर्विस से जुड़े लोगों को बड़ा क्लाइंट मिलने की संभावना है। वरिष्ठों से मुलाकात में व्यवहार मधुर रखें।

सिंह राशि–सिंह राशि वालों के लिए कार्यक्षेत्र में साख और व्यावसायिक दक्षता का परीक्षण होगा। आपको एक साथ कई जिम्मेदारियों को निभाना पड़ सकता है, लेकिन आपकी संगठित कार्यशैली और समय प्रबंधन कौशल से सब संभल जाएगा। ऑफिस में आपके सुझावों को गंभीरता से लिया जाएगा। जो लोग पब्लिक सेक्टर या सरकारी विभागों में काम कर रहे हैं उन्हें अतिरिक्त दायित्व दिए जा सकते हैं। वित्तीय मामलों में भी दिन व्यस्त रहेगा। कोई पुराना भुगतान अटक सकता है, पर उसकी प्रक्रिया शुरू होगी। अगर जॉब में बदलाव चाहते हैं तो प्रयास करना लाभप्रद रहेगा।

कन्या राशि–कन्या राशि वालों का दिन इनोवेशन और नया सोचने के लिए आदर्श है। रचनात्मक क्षेत्र जैसे डिजाइनिंग, मीडिया, कंटेंट, एजुकेशन, या आर्ट से जुड़े लोगों को नया अवसर मिल सकता है। किसी पुराने क्लाइंट से दोबारा जुड़ने का संकेत है, जिससे लंबे समय का प्रॉजेक्ट मिल सकता है। प्रबंधन स्तर के लोगों को टीम से सहयोग मिलेगा। स्टार्टअप में हैं तो किसी इन्वेस्टर से मीटिंग या ऑनलाइन पिचिंग का अवसर मिल सकता है। विद्यार्थियों के लिए भी दिन अच्छा है, कोई स्कॉलरशिप या इंटरव्यू की सफलता मिल सकती है।

तुला राशि–तुला राशि के लोग व्यावसायिक और पारिवारिक जिम्मेदारियों में सामंजस्य बैठाने में सक्षम रहेंगे। घर से जुड़े कार्यों की व्यस्तता के बावजूद ऑफिस में आपके काम की प्रशंसा होगी। जो लोग रियल एस्टेट, आर्किटेक्चर या कंस्ट्रक्शन से जुड़े हैं उनके लिए अच्छा समय है। नए प्रॉजेक्ट की शुरुआत हो सकती है। बैंकिंग और सरकारी सेवाओं में कार्यरत लोगों को उच्च अधिकारियों का समर्थन मिलेगा। अगर आप किसी परीक्षा या इंटरव्यू की तैयारी कर रहे हैं तो सफलता के संकेत मिल रहे हैं। शाम को मानसिक शांति के लिए मेडिटेशन करना उपयोगी होगा।

वृश्चिक राशि–वृश्चिक राशि वालों के लिए पराक्रम और आत्मविश्वास में वृद्धि के योग हैं। आपको अचानक किसी महत्वपूर्ण कार्य या मीटिंग की जिम्मेदारी मिल सकती है जिसमें आपकी प्रस्तुति सबका ध्यान खींचेगी। मार्केटिंग, सेल्स, पत्रकारिता और डिजिटल मीडिया से जुड़े जातकों को अच्छा प्रदर्शन करना चाहिए क्योंकि यही आगे का रास्ता खोलेगा। कोई छोटी यात्रा बिजनस के दृष्टिकोण से लाभप्रद हो सकती है। ऑफिस में आपको नई टीम को संभालने का अवसर मिल सकता है। किसी पुराने सहकर्मी या मित्र से जुड़ी व्यावसायिक योजना आगे बढ़ सकती है।

धनु राशि–धनु राशि वालों की वाणी और व्यावसायिक सूझबूझ से आर्थिक क्षेत्र में नए द्वार खुल सकते हैं। व्यापारियों के लिए धन प्राप्ति और लेन-देन में स्थिरता आने के संकेत हैं। वेतनभोगियों को बोनस या अतिरिक्त आय प्राप्त हो सकती है। क्लाइंट मीटिंग्स में आपका प्रभाव मजबूत रहेगा। जॉब बदलने का विचार है तो उस दिशा में कदम बढ़ाना शुभ रहेगा। शिक्षा, लेखन, एडवोकेसी और बैंकिंग सेक्टर से जुड़े जातकों को पदोन्नति या कार्य विस्तार की संभावना बन रही है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर कार्यरत लोग अपने नेटवर्क को बढ़ाने में सफल होंगे।

मकर राशि–मकर राशि वालों को आत्मबल और नेतृत्व क्षमता के बल पर कोई बड़ा और चुनौतीपूर्ण प्रॉजेक्ट मिल सकता है। नई जिम्मेदारियों के साथ-साथ प्रशंसा भी मिलेगी। उच्च अधिकारियों से सहयोग प्राप्त होगा। राजनीति, प्रशासन और रक्षा क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए समय अनुकूल है। बिजनस में टेक्नोलॉजी या मैन्युफैक्चरिंग से जुड़े निवेश करने का योग है। आर्थिक स्थिति बेहतर होगी और कोई लंबी अवधि की योजना शुरू हो सकती है। महिलाओं को करियर में विशेष अवसर प्राप्त हो सकते हैं। दिन प्रॉडक्टिव रहेगा।

कुंभ राशि–कुंभ राशि वालों के लिए दिन की शुरुआत थोड़ी उलझनों से हो सकती है, लेकिन जैसे-जैसे दिन बढ़ेगा, स्थिति नियंत्रण में आएगी। विदेशी कंपनियों, मल्टीनेशनल या आईटी क्षेत्र से जुड़े लोग किसी महत्वपूर्ण प्रॉजेक्ट को फाइनल कर सकते हैं। यदि आप दूरसंचार, मेडिकल या साइबर सुरक्षा से जुड़े हैं तो दिन अत्यंत लाभप्रद है। कोई पुराना ईमेल, कॉल या कांट्रैक्ट अचानक लाभ दिला सकता है। अगर स्टडी या जॉब के लिए विदेश जाना चाहते हैं तो महत्वपूर्ण समाचार मिल सकता है। खर्चों पर नियंत्रण रखें, लाभ की संभावना बनी रहेगी।

मीन राशि–मीन राशि वालों के लिए करियर में नई ऊंचाइयों तक पहुंचने की संभावना बन रही है। अगर आप नौकरी कर रहे हैं तो प्रमोशन या बड़ी ज़िम्मेदारी मिलने के संकेत हैं। व्यवसाय में कोई पुराना क्लाइंट बड़ी डील के लिए संपर्क कर सकता है। नेटवर्किंग बढ़ेगी और उसका लाभ आपको भविष्य में मिलेगा। डिजिटल प्लेटफॉर्म, ग्राफिक्स, टेक्नोलॉजी और रिटेल सेक्टर के लिए विशेष सफलता का समय है। अगर आप किसी संस्था के प्रमुख हैं तो आपको सम्मान या पुरस्कार भी मिल सकता है।

फिल्म शिवा से नागार्जुन ने किया था बॉलीवुड डेब्यू

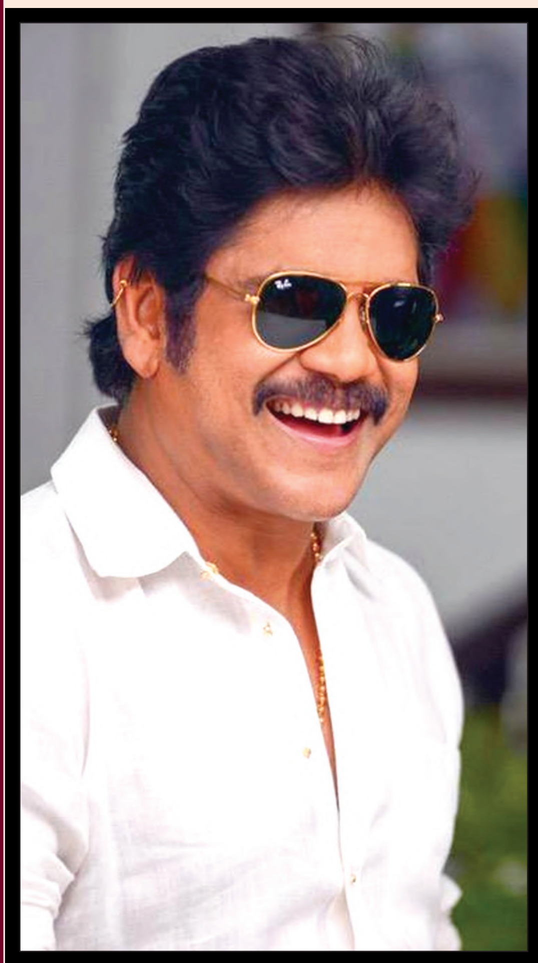

साउथ सुपरस्टार नागार्जुन ने अपने करियर में कई फिल्मों में काम किया है। इन फिल्मों को फैंस ने काफी पसंद भी किया है। वे बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री में भी एक सफल एक्टर के तौर पर जाने जाते हैं।

नागार्जुन ने सुडिगुंडलु फिल्म से साल 1968 में अपना डेब्यू किया था। वे तेलुगू फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा रहे हैं। 22 सालों तक तेलुगू इंडस्ट्री में बड़ा नाम कमाने के बाद नागार्जुन ने हिंदी फिल्मों में अपना डेब्यू किया। वे शिवा नाम की फिल्म में नजर आए जिसे फैंस द्वारा काफी पसंद किया। ये फिल्म पहले राम गोपाल वर्मा ने तेलुगू में बनाई थी इसके बाद उन्होंने ये फिल्म हिंदी में बनाई। वे इस फिल्म के राइटर भी थे। फिल्म का संगीत इलय्याराजा ने दिया था।

नागार्जुन की इस फिल्म की बात करें तो पहले ये फिल्म तेलुगू में बनी थी और सुपरहिट रही थी। इसके बाद फिल्म ने हिंदी में भी दमदार कलेक्शन किया। रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म का बजट 2 करोड़ रुपए के आसपास था और इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 3.5 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया था। फिल्म सुपरहिट रही थी और इस फिल्म ने ही नागार्जुन को रातोंरात बड़ा सुपरस्टार बना दिया था।

साउथ सुपरस्टार नागार्जुन की बात करें तो

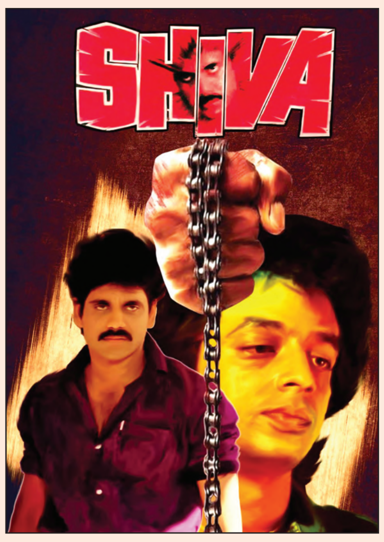

उन्होंने ब्रह्मास्त्र और शिवा के अलावा अमिताभ बच्चन और श्रीदेवी की फिल्म खुदा गवाह में भी काम किया था। इसमें वे इंस्पेक्टर के रोल में नजर आए थे। इसके बाद वे उर्मिला मातोंडकर के अपोजिट द्रोही फिल्म में नजर आए थे। इस फिल्म में उनका लीड रोल था। वे अनिल कपूर की फिल्म मिस्टर बेचारा में भी सपोर्टिंग रोल में नजर आए थे। इसके अलावा वे क्रिमिनल, जख्म, अंगारे, अग्नि वर्षा और एलओसी कारगिल जैसी फिल्मों का हिस्सा रहे हैं।

न डांस आता, न फाइट कर पाता था

अभिनेता जॉनी लीवर ने गिनाई शाहरुख खान की कमजोरियां!

बॉलीवुड में कई ऐसे स्टार्स हैं, जिन्होंने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत टीवी से की थी। इसके बाद वो बड़ा सपना लिए फिल्मी दुनिया में आए थे। शाहरुख खान जैसे दिग्गज एक्टर भी टीवी सीरियल्स में काम कर चुके हैं। शाहरुख को दूरदर्शन के कई सीरियल्स में देखा गया। हालांकि जल्द ही अभिनेता ने बॉलीवुड की राह चुन ली थी और साल 1992 की फिल्म 'दीवाना' से हिंदी सिनेमा में अपने कदम रख दिए।

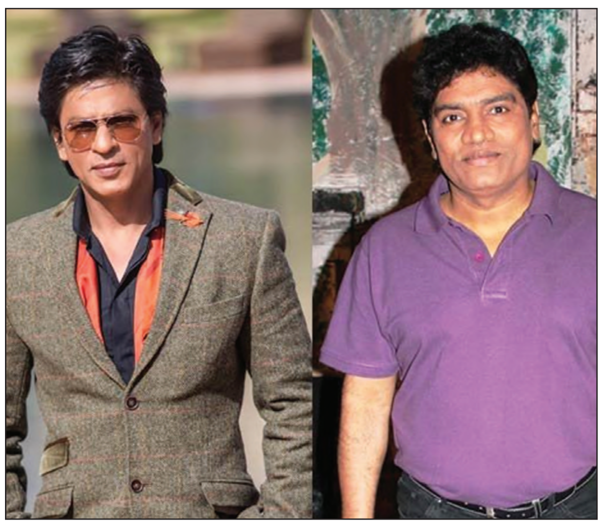

पहली ही फिल्म से शाहरुख खान को पहचान मिल गई थी। इसके बाद 'डर' और 'बाजीगर' जैसी पिक्चर से वो स्टार बन गए थे। फिर उन्होंने 'करण अर्जुन' और 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' से और भी कमाल कर दिया। हालांकि करियर के शुरुआती सालों में शाहरुख डांस और फाइट सीन करने में कमजोर थे। ये हम नहीं कह रहे हैं, बल्कि उनके साथ काम कर चुके बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता जॉनी लीवर ने कहा है। उन्होंने एक इंटरव्यू में शाहरुख की खामियां गिनाई थीं।

करण अर्जुन में भी जॉनी लीवर ने शाहरुख खान के साथ काम किया था। इस फिल्म में अमरीश पुरी, काजोल, ममता कुलकर्णी, रानी गुलजार, सलमान खान, आसिफ शेख, अशोक सराफ और अर्जुन जैसे दिग्गज कलाकार भी थे। करण जौहर के डायरेक्शन में बनी करण अर्जुन 1995 में आई थी और सुपरहिट रही। इसके गाने 'भंगड़ा पाले आजा आजा' में शाहरुख और सलमान ने अपनी हीरोइनों के साथ मिलकर जमकर डांस किया था। लेकिन शाहरुख के लिए ये आसान नहीं था।

जॉनी लीवर ने साल 2024 में यूट्यूबर से बातचीत में शाहरुख को लेकर बड़ा खुलासा किया था। रणवीर ने जॉनी से सवाल किया था, शाहरुख खान जब यंग थे तब आपको पता था कि वो आगे जाकर बादशाह बन जाएंगे। उनमें खासियत क्या है? इस पर जॉनी ने कहा था, शाहरुख खान फाइट वगैरह में कमजोर थे। डांस में कमजोर थे। हम लोग जब करण अर्जुन कर रहे थे तब सलमान एक टेक में शॉट कर लेते थे। लेकिन इनकी (शाहरुख) वजह से रीटेक हो जाते थे। लेकिन वो बार-बार प्रैक्टिस करते थे। जॉनी ने आगे कहा, शूटिंग के बाद होटल के कमरे में भी शाहरुख प्रैक्टिस करते रहते थे। सलमान तब फिरकी लेता था, मजाक करता था। मजाक उड़ाता था शाहरुख का। उस आदमी ने मेहनत करके अपने आपको बनाया है। डांस में भी बढ़िया बन गए। फाइट वगैरह में भी बढ़िया बन गए।

द बंगाल फाइल्स : 100 साल के किरदार के लिए पल्लवी जोशी ने खुद को ऐसे किया तैयार

अभिनेत्री-निर्माता पल्लवी जोशी अपनी अपकमिंग फिल्म 'द बंगाल फाइल्स' में 100 साल की 'मां भारती' के किरदार में नजर आएंगी। यह उनके करियर का सबसे चुनौतीपूर्ण रोल है। उन्होंने इस किरदार के लिए की गई मेहनत, मेकअप और भावनात्मक तैयारियों के बारे में खुलकर बात की।

पल्लवी ने बताया, 100 साल की उम्र का किरदार निभाना बहुत मुश्किल था। ज्यादातर प्रोस्थेटिक से मैं डरावनी लग रही थी, जो हम नहीं चाहते थे। मां भारती को मासूम, प्यारी और सभी के लिए आत्मीय दिखना था।उन्होंने अपनी दादी को प्रेरणा बताया, जिन्हें उन्होंने बेहद प्यारी बताया।

पल्लवी ने कहा, मैंने छह महीने तक किरदार के लुक पर काम किया। मैंने अपनी त्वचा को रूखा दिखाने के लिए स्किनकेयर तक छोड़ दिया। मां भारती के डिमेंशिया का मैंने

इतना अभ्यास किया कि यह मेरे लिए स्वाभाविक हो गया। मैं अपनी दादी को इस रोल के लिए प्रेरणा मानती हूं। मेरी तकनीकी टीम ने भी पूरा सहयोग दिया।

'द बंगाल फाइल्स' का निर्देशन विवेक रंजन अग्निहोत्री ने किया है और इसे पल्लवी जोशी और अभिषेक अग्रवाल ने प्रोड्यूस किया है। इस फिल्म में मां भारती का किरदार शानदार और पवित्रता का प्रतीक है। खास बात है कि पल्लवी भारतीय सिनेमा में 100 साल की उम्र का किरदार निभाने वाली पहली अभिनेत्री बनेंगी।

गंभीर मुद्दों पर फिल्म बनाने के लिए मशहूर विवेक रंजन 'द कश्मीर फाइल्स', 'वैक्सीन वॉर' जैसी फिल्मों का निर्माण कर चुके हैं।

बंगाल की त्रासदी और हिंदू नरसंहार पर बनी 'द बंगाल फाइल्स' में अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती के साथ अनुपम खेर, गोविंद नामदेव, पुनीत इस्सर, बब्बू मान और पालोमी घोष भी अहम भूमिकाओं में हैं।फिल्म निर्माताओं ने हाल ही में फिल्म का टीजर जारी किया है, जिसमें हर एक किरदार दर्द और तड़प में डूबा नजर आया।

कृष्णा श्रॉफ क्यों मानती हैं कि चीट डे आपके फिटनेस लक्ष्यों को नुकसान पहुंचा रहे हैं

फिटनेस की दुनिया लंबे समय से चीट मील्स की अवधारणा को लेकर मतभेद बना हुआ है। और फिटनेस आइकन और एंटरप्रेन्योर कृष्णा श्रॉफ ने अपनी स्पष्ट राय रख दी है। जहां कई फिटनेस प्रेमी साप्ताहिक चीट मील्स को मानसिक रीसेट का ज़रिया मानते हैं और इसे अपनाने की सलाह देते हैं, वहीं कृष्णा का इस विचार के प्रति नजरिया बिल्कुल अलग है और यह पारंपरिक सोच को चुनौती देता है। उन्होंने पारंपरिक चीट मील नियमों से हटकर इन्ट्यूटिव ईटिंग (अंतरदृष्टि आधारित भोजन) को अपनाया है, जो यह दिखाता है कि स्थायी फिटनेस केवल प्रतिबंध और इनाम के चक्र पर आधारित नहीं होनी चाहिए, बल्कि खाने के साथ संतुलित संबंध बनाने के बारे में है।

कृष्णा कहती हैं: मेरे लिए अब कोई चीट मील डे नहीं होता। जब मैंने अपनी फिटनेस जर्नी शुरू की थी, तब मैं यह नियम जरूर अपनाती थी कि हफ्ते में एक बार चीट मील लिया जाए। लेकिन अब जब मैं इस सफर में कुछ आगे बढ़ चुकी हूं, तो मुझे समझ में आया है कि ऐसा करना मुझे मेरी प्रगति से दो कदम पीछे ले जाता है। इसलिए मैं अब अपने पसंदीदा खाने को ही अपनी डाइट में शामिल कर लेती हूं।

मैं इसे डाइट भी नहीं कहूंगी, क्योंकि मैं सच में डाइटिंग नहीं कर रही। मैं अब इन्ट्यूटिव ईटिंग कर रही हूं, और यह एक अभ्यास की तरह है। जैसे-जैसे इस क्षेत्र में अनुभव बढ़ता है, वैसे-वैसे आप भी इसे बेहतर तरीके से कर सकते हैं। इसलिए मेरे लिए, मैं अपने पसंदीदा भोजन को अपने खाने में शामिल करना बेहतर है ताकि मुझे कभी ओवर-ईटिंग की इच्छा न हो और फिर पछतावा महसूस न हो कि मैंने अपनी मेहनत पर पानी फेर दिया!

कृष्णा का यह दृष्टिकोण पोषण के प्रति एक परिपक्व समझ को दर्शाता है, जो उस या सब कुछ या कुछ नहीं वाली मानसिकता से परे है, जो अक्सर फिटनेस बर्नआउट (थकावट) की वजह बनती है। यह तरीका न केवल उनके शरीर की ज़रूरतों के अनुसार उनके खाने को अनुकूल करता है, बल्कि चीट मील्स के पीछे की मानसिक जरूरत और भावनात्मक उथल-पुथल को भी समाप्त करता है। इस पद्धति से न केवल ओवर-ईटिंग और अपराधबोध का चक्र टूटता है, बल्कि फिटनेस को एक अस्थायी समाधान के बजाय एक स्थायी लाइफ स्टाइल विकल्प बनाता है।

फिल्म जाने भी दो यारों से हटा दिया गया था नीना गुप्ता का अहम ट्रैक

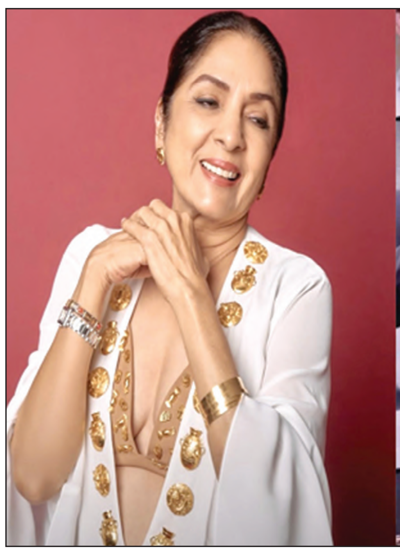

अपनी अपकमिंग फिल्म 'मेट्रो...इन दिनों' की रिलीज का इंतजार कर रहीं अभिनेत्री नीना गुप्ता ने अपनी क्लासिक फिल्म 'जाने भी दो यारों' को लेकर खुलासा किया। उन्होंने बताया कि इस फिल्म से उनके किरदार का एक महत्वपूर्ण ट्रैक एडिटिंग के दौरान हटा दिया गया था।

समाचार एजेंसी से बातचीत में नीना ने बताया, मेरे और अभिनेता रवि बासवानी का एक पूरा ट्रैक था, जो फिल्म के अंतिम संस्करण से हटा दिया गया। यह ट्रैक रिहर्सल के दौरान ही काट दिया गया था। दरअसल, स्क्रिप्ट काफी लंबी थी। हम रिहर्सल और स्क्रिप्ट रीडिंग करते थे, लेकिन निर्माताओं को लगा कि फिल्म बहुत लंबी हो रही है, इसलिए उन्होंने हमारे ट्रैक को हटाने का फैसला लिया था।

नीना ने यह भी बताया कि उन्होंने 'जाने भी दो यारों' के सीक्वल की स्क्रिप्ट पढ़ी थी, जो काफी लंबी थी। इस सीक्वल में उनका किरदार मजेदार था। हालांकि, यह फिल्म बन नहीं सकी और नीना का मानना है कि यह अच्छा ही हुआ। उन्होंने कहा, जो चीज क्लासिक है, उसे दोबारा नहीं बनाना चाहिए। यह फिल्म अपने आप में खास है।

फिल्म 'मेट्रो...इन दिनों' के निर्देशक अनुराग बसु की भी नीना ने तारीफ की। उन्होंने बताया कि अनुराग बहुत सहज और रचनात्मक हैं। वह शूटिंग के आखिरी पल तक नए विचार लाते हैं और पूरी स्क्रिप्ट उनके दिमाग में रहती है। नीना ने कहा कि अनुराग के साथ काम करने का सबसे अच्छा हिस्सा उनकी ऑन-स्पॉट सुधार करने की कला है।

वर्कफ्रंट की बात करें तो अदाकारा अनुराग बसु के निर्देशन में बनी उनकी फिल्म 'मेट्रो...इन दिनों' 4 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होने को तैयार है।

सीनियर एक्ट्रेस के साथ फिल्म में अली फजल, आदित्य रॉय कपूर, सना फातिमा, सारा अली खान, पंकज त्रिपाठी, कोंकणा सेन शर्मा और अनुपम खेर मुख्य भूमिकाओं में हैं।भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, अनुराग बसु और तानी बसु ने गुलशन कुमार, टी-सीरीज, अनुराग बसु प्रोडक्शंस के साथ मिलकर इसका निर्माण किया है, जिसका निर्देशन अनुराग बसु ने किया है, जबकि संगीत प्रीतम ने दिया है।

बॉलीवुड की गर्ल-नेक्स्ट-डोर, मॉडलिंग के लिए छोड़ दी थी पढ़ाई, ऐसे मिली सपनों को उड़ान

बॉलीवुड की टैलेंटेड, सीधी-सादी और खूबसूरत अभिनेत्री का नाम लिया जाए तो अभिनेत्री अमृता राव उस लिस्ट में टॉप पर आती हैं। राव अपनी सादगी और बेहतरीन अभिनय से दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाने में सफल रहीं। 'गर्ल-नेक्स्ट-डोर' वाली भूमिकाएं निभा पहचान मिली तो सपनों को नई पंख भी लग गए। 17 जून 1981 को मुंबई में जन्मी अमृता ने न केवल अपने अभिनय बल्कि अपने जीवन के दिलचस्प किस्सों और प्रेरणादायक सफर से भी फैंस का दिल जीता। उनकी जिंदगी का सफर मेहनत और जुनून से भरा है।

अमृता ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा अंधेरी, मुंबई के कैनोसा गर्ल्स स्कूल से पूरी की। इसके बाद सोफिया कॉलेज, मुंबई में मनोविज्ञान में स्नातक की पढ़ाई शुरू की। हालांकि, मॉडलिंग और अभिनय के प्रति उनका गहरा प्रेम ज्यादा दिनों तक रोक नहीं सका और उन्होंने पढ़ाई बीच में छोड़कर मॉडलिंग में करियर बनाने का फैसला लिया। यह फैसला उनके लिए आसान नहीं था, लेकिन मॉडलिंग में मिली शुरुआती सफलता ने उनके सपनों को नई उड़ान दी। कई विज्ञापनों में काम किया, पहचान बढ़ी तो हिंदी सिने जगत में एंट्री आसान हो गई।

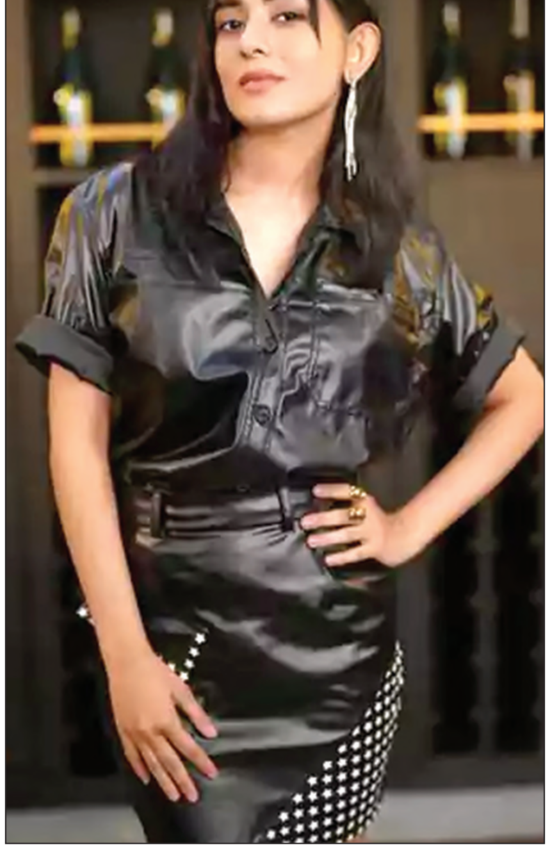

साल 2002 में अमृता ने 'अब के बरस' से बॉलीवुड में कदम रखा। फिर शाहिद कपूर के साथ 'इश्क विश्क', 'मैं हूं ना', 'विवाह', और 'मस्ती' जैसी फिल्मों में शानदार काम किया। किरदार ऐसे जो सादे-सच्चे और अपने परिवार का हिस्सा लगते थे। बेलौस मुस्कान और नैचुरल एक्टिंग ने उन्हें हर उम्र के दर्शकों का चहेता बना दिया। साल 2013 में आई 'जॉली एलएलबी' में निभाई भूमिका से ख्याति और बढ़ी, उन्होंने अरशद वारसी के साथ स्क्रीन शेयर की थी।

अमृता का निजी जीवन भी उनकी फिल्मों की तरह प्रेरणादायक है। सात साल तक रेडियो जॉकी अनमोल सूद को डेट करने के बाद, 15 मई 2016 को एक सादे समारोह में उनसे शादी की। एक इंटरव्यू के दौरान अमृता राव ने बताया था कि उन्होंने अपनी शादी में 1 लाख रुपए के करीब ही खर्च किए थे। साल 2020 में बेटे 'वीर' को जन्म दिया।लंबे ब्रेक के बाद अमृता राव एक बार फिर 'जॉली एलएलबी 3' से बड़े पर्दे पर वापसी करने को तैयार हैं। 'जॉली एलएलबी 3' में अरशद वारसी और अक्षय कुमार के साथ नजर आएंगी। फिल्म का पहला हिस्सा दर्शकों के बीच खूब पसंद किया गया था, और अब तीसरे भाग पर सबकी नजर है।अमृता राव फिलहाल पति आरजे अनमोल के साथ 'कपल ऑफ थिंग्स' नाम का यूट्यूब चैनल चलाती हैं, जिसमें वह कई सितारों से रूबरू होती हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

मानसिक दबाव के बावजूद आपकी सेहत अच्छी रहेगी। धन की आवाजाही आज दिन भर होती रहेगी और दिन ढलने के बाद आप बचत करने में भी सक्षम हो पाएंगे। जो लोग आपके क़रीब हैं, वे आपका ग़लत फ़ायदा उठा सकते हैं। आपका साहस आप–को प्यार दिलाने में सफल रहेगा। आज आप दूसरे दिनों की तुलना में अपने लक्ष्यों को कुछ ज़्यादा ही ऊँचा तय कर सकते हैं। अगर परिणाम आपकी उम्मीद के मुताबिक़ न आए, तो निराश न हों। अगर आप शादीशुदा हैं और आपके बच्चे भी हैं तो वो आज आपसे शिकायत कर सकते हैं क्योंकि आप उनको पर्याप्त समय नहीं दे पाते।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

सिर्फ़ अक़्लमंदी से किया गया निवेश ही फलदायी होगा– इसलिए अपनी मेहनत की कमाई सोच–समझ कर लगाएँ। कुछ भी चालाकी भरे काम को करने से बचें। मानसिक शांति के लिए इस तरह के कामों में से दूर रहें। आज आप अपने जीवन की परेशानियों को अपने संगी से साझा करना चाहेंगे लेकिन वो अपनी परेशानियों के बारें में बता के आपको और ज्यादा परेशान कर देंगे। कार्यक्षेत्र में हालात आपके पक्ष में रुख़ करते मालूम होंगे। आप उन लोगों की तरफ़ वादे का हाथ बढ़ाएंगे, जो आपसे मदद की गुहार करेंगे। शाम के खाने के साथ चीज़ें मन मुताबिक होंगी ।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

अगर आप आय में वृद्धि के स्रोत खोज रहे हैं, तो सुरक्षित आर्थिक परियोजनाओं में निवेश करें। बच्चे उम्मीदों पर खरे न उतरकर आपको निराश कर सकते हैं। सपनों को साकार करने के लिए उन्हें प्रोत्साहन देने की ज़रूरत है । जो अपने काम पर एकाग्र रहेंगे, उन्हें पुरस्कार और फ़ायदा दोनों ही मिलेंगे। शाम का वक्त अच्छा रहे इसके लिए आपको दिनभर मन लगाकर काम करने की जरुरत है। आपके और आपके जीवन साथी के बीच विश्वास की कमी रह सकती है। जिससे आज वैवाहिक जीवन में तनाव हो सकता है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपको समझ आ सकता है कि धन को बिना सोच विचारे खर्च करना आपको कितना नुक्सान पहुंचा सकता है. अपने दिन की योजना सावधानी से तय करें। ऐसे लोगों से बात करें, जो आपकी मदद कर सकते हैं। जिनकी सगाई हो चुकी है, वे अपने मंगेतर से बहुत–सी ख़ुशियाँ पाएंगे। नई परियोजनाओं और कामों को अमली जामा पहनाने के लिए बेहतरीन दिन है। मुमकिन है कि आपके अतीत से जुड़ा कोई शख़्स आज आपसे संपर्क करेगा और इस दिन को यादगार बना देगा। आपका जीवनसाथी आज ऊर्जा और प्रेम से भरपूर है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

अगर आपकी योजना बाहर घूमने–फिरने की है तो आपका वक़्त हँसी–ख़ुशी और सुकून भरा रहेगा। किसी करीबी दोस्त की मदद से आज कुछ करोबारियों को अच्छा–खासा धन लाभ होने की संभावना है। यह धन आपकी कई परेशानियों को दूर कर सकता है। कुछ लोग जितना कर सकते हैं, उससे कई ज़्यादा करने का वादा कर देते हैं। आपकी मुलाक़ाता एक ऐसे दोस्त से होगी, जिसे आपका ख़याल है और जो आपको समझता भी है। अगर परिणाम आपकी उम्मीद के मुताबिक़ न आए, तो निराश न हों। जीवनसाथी के साथ आज की शाम वाक़ई कुछ ख़ास होने वाली है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अपनी ऊर्जा का इस्तेमाल किसी मुश्किल में फँसे इंसान की मदद करने के लिए करें। अगर आप पार्टी करने की सोच रहे हैं, तो अपने अपने अच्छे दोस्तों को बुलाएँ। ऐसे कई लोग होंगे, जो आपका उत्साह बढाएंगे। सावधान रहें, क्योंकि कोई आपकी छवि धूमिल करने की कोशिश कर सकता है। दफ़्तर में हुए बदलावों से आपको आख़िरकार लाभ ही मिलेगा। इस राशि वालों को आज खुद के लिए काफी समय मिलेगा। इस समय का उपयोग आप अपने शोकों को पूरा करने में कर सकते हैं। आप कोई किताब पढ़ सकते है जीवनसाथी के साथ वाद–विवाद होने की काफ़ी संभावना है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आँखों के मरीज़ प्रदूषित जगहों पर जाने से बचें, क्योंकि धूँआ आपकी आँखों को और नुक़सान पहुँचा सकता है। अपने बच्चों के लिए कुछ ख़ास योजना बनाएँ। सुनिश्चित करें कि आपकी योजनाएँ यथार्थवादी हैं और उन्हें अमली जामा पहनाना मुमकिन है। आने वाले पीढ़ी इस तोहफ़े के लिए आपको हमेशा याद रखेगी। प्रेम–जीवन में आशा की नयी किरण आयेगी। सफ़र के लिए दिन ज़्यादा अच्छा नहीं है। आपका जीवनसाथी किसी फ़रिश्ते की तरह आपका बहुत ध्यान रखेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आप खेल–कूद में हिस्सा ले सकते हैं, जो आपको तन्दुरुस्त बनाए रखेगा। यूं तो आज आर्थिक पक्ष अच्छा रहेगा लेकिन इसके साथ ही आपको यह ध्यान भी रखना होगा कि आप अपने पैसे को व्यर्थ में खर्च न करें। परिवार की स्थिति आज वैसी नहीं रहेगी जैसा आप सोचते हैं। आज घर में किसी बात को लेकर कलह होने की संभावना है ऐसी स्थिति में खुद पर काबू रखें। किसी दिलचस्प इंसान से मिलने की प्रबल संभावना है। नई परियोजनाओं और कामों को अमली जामा पहनाने के लिए बेहतरीन दिन है। अपने किस मित्र के साथ आज समय बिता सकते हैं ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

अपने पैसे को संचय करने के लिए आज अपने घर के लोगों से आपको बात करने की जरुरत है। उनकी सलाह आपकी आर्थिक स्थिति को सुधारने में मददगार होगी। जब आप अकेलापन महसूस करें तो अपने परिवार की मदद लीजिए , यह समझदारी भरा फ़ैसला लेने में आपकी मदद करेगा। मार्केटिंग के क्षेत्र में काम करने की आपकी महत्वाकांक्षा फलीभूत हो सकती है। इससे आपको बेहद ख़ुशी मिलेगी और इस काम को पाने के लिए झेली गयी सारी मुसीबतें मिट जाएंगी। अगर आप ख़रीदारी पर जाएँ तो ज़रूरत से ज़्यादा जेब ढीली करने से बचें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपकी सेहत ठीक रहेगी, लेकिन यात्रा आपके लिए थकाऊ और तनावपूर्ण साबित हो सकती है। जीवनसाथी से पैसों से जुड़े किसी मुद्दे को लेकर आज बहस होने की आशंका है। आज आपकी फिजुलखर्ची पर आपका साथी आपको लेक्चर दे सकता है। नयी चीज़ों पर ध्यान लगाएँ और अपने सबसे अच्छे दोस्त की मदद लें। तब तक कोई वादा न करें, जब तक आप ख़ुद यह न जानते हों कि आप उसे हर क़ीमत पर पूरा करेंगे। दीर्घावधि में कामकाज के सिलसिले में की गयी यात्रा फ़ायदेमंद साबित होगी। अपने जीवनसाथी के किसी छोटी बात को लेकर बोले गए झूठ से आप आहत महसूस कर सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज के दिन आप ऊर्जा से लबरेज़ रहेंगे और मुमकिन है कि अचानक अनदेखा मुनाफ़ा भी मिले। दिन के उत्तरार्ध में अचानक आई कोई अच्छी ख़बर पूरे परिवार को ख़ुशी देगी। आज ही लंबे वक़्त से चले आ रहे झगड़ों को सुलझा लें, क्योंकि हो सकता है कि कल बहुत देर हो जाए। आपके बॉस किसी भी बहाने में दिलचस्पी नहीं ज़ाहिर करेंगे । सेमिनार और प्रदर्शनी आदि आपको नई जानकारियाँ और तथ्य मुहैया कराएंगे। जीवनसाथी का बर्ताव आपके पेशेवर रिश्तों पर ग़लत असर डाल सकता है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

वैसे तो अपना पैसा दूसरे को देना किसी को पसंद नहीं आता लेकिन आज आप किसी जरुरतमंद को पैसा देकर सुकून का अनुभव करेंगे। वैवाहिक बंधन में बंधने के लिए अच्छा समय है। आज आपके पास अपनी धनार्जन की क्षमता को बढ़ाने के लिए ताक़त और समझ दोनों ही होंगे। आपका कम्यूनिकेशन और काम करने की क्षमता असरदार सिद्ध होंगे। आपके आस–पास के लोग कुछ ऐसा कर सकते हैं, जिसके चलते आपका जीवनसाथी आपकी तरफ़ फिर से आकर्षित महसूस करेगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 17 जून 2025, मंगलवार
विक्रम संवत : 2082
मास : आषाढ़,कृष्ण पक्ष
तिथि : षष्ठी दोपहर 02:49 तक
नक्षत्र : शतभिषा रात्रि 01:02 तक
योग : विष्कुंभ प्रातः 09:33 तक
करण : वणिज दोपहर 02:49 तक
चन्द्रराशि : कुंभ
सूर्योदय : 05:42 , सूर्यास्त 06:52 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:54 , सूर्यास्त 06:47 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:45 , सूर्यास्त 06:41 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:35 , सूर्यास्त 06:41 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : पंचक चालू है , भद्रा दोपहर 02:47 से रात्रि 02:15 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

प्रवासी भाई-बहनों के सहयोग से प्रदेश बनेगा अग्रणी : भजनलाल

जयपुर, 16 जून (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थानियों ने अपने सामर्थ्य की बदौलत विश्वभर में प्रदेश का मान बढ़ाया है। उन्होंने अपनी कर्मभूमि पर काम करते हुए मातृभूमि पर सामाजिक सरोकारों के कार्यों में पूर्ण रूप से समर्पित होकर कार्य किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रवासी राजस्थानियों के योगदान के सम्मान में राज्य सरकार आगामी 10 दिसम्बर को प्रवासी राजस्थानी सम्मेलन का आयोजन करने जा रही है। उन्होंने अधिकारियों को आयोजन को सफल बनाने के लिए समयबद्ध रूप से कार्य करने के लिए निर्देशित किया।

शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर प्रवासी राजस्थानी सम्मेलन-2025 की कार्ययोजना के संबंध में आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रवासी राजस्थानियों की सहूलियत और उनके मुद्दों के लिए हमने कई कदम उठाए हैं। राज्य सरकार उनके लिए एक नए विभाग का गठन करने जा रही है। साथ ही, सभी जिलों में अतिरिक्त जिला कलक्टर को प्रवासी राजस्थानियों से संबंधित मुद्दों के समाधान के लिए नोडल अधिकारी बनाने के संबंध में आदेश एवं गाइडलाइन भी जारी हो चुकी है। इस सिंगल प्वाइंट कॉन्टैक्ट के माध्यम से प्रवासी भाई-बहनों के विषयों पर त्वरित कार्यवाही होगी। शर्मा ने अधिकारियों को इस संबंध में कार्य प्रगति की नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जयपुर में आयोजित होने वाले इस एक दिवसीय सम्मेलन में देश-विदेश से बड़ी संख्या में प्रवासी राजस्थानी शामिल होंगे। सम्मेलन में कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान के तहत सहयोग प्रदान कर रहे प्रवासी राजस्थानियों को भी विशेष रूप से आमंत्रित किया जाएगा। साथ ही सामाजिक, आर्थिक एवं औद्योगिक आदि क्षेत्रों में योगदान एवं उपलब्धि अर्जित करने वाले प्रवासी राजस्थानियों को सम्मेलन में सम्मानित भी किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री शर्मा की पहल पर हर वर्ष 10 दिसम्बर को प्रवासी राजस्थानी दिवस मनाने की शुरूआत की गई है।

शर्मा ने कहा कि आपणो अग्रणी राजस्थान के लक्ष्य की प्राप्ति के क्रम में प्रदेश में निवेश बढ़ाने के लिए प्रवासी राजस्थानियों का सहयोग लिया जाए। अधिकारी प्रवासी राजस्थानियों से नियमित संपर्क करें और उन्हें प्रदेश में निवेश के लिए प्रोत्साहित करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान फाउंडेशन के 14 नए चैप्टर्स के मनोनीत अध्यक्ष नई कार्यकारिणी के गठन की प्रक्रिया शीघ्र प्रारंभ कर सक्रिय लोगों को जोड़ें। फाउंडेशन अपने विभिन्न चैप्टर्स की बैठक आयोजित कर निरंतर संवाद भी करें।बैठक में संबंधित विभागों के उच्च अधिकारीगण उपस्थित रहे।

राजस्थान में मिनरल एक्सप्लोरेशन में पहली बार आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स का उपयोग

भीलवाड़ा-भरतपुर में पायलट प्रोजेक्ट के रुप में होगा एक्सप्लोरेशन

जयपुर, 16 जून (एजेंसियां)।

राजस्थान में खनिजों की खोज के लिए अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स व मशीन लर्निंग तकनीक का भी सहयोग लिया जाएगा। प्रमुख सचिव खान एवं भूविज्ञान टी. रविकान्त ने बताया कि पायलट प्रोजेक्ट के तहत भीलवाड़ा और भरतपुर के साथ ही चित्तोड़गढ़ के कुछ स्थानों पर एआई के माध्यम से क्रिटिकल एवं स्ट्रेटेजिक खनिज संभावित क्षेत्रों को चिन्हित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि खनिज क्षेत्र में नवाचार के तहत एआई के उपयोग का निर्णय लिया गया है और इसके लिए राजस्थान स्टेट मिनरल एक्सप्लोरेशन ट्रस्ट आरएसएमईटी द्वारा केन्द्र सरकार एवं नोटिफाइड प्राइवेट एक्सप्लोरेशन एजेंसी के साथ काम शुरु किया जाएगा। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा जो कि प्रदेश के खान मंत्री भी है, प्रदेश को खनिज खोज व खनन क्षेत्र में देश का अव्वल प्रदेश बनाने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रहे हैं। आज प्रमुख खनिजों की नीलामी में राजस्थान समूचे देश में शीर्ष पर आ गया है वहीं खनिज क्षेत्र से राजस्व में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। अब राज्य के भूगर्भ में छिपे बेशकीमती खनिजों के खोज कार्य को गति देने पर जोर दिया जा रहा है ताकि प्रदेश में उपलब्ध 82 प्रकार के खनिजों में से अधिक से अधिक खनिज भण्डारों की खोज कर खनन किया जा सके। वर्तमान में राज्य में 57 प्रकार के खनिजों का खनन हो रहा है।

प्रमुख सचिव टी. रविकान्त ने बताया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स के माध्यम से पायलट प्रोजेक्ट के रुप में भीलवाड़ा-भरतपुर व चित्तोडगढ़ में काम आरंभ किया जाएगा। एआई अध्ययन से प्राप्त रिपोर्ट के अधार पर खनिज संभावित चिन्हित स्थानों पर प्राथमिकता से ड्रिलिंग करवाते हुए सेंपल्स का रासायनिक विश्लेषण करवाया जाएगा और उसके परिणामों के आधार पर ब्लॉक तैयार कर नीलामी की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि परंपरागत तरीके से पूर्वेक्षण में अधिक समय व धन व्यय होता है वहीं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से एक्सप्लोरेशन कार्य से समय, धन और श्रम की बचत होने के साथ ही वैज्ञानिक तरीके से एक्सप्लोरेशन में गुणवत्ता और खनिज उपलब्धता सुनिश्चितता की संभावना अधिक होगी।

उपभोक्ता मामले विभाग की स्वैच्छिक उपभोक्ता संगठनों के साथ संवाद बैठक आयोजित

जयपुर, 16 जून (एजेंसियां)।

प्रदेश के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति तथा उपभोक्ता मामले मंत्री सुमित गोदारा ने प्रदेश के उपभोक्ता संगठनों से केंद्र और राज्य सरकार की उपभोक्ता संरक्षण नीति और नियमों की अक्षरशः पालना में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया ताकि उपभोक्ता हितों की रक्षा हो तथा उपभोक्ताओं में इन नीतियों के प्रति अधिकतम जागरूकता आए।

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के प्रमुख शासन सचिव सुबीर कुमार की अध्यक्षता में सोमवार को शासन सचिवालय में स्वैच्छिक उपभोक्ता संगठनों के साथ संवाद बैठक का आयोजन किया गया।

कुमार ने कहा कि उपभोक्ता अधिकारों के संरक्षण और सशक्तीकरण की दिशा में राज्य सरकार निरंतर प्रभावी कार्य कर रही है। हर क्षेत्र में हर पल सेवाओं का उपभोग हो रहा है, इसी के साथ साइबर ठगी, नकली वस्तु, बिना हॉलमार्किंग के स्वर्ण आभूषण सहित विभिन्न माध्यमों से उपभोक्ताओं से ठगी हो रही है। राज्य सरकार का प्रयास है कि इस पर अंकुश लगे। आमजन के बीच जागरूकता का अभाव न रहे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार उपभोक्ता हितैषी संकल्पना के अनुरूप कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि उपभोक्ता हितों की रक्षा में सरकार और समाज की साझेदारी आवश्यक है और ऐसे संवाद कार्यक्रम इस दिशा में सार्थक भूमिका निभाते हैं। संवाद बैठक में प्रदेशभर से आए उपभोक्ता संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया और उपभोक्ताओं से जुड़े विभिन्न मुद्दों, चुनौतियों और संभावित समाधानों पर महत्वपूर्ण सुझाव दिए। बैठक में ई-कॉमर्स में पारदर्शिता, ऑनलाइन धोखाधड़ी से सुरक्षा, अनुचित व्यापार प्रथाओं की रोकथाम, गुणवत्तापूर्ण उत्पादों की उपलब्धता और शिकायत निवारण तंत्र को और अधिक प्रभावी बनाने सहित विभिन्न विषयों पर सार्थक चर्चा की गई।

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति तथा उपभोक्ता मामले मंत्री सुमित गोदारा ने साइबर फ्रॉड से सुरक्षा, ई-कॉमर्स, ऑनलाइन शॉपिंग और उपभोक्ता संरक्षण, मीडिएशन, बैंकिंग एवं बीमा सेवाओं में उपभोक्ता संरक्षण, स्वर्ण आभूषणों पर हॉलमार्किंग तथा शुद्ध आहार प्रदर्शिका विषयों पर कन्ज्यूमर केयर प्रकाशन माला के अंतर्गत पुस्तिकाओं का बैठक में ऑनलाइन विमोचन किया। इससे पहले उपभोक्ता मामले विभाग के उपायुक्त संजय झाला ने विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों को विभागीय कार्यों और उपभोक्ता संरक्षण कानूनों व नीतियों की जानकारी दी। बैठक में विभाग की अतिरिक्त आयुक्त एवं निदेशक पूनम प्रसाद सागर सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

अपराधियों के सामने घुटने टेकती दिख रही है प्रदेश की भाजपा सरकार : सैलजा

चंडीगढ़, 16 जून (एजेंसियां)।

सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा चुकी है, लोग दहशत में है, हर वर्ग स्वयं को असुरक्षित महसूस कर रहा है, गैंगस्टर सरेआम फायरिंग कर दहशत फैला रहे है, ऐसा लग रहा है कि सरकार ने अपराधियों के सामने घुटने टेक दिए है। हालात ये है कि 12 जिलों में 300 शराब की बोली गैंगस्टर्स की धमकी के चलते नहीं हो पा रही है, धमकी के चलते कोई भी शराब कारोबारी बोली लगाने के लिए आगे नहीं आ रहा है। दूसरी ओर बढ़ते अपराध की जड़ में नशा एक प्रमुख कारण है जिसे खत्म करने दिशा में केवल सरकार बयानबाजी तक सीमित है, गली गली में नशा बिक रहा है जिससे साफ लगता है कि प्रदेश की पुलिस कितनी चौकस है।

मीडिया को जारी बयान में सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि प्रदेश में कानून नाम की कोई चीज दिखाई नहीं आ रही है अगर जिला में अपराधियों का बोलबाला है, किसी न किसी जिला में हर रोज हत्याएं हो रही है, लूटपाट और छीना झपटी आम हो गई है, गैंगस्टर्स के आगे पुलिस बौनी नजर आ रही है, गैंगस्टर्स सरेआम वारदात को अंजाम देकर निकल जाते है और पुलिस हाथ पर हाथ रखे बैठी रह जाती है।

शराब कारोबार पर गैंगस्टर्स नजरें लगाए हुए है, ठेकों की बोली को लेकर गैंगस्टर्स आमने सामने है, ठेका पर सरेआम फायरिंग कर और धमकी भरी पर्ची छोड़कर दहशत फैलाई जा रही है। हालात ऐसे है कि नई आबकारी नीति के तहत प्रदेश के 12 जिलों में 300 शराब ठेकों की बोली होनी है, हालात ऐसे है कि धमकी के चलते कोई भी शराब कारोबारी बोली लगाने के लिए आगे नहीं हो रहा है, अभी तक इन ठेकों की बोली नहीं हो पाई है।

सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि शराब कारोबारी इस मामले में मुख्यमंत्री और डीजीपी से भी मिल चुके है उन्हें सुरक्षा का पूर्ण आश्वासन दिया हुआ है पर शायद शराब कारोबारियों को सरकार के इन आश्वासनों पर विश्वास ही नही है जिसके चलते इन 300 शराब ठेकों की बोली नहीं हो पा रही है।

छात्रों पर जानलेवा हमला बर्दाश्त नही वीसी की जवाबदेही हो तय : हुड्डा

चंडीगढ़, 16 जून (एजेंसियां)।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि जिस तरह जाय मांगों को लेकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छात्रों पर लाठियां बरसाई गईं, वह नाकाबिले बर्दाश्त है। इस पूरे मामले में लाठी बरसाने वाले स्टाफ के साथ-साथ वाइस चांसलर की भी जवाबदेही तय होनी चाहिए। हुड्डा ने कहा कि छात्रवृत्ति कटौती के विरोध में शांतिपूर्ण धरना दे रहे छात्रों की मांगों को कांग्रेस पूर्ण समर्थन देती है। अपनी मांगों के लिए आवाज उठाना छात्रों का अधिकार है। ऐसे में उनपर जानलेवा हमला करना पूरी तरह आपराधिक कार्रवाई है। कानून के मुताबिक सिर पर वार को जानलेवा हमला माना जाता है और एफआईआर भी उसी धारा में दर्ज होती है।

इसलिए छात्रों के हमला करने और करवाने वाले दोनों को सजा भुगतनी पड़ेगी।

भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि छात्रों ने अभी तक पूरी तरह शांति और अनुशासन का परिचय दिया है। न्याय की इस लड़ाई को भी शांति व अनुशासन के साथ आगे बढ़ाएं। कांग्रेस समेत तमाम युवा और पूरा प्रदेश छात्रों के साथ खड़ा है। छात्रों की आवाज को कांग्रेस विधानसभा से लेकर संसद तक हर मंच पर उठाएगी। कांग्रेस के तमाम विधायकों व सांसदों ने छात्रों के बीच पहुंचकर अपने समर्थन का ऐलान किया है।

छात्रों का कहना है कि विश्वविद्यालय ने छात्रवृत्ति नियमों में अनुचित बदलाव किया है। पहले 70% या उससे अधिक अंक लाने वाले हरेक छात्र को स्टाइपेंड दिया जाता था। लेकिन अब उसे सिर्फ टॉप 25% छात्रों तक सीमित कर दिया है। इतना ही नहीं, मेरिट स्टाइपेंड के लिए न्यूनतम योग्यता 70% से बढ़ाकर 75% कर दी गई है।

इसी तानाशाही के विरुद्ध सभी ने एकजुट होकर शांतिपूर्ण ढंग से अपनी आवाज उठाई थी। लेकिन रात के अंधेरे में बीजेपी सरकार के इशारे पर बेरहमी से उनपर लाठियाँ बरसाई गईं। हुड्डा ने कहा कि बीजेपी सरकार ने पूरे कार्यकाल में एक भी बड़ी यूनिवर्सिटी प्रदेश में स्थापित नहीं की।

पति की हत्या के आरोप में पत्नी और उसका प्रेमी गिरफ्तार

जींद, 16 जून (एजेंसियां)।

हरियाणा के जींद जिले में रेलवे ट्रैक के किनारे युवक की हत्या के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। मृतक की पत्नी कुलफसा ही उसकी कातिल निकली। उसने अपने प्रेमी और पति के चचेरे भाई मोहम्मद खालिद के साथ मिलकर हत्याकांड को अंजाम दिया। जीआरपी ने 72 घंटे में हत्याकांड को सुलझाते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। 13 जून को रेलवे ट्रैक के पास युवक का शव मिला था, जिसकी शिनाख्त उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले के बड़ौदा गांव निवासी 26 वर्षीय साजिद के रूप में हुई। घटनास्थल पर चाकू और डंडा भी बरामद हुआ था। घटना रेलवे क्षेत्र में होने के कारण मामला जीआरपी के अधीन आया। जीआरपी ने शव को कब्जे में लेकर उसे अस्पताल भिजवाया। शव को जींद से खानपुर मेडिकल कॉलेज भेजा गया, जहां पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया।

हत्या की गुत्थी तब सुलझी जब घटनास्थल के आसपास की मोबाइल लोकेशन जांची गई। घटनास्थल पर कुलफसा और मोहम्मद खालिद दोनों के मोबाइल की लोकेशन एक ही मिली। इसके बाद कुलफसा को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में उसने हत्या की बात कबूल की। बाद में मोहम्मद खालिद की गिरफ्तारी के लिए जीआरपी की एक विशेष टीम बनाई गई। इस टीम ने रविवार को दबिश देकर उसे गिरफ्तार कर लिया।

मशहूर हरियाणवी मॉडल सिम्मी की नहर में मिली लाश, बॉयफ्रेंड पर हत्या का शक

सोनीपत, 16 जून (एजेंसियां)।

हरियाणा की जानी-मानी मॉडल शीतल चौधरी उर्फ सिम्मी की लाश सोमवार सुबह सोनीपत के खरखौदा इलाके में नहर से बरामद हुई। पुलिस ने उसकी पहचान शरीर पर बने टैटू के आधार पर की है। मृतका के परिजनों ने उसके बॉयफ्रेंड पर हत्या का शक जताया है।

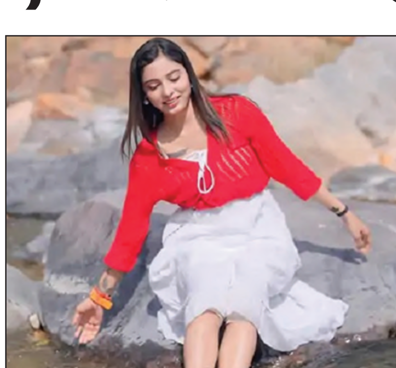

शीतल मूल रूप से पानीपत की रहने वाली थी। शनिवार 14 जून को वह शूटिंग के लिए गांव अहर गई थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। इसी दिन उसने अपनी बहन नेहा को आखिरी बार वीडियो कॉल किया था। कॉल के दौरान उसने बताया था कि उसका बॉयफ्रेंड उससे मारपीट कर रहा है और जबरन अपने साथ ले जाने की कोशिश कर रहा है। इसके बाद कॉल कट गई।

परिजनों के अनुसार, शीतल के गायब होने के बाद उन्होंने पानीपत के उरलाना कलां चौकी में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रविवार सुबह आरोपी बॉयफ्रेंड की कार दिल्ली पैरलल नहर में मिली थी। स्थानीय लोगों ने युवक को कार से सुरक्षित बाहर निकाल लिया, लेकिन शीतल का कुछ पता नहीं चला। सोमवार सुबह उसकी लाश सोनीपत के खरखौदा नहर में मिली। सोनीपत एसीपी हेडक्वार्टर अजीत सिंह ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि नहर में मिली लाश की पहचान शीतल के रूप में हुई है। उसके शरीर पर बने टैटू से यह पुष्टि हुई। फिलहाल मामले की जांच जारी है।

शीतल की बहन नेहा ने पुलिस को बताया कि शीतल मॉडलिंग के काम से गांव अहर गई थी। कई कोशिशों के बावजूद जब वह घर नहीं लौटी तो उन्होंने उसकी तलाश शुरू की। परिजनों का आरोप है कि शीतल के बॉयफ्रेंड ने ही उसकी हत्या की है। पुलिस ने युवक को हिरासत में ले लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का इंतजार है, जिससे मौत के कारणों का खुलासा हो सकेगा।

वैशाली में सड़क हादसे में छह लोगों की दर्दनाक मौत, कई लोग गंभीर

पिकअप वैन का टायर फटने से हुआ हादसा

वैशाली (एजेंसियां)।
वैशाली जिले के सोनपुर थाना क्षेत्र के बाजिदपुर फोरलेन पर सोमवार को एक दर्दनाक हादसा हुआ।

एक पिकअप वैन का अचानक टायर फट गया, जिससे वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। इस घटना में छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक दर्जन से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

घायलों को इलाज के लिए हाजीपुर सदर अस्पताल लाया गया, लेकिन वहां उचित इलाज न मिलने पर परिजनों का गुस्सा फूट पड़ा। परिजनों का आरोप था कि अस्पताल में सीटी स्कैन मशीन मौजूद होने के बावजूद बिजली नहीं होने के कारण स्कैन नहीं किया जा पा रहा है। इससे

घायलों का सही ढंग से इलाज नहीं हो रहा है।

घायल के परिजनों ने बताया कि वे सुबह से ही अस्पताल में मौजूद हैं, लेकिन कोई डॉक्टर उनकी बात नहीं सुन रहा है। न तो सही जानकारी दी जा रही है और न ही मरीजों को एक जगह से दूसरी जगह ले जाने वाला कोई स्वास्थ्यकर्मी मौजूद है। इसी ला-परवाही से नाराज होकर परिजनों ने मरीजों को इमरजेंसी वार्ड से बाहर निकाल दिया और अस्प-ताल परिसर में हंगामा शुरू कर दिया।

घटना की जानकारी मिलते ही अस्पताल प्रशासन हरकत में आया। सुरक्षाकर्मियों ने मौके पर पहुंचकर परिजनों को समझा-बुझाकर शांत कराया। बाद में परिजन खुद ही घायलों को स्ट्रेचर पर एक जगह से दूसरी जगह ले जाने लगे।

पिकअप वैन हादसे में जिन छह लोगों की मौत हुई, उनमें चंदेश्वर पासवान की पत्नी फूलमती देवी, किशोरी राम के 18 वर्षीय पुत्र गोलू कुमार, अरुण राम के 16 वर्षीय पुत्र अरविंद कुमार, योगेंद्र भगत की 55 वर्षीय पत्नी लक्ष्मी देवी, सुरेन पासवान के 18 वर्षीय पुत्र बादल कुमार और भगवान माझी की पत्नी अहिला देवी शामिल हैं।

वहीं, गंभीर रूप से घायल लोगों में दिघवारा निवासी राजकुमार पंडित की पत्नी अंजू देवी, राजू बैठ की पत्नी राधिका देवी, सरवन राम के पुत्र सोनू कुमार, पंचूराम की पुत्री राजलक्ष्मी कुमारी, रामबाबू राम के सात वर्षीय पुत्र शिवम कुमार, मनोहर पासवान की पत्नी लालमुनी देवी, हरि पासवान की पत्नी कविता देवी, 13 वर्षीय मधु कुमारी और दुलन पासवान के पुत्र हिमांशु कुमार का नाम शामिल है। इस घटना ने न केवल सड़क सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े किए हैं, बल्कि अस्पतालों की बदहाल व्यवस्था को भी उजागर कर दिया है। परिजन अब भी बेहतर इलाज और प्रशासनिक ध्यान की मांग कर रहे हैं।

औराई में बागमती नदी में बह गया चचरी पुल, बाल-बाल बची ग्रामीण की जान

मुज्जफरपुर (एजेंसियां)।
मुजफ्फरपुर जिले के औराई प्रखंड स्थित मधुबन प्रताप गांव में बागमती नदी पर बना चचरी पुल देखते ही देखते तेज बहाव में बह गया।

इस दौरान एक बाइक सवार युवक की जान बाल-बाल बची। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

जानकारी के अनुसार, नेपाल के तराई क्षेत्रों में हो रही भारी बारिश के कारण बागमती नदी के जलस्तर में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। इसका सीधा असर मुजफ्फरपुर जिले के नदी किनारे बसे इलाकों में देखने को मिल रहा है। औराई प्रखंड के मधुबन प्रताप गांव में ग्रामीणों के सहयोग से निर्मित चचरी पुल कुछ ही मिनटों में नदी के तेज बहाव में बह गया।

ग्रामीणों के मुताबिक, यह पुल स्थानीय लोगों द्वारा चंदा जुटाकर बनाया गया था, जो हर साल बाढ़ के कारण बह जाता है। इस पुल को ग्रामीणों की 'लाइफलाइन'

कहा जाता था, जिससे सैकड़ों लोग रोजाना आना-जाना करते थे।

पुल बहने के वक्त एक बाइक सवार युवक इसे पार कर रहा था, जिसे स्थानीय ग्रामीणों ने जान जोखिम में डालकर किसी तरह सुरक्षित बाहर निकाला। इस घटना के बाद से गांव में दहशत का माहौल है और आवागमन पूरी तरह से ठप हो गया है।

घटना के संबंध में स्थानीय नाविक दीपू कुमार सहनी ने बताया कि सुबह से ही बागमती नदी के जलस्तर में तेजी से बढ़ोतरी हो रही थी। देखते ही देखते पानी की धार इतनी तेज हो गई कि पुल बह गया। यह हर साल की कहानी है। हम ग्रामीण चंदा कर पुल बनाते हैं, लेकिन हर बार यह बागमती नदी की भेंट चढ़ जाता है। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द स्थायी पुल के निर्माण की मांग की है ताकि हर साल इस तरह की परेशानियों का सामना न करना पड़े।

बिहार के चर्चित हथकटवा कांड के 11 दोषियों को उम्रकैद

शेखपुरा (एजेंसियां)।
शेखपुरा जिले में हथकटवा कांड के आरोपियों को कोर्ट ने सजा सुना दिया है। कोर्ट इस मामले में 11 आरोपियों आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।

इतना ही नहीं इन्हें 50-50 हजार रुपये जुर्माने भी लगाया है। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वितीय रविन्द्र कुमार की अदालत ने इस दिल दहला देने वाले घटना के मामले में 11 आरोपियों को सजा सुनाई है। इसके बाद सभी दोषियों को शेखुपरा जेल भेज दिया गया।

बताया जा रहा है कि 16 नवंबर 2023 का है, जब खेत पटवन को लेकर हुए विवाद में गांव के ही मनीष यादव और दानी यादव ने मिलकर बबलू यादव के दोनों हाथ काट दिए थे। आरोप है कि दोनों ने उसके कटे हुए हाथों को साथ ले जाकर यह सुनिश्चित करने की कोशिश की कि उसका इलाज भी न हो सके। यह घटना इतनी विभत्स थी कि लोगों को 50 साल पुरानी 'शोले फिल्म' की याद दिला दी, जिसमें गब्बर सिंह ने ठाकुर के दोनों हाथ काट लिए थे। इस मामले में कोर्ट ने पीड़ित के इलाज को लेकर विशेष निर्देश दिया है।

घटना के बाद पीड़ित के परिजन राजेन्द्र प्रसाद यादव के बयान पर 13 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज हुआ, जिनमें से 11 दोषियों को आज सजा सुनाई गई । जिसमें मनीष यादव, दानी यादव, अवधेश यादव, कुणाल यादव, धर्मवीर यादव, भोला यादव, जीवन यादव, अजय यादव, रविन्द्र यादव, रामदेव यादव, भुनेश्वर यादव शामिल है।

अब दक्षिण बिहार से पटना आना हुआ आसान

सीएम नीतीश कुमार ने दी मीठापुर -महुली एलिवेटेड रोड की सौगात

पटना (एजेंसियां)।
अब पटना से दक्षिण बिहार आना-जाना और भी आसान हो गया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने फिर से एक एलिवेटेड रोड की सौगात दी है। उन्होंने पटना-महुली हाईवे रोड का शुभारंभ कर दिया है।

इससे अब रोज घंटों लगने वाले जाम से लोगों को मुक्ति मिलेगी और समय की बचत होगी। इस सड़क के चालू होने से राजधानी के दक्षिणी इलाकों में रहने वाले लाखों लोगों को यातायात में काफी सहूलियत मिलने वाली है। दक्षिण बिहार के विभिन्न जिलों में

आना-जाना भी अब बेहद आसान हो जाएगा।

कुल 1400 करोड़ रुपये की लागत निर्मित मीठापुर-महुली-पुनपुन परियोजना अंतर्गत भूपतिपुर से पुनपुन (एनएच-22) तक एलिवेटेड-सह-एटग्रेड सड़क पर आवागमन चालू हो गई है। इस मौके पर राज्य के दोनों उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा, सांसद रविशंकर प्रसाद, पूर्व सांसद रामकृपाल यादव समेत कई वरिष्ठ नेता और अधिकारी मौजूद रहे। समारोह की अध्यक्षता पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन ने किया। उन्होंने कहा कि मीठापुर-महुली एलिवेटेड रोड के चालू होने से पटना के दक्षिणी इलाकों में रहने वाले लाखों लोगों को यातायात में काफी सहूलियत मिलने वाली है। जहानाबाद, अरवल, बिहारशरीफ और गया के लिए सफर अब आसान हो जाएगा। पहले फेज में सिपारा से महुली तक एलिवेटेड रोड बनकर तैयार हो चुका है।

आम के बगीचे में मिला युवक का क्षत-विक्षत शव, इलाके में सनसनी

पटना (एजेंसियां)।
राजधानी पटना से सटे फतुहा थाना क्षेत्र अंतर्गत सोनारू गांव में सोमवार को आम के बगीचे में एक युवक का सड़ा-गला शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। शव की अब तक पहचान नहीं हो सकी है।

ग्रामीणों ने बताया कि वे खेतों की ओर जा रहे थे, तभी अचानक तेज दुर्गंध महसूस हुई। जब वे दुर्गंध के स्रोत की तलाश करते हुए बगीचे की ओर बढ़े तो झाड़ियों के बीच एक शव पड़ा मिला। शव की हालत बेहद खराब थी और उसमें सड़न शुरू हो चुकी थी।

सूचना मिलने पर फतुहा थाना अध्यक्ष रूपक कुमार अंबुज

पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। शव पर काले रंग की शर्ट और आसमानी रंग का अंडरवियर पाया गया। एक पैर कटा हुआ भी था, जिससे हत्या की आशंका और गहरा गई है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि युवक की हत्या कहीं और कर शव को यहां फेंका गया है या फिर हत्या इसी स्थान पर हुई है।

फतुहा थाना अध्यक्ष अंबुज कुमार ने बताया कि मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। ऐसे में शव को 72 घंटे तक सुरक्षित रखा जाएगा, ताकि कोई परिजन या जानने वाला आकर उसकी पहचान कर सके। यदि इस अवधि में पहचान नहीं हो पाती है तो नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है।

सीतामढ़ी की मुस्कान आनंद बनीं नीट यूजी 2025 की बिहार टॉपर, हासिल की 112वीं रैंक

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।
सीतामढ़ी नगर निगम क्षेत्र के वार्ड संख्या 25, बसबरिया निवासी मुस्कान आनंद ने मॉक टेस्ट और सेल्फ स्टडी के दम पर नीट यूजी 2025 में बिहार टॉपर बनकर इतिहास रच दिया है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा आयोजित देश की सबसे कठिन मानी जाने वाली मेडिकल प्रवेश परीक्षा में मुस्कान ने 720 में से 643 अंक हासिल किए हैं। इस शानदार प्रदर्शन के बूते उन्होंने ऑल इंडिया रैंक 112वीं, ओबीसी वर्ग में 26वीं और लड़कियों में 20वां स्थान प्राप्त

किया है। मुस्कान की इस अभूतपूर्व सफलता से उनके परिवार, स्कूल और जिले में हर्ष का माहौल है।

मुस्कान के दादा शंकर प्रसाद, पिता शशि भूषण कुमार और मां रिंकी देवी उनकी सफलता पर फूले नहीं समा रहे। पिता ने बताया कि मुस्कान शुरू से ही पढ़ाई के प्रति गंभीर रही हैं। मेहनत, आत्मअनुशासन और समर्पण उनकी खास पहचान रही है। मुस्कान बताती हैं कि हर चैप्टर को गहराई से समझना और फिर खुद से मॉक टेस्ट देना ही मेरी सबसे बड़ी तैयारी थी। मैंने हर परीक्षा को खुद की प्रगति का आईना माना और लगातार सुधार किया।

मुस्कान ने बताया कि उन्होंने नीट 2025 की पूरी तैयारी नारायणा स्कूल, विजयवाड़ा के कैंपस में रहकर की। स्कूल के शिक्षकों द्वारा पढ़ाया गया सिलेबस उन्हें गहराई से समझ में आया, जिससे उनकी नींव मजबूत हुई।

उन्होंने बिना किसी बाहरी कोचिंग या ऑनलाइन संसाधन के सिर्फ सेल्फ स्टडी और मॉक टेस्ट पर भरोसा किया। उन्होंने सोशल मीडिया से पूरी तरह दूरी बनाए रखी और पढ़ाई पर पूरा ध्यान केंद्रित किया। उनका मानना है कि लगन, आत्मअनुशासन और निरंतर अभ्यास ही किसी भी बड़ी परीक्षा में सफलता की कुंजी हैं।

मुस्कान ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता, शिक्षकों और दोस्तों को दिया। उन्होंने कहा कि अगर कोई छात्र सेल्फ स्टडी को गंभीरता से ले, तो वह किसी भी बड़ी परीक्षा को पास कर सकता है। मेहनत और दिशा सही हो तो संसाधनों की कमी आड़े नहीं आती। सीतामढ़ी जिले के लिए यह एक गर्व का क्षण है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों, शिक्षाविदों और नागरिकों ने मुस्कान को बधाई दी है। खासकर बेटियों के लिए मुस्कान की यह उपलब्धि प्रेरणास्रोत बन गई है।

राजद के निर्विरोध प्रदेश अध्यक्ष बने मंगनी लाल मंडल

पटना (एजेंसियां)।
बिहार में पहली बार किसी राजनीतिक दल का प्रदेश अध्यक्ष कोई अति पिछड़ा बना है।' यह बात कहते हुए नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव अपनी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष के बारे में जानकारी दी। उन्होंने निर्विरोध राजद का प्रदेश अध्यक्ष निर्वाचित होने पर मंगनी लाल मंडल जी को मिठाई खिलाकर बधाई दी। इसके बाद सोशल मीडिया पर लिखा कि बिहार में किसी भी पार्टी द्वारा प्रथम बार ङ्गअतिपिछड़ा वर्गङ्घ से प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है। नेता प्रतिपक्ष ने लिखा कि राजद से अनुसूचित जाति वर्ग, मुस्लिम

वर्ग, पिछड़ा वर्ग एवं अगड़ा वर्ग से पूर्व में प्रदेश अध्यक्ष रह चुके है। अब अतिपिछड़ा वर्ग से संबंध रखने वाले वरिष्ठ एवं अनुभवी समाजवादी नेता आदरणीय श्री मंगनीलाल मंडल जी को अध्यक्ष बनाया गया है। सर्वप्रथम किसी अतिपिछड़ा को प्रदेश अध्यक्ष बनाने का गौरव राजद को ही हासिल हुआ है। इतना ही नहीं तेजस्वी यादव ने यह भी दावा किया कि देश में राष्ट्रीय जनता दल ही सर्वप्रथम एवं अकेली ऐसी पार्टी है जिसने अपने संगठन में दलितों और अतिपिछड़ों के लिए आरक्षण लागू किया हुआ है। हम जुबानी खर्च नहीं करते बल्कि वास्तव में सामाजिक न्याय की अवधारणा को धरातल पर उतारते है। हमें आशा ही नहीं पूर्व विश्वास है कि मंगनीलाल मंडल जी के नेतृत्व में प्रदेश राजद नई उचाईयों को छुएगा। तेजस्वी यादव निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह की भी खूब तारीफ की। कहा कि उनका कार्यकाल सकारात्मक व गुणात्मक परिवर्तन के लिए सदैव याद किया जाएगा। उन्होंने 85 वर्ष की उम्र में भी जिस कर्मठता, समर्पण, त्याग, अनुशासन एवं लग्न के साथ इस महत्ती ज़िम्मेवारी का निर्वहन किया वह वर्णन से परे है।

नेता प्रतिपक्ष ने नीतीश सरकार और उनके अधिकारियों पर भी जमकर हमला बोला। कहा कि बिहार में अचेतन मुख्यमंत्री एवं डीके टैक्स के कारण प्रशासनिक अराजकता, अव्यवस्था, भ्रष्टाचार, लापरवाही एवं अनियमितता का यह आलम है कि अब अधिकारी जनप्रतिनिधियों के फोन तक नहीं उठाते। जनता के नौकर यह अधिकारी इतने अहंकारी व निडर हो गए है कि विधायक, सांसद और मंत्रियों तक को प्रणाम और नमस्कार तक करने का शिष्टाचार भी नहीं निभाते। अचेत मुख्यमंत्री होने के कारण बिहार में अपराध, भ्रष्टाचार, कोताही और लापरवाही पर किसी की कोई जवाबदेही नहीं, कहीं कोई कोई कारवाई नहीं। सब मिलकर गरीब राज्य का खजाना लूट रहे है।

फर्जी आर्म्स लाइसेंस पर ज्वेलरी शॉप के दो गार्ड गिरफ्तार, हथियार और कारतूस बरामद

पूर्णिया (एजेंसियां)।
कटिहार जिले के सहायक थाना क्षेत्र स्थित एक प्रतिष्ठित ज्वेलरी शॉप में फर्जी आर्म्स लाइसेंस के आधार पर ड्यूटी कर रहे दो सुरक्षा गार्डों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। दोनों गार्ड कल्याण ज्वे-लरी में तैनात थे। उनके पास से दो बंदूकें और 11 जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं।

कटिहार के प्रभारी डीएसपी सद्दाम हुसैन ने प्रेस को जानकारी देते हुए बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर जब दोनों गार्डों की जांच की गई तो उनके पास मौजूद बंदूकों के लाइसेंस पूरी तरह फर्जी पाए गए। इस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने दोनों गार्डों को गिरफ्तार कर लिया और उनके पास मौजूद हथियारों और कारतूस को जब्त कर लिया गया।

डीएसपी ने बताया कि इस मामले के सामने आने के बाद अब शहर के तमाम प्रतिष्ठानों में प्राइवेट और एजेंसी के माध्यम से तैनात गार्डों के आर्म्स लाइसेंस की भी जांच कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि यदि इनका समय पर सत्यापन नहीं किया गया तो ये गार्ड खुद सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बन सकते हैं। पुलिस प्रशासन ने इस कार्रवाई को कानून व्यवस्था की दृष्टि से बड़ी सफलता बताया है। आमजन से अपील की गई है कि यदि किसी को किसी व्यक्ति के आर्म्स लाइसेंस को लेकर संदेह हो, तो इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दें।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com